हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार | 15 जून 2024 | वर्ष : 02 अंक : 34 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

रेलवे ने बुलेट ट्रेन के लिए स्वचालित वर्षा निगरानी प्रणाली अपनाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि बुलेट ट्रेन सेवा का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित वर्षा निगरानी प्रणाली अपनाई गई है। अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बुलेट ट्रेन सेवाओं के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक स्वचालित वर्षा निगरानी प्रणाली को अपनाया गया है। यह प्रणाली उन्नत उपकरण प्रणाली से सुसज्जित वर्षामापी यंत्रों का इस्तेमाल करके वर्षा पर वास्तविक समय वाले आंकड़े प्रदान करेगी। बुलेट ट्रेन परियोजना कॉरिडोर का निर्माण कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार ट्रैक रखरखाव केंद्र ट्रैक के पास स्थापित वर्षा गेज द्वारा उत्पन्न आंकड़ों की निगरानी करेगा। के एक अधिकारी ने कहा, इन आंकड़ों को ट्रेन यातायात नियंत्रक के साथ साझा किया जाता है ताकि ट्रेन की गति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन की सलाह दी जा सके। उन्होंने कहा, चूंकि, ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी, इसलिए इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर मिनट सावधानी बरती जा रही है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मिलेंगे योगी,

चुनाव नतीजों के बाद होगी यह पहली मुलाकात

भाजपा के वैचारिक गुरु, आरएसएस के प्रमुख के शब्द इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आक्रामक चुनाव अभियान के बावजूद पार्टी एनडीए के महत्वाकांक्षी '400 पार' आह्वान से काफी पीछे रह गई। पार्टी 272 के बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में भी विफल रही - उसने 543 लोकसभा सीटों में से 240 सीटें जीतीं - क्योंकि एक सक्रिय इंडिया गुट ने मोदी लहर को रोक दिया।

एजेंसी

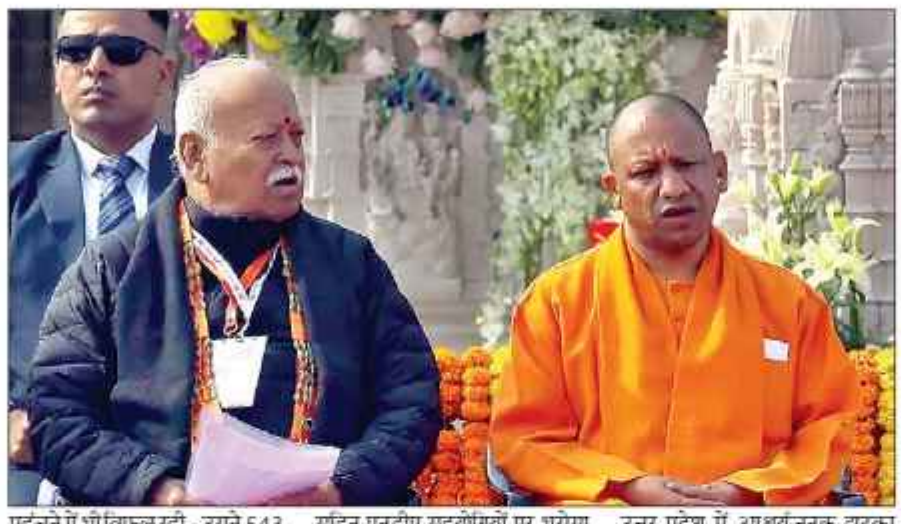

नई दिल्ली:उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 जून को आरएसएस प्रशिक्षण सत्र में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात करेंगे। 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद दोनों के बीच यह पहली मुलाकात होगी। आगामी बैठक भागवत के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि एक सच्चा 'सेवक' अहंकारी नहीं होता है और गरिमा बनाए रखते हुए लोगों की सेवा करता है। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद उनकी पहली टिप्पणी के हिस्से के रूप में, जिसने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को रिकॉर्ड तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन कम जनादेश के साथ।भाजपा के वैचारिक गुरु, आरएसएस के प्रमुख के शब्द इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आक्रामक चुनाव अभियान के बावजूद पार्टी एनडीए के महत्वाकांक्षी '400 पार' आह्वान से काफी पीछे रह गई। पार्टी 272 के बहुमत के आंकड़े तक

पहुंचने में भी विफल रही - उसने 543 लोकसभा सीटों में से 240 सीटें जीतीं - क्योंकि एक सक्रिय इंडिया गुट ने मोदी लहर को रोक दिया। केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने के लिए भाजपा ने टीडीपी के एन चंद्रबाबू नायडू और जेडी (यू) के नीतीश कुमार सहित एनडीए सहयोगियों पर भरोसा किया।कल की बैठक के दौरान, आदित्यनाथ और भागवत के बीच लोकसभा चुनाव, उत्तर प्रदेश में आरएसएस के विस्तार और हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। लोकसभा चुनावों में, भाजपा को उत्तर प्रदेश में आश्चर्यजनक झटका लगा, और केवल 33 सीटें ही जीत पाई, जो 2019 में मिली 62 सीटों से कम है। कांग्रेस-समाजवादी पार्टी गठबंधन ने 43 सीटें जीतीं।इससे पहले, भागवत ने चिउटाहा क्षेत्र के एसवीएम पब्लिक स्कूल में चल रहे संघ कार्यकर्ता विकास वर्ग शिविर में स्वयंसेवकों को संबोधित किया, जहां 3 जून से एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 280 स्वयंसेवी कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।भाजपा के वैचारिक गुरु, आरएसएस के प्रमुख के शब्द इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आक्रामक चुनाव अभियान के बावजूद पार्टी एनडीए के महत्वाकांक्षी '400 पार' आह्वान से काफी पीछे रह गई।पार्टी 272 के बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में भी विफल रही - उसने 543 लोकसभा सीटों में से 240 सीटें जीतीं - क्योंकि एक सक्रिय इंडिया गुट ने मोदी लहर को रोक दिया।आगामी बकरीद के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक आदेश जारी कर सड़कों पर नमाज अदा करने और अज्ञात स्थानों पर पशु कुर्बानी पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई कुर्बानी प्रथा में चढ़ाए जाने वाले प्रतिबंधित जानवरों का वध करते हुए पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वी नौसेना कमान के दौरे पर रक्षा मंत्री, जवानों का बढ़ाया हौसला

एजेंसी

नई दिल्ली:रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की 14 जून, 2024 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान की यात्रा, रक्षा मंत्री के रूप में उनके लगातार दूसरे कार्यकाल में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। यह यात्रा, पद संभालने के बाद उनकी पहली बाहरी यात्रा थी, जिसने भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।अपनी यात्रा के दौरान, सिंह 'समुद्र में एक दिन' के लिए आईएनएस जलाश्व पर रवाना हुए, यह एक कार्यक्रम है जो नौसेना की परिचालन तत्परता और क्षमताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर के साथ, सिंह ने कमान के विभिन्न जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों द्वारा गतिशील संचालन देखा। इन ऑपरेशनों ने समुद्री खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता और तैयारियों को प्रदर्शित किया।पूर्वी बेड़े के अधिकारियों और नाविकों के साथ बातचीत करते हुए, सिंह ने भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में पहली प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में उसकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (एसएजीएआर) के दृष्टिकोण के अनुरूप, शांतिपूर्ण और स्थिर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिंह ने दोहराया कि भारत यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ है कि क्षेत्र में कोई भी देश दूसरे देश का दमन न करे और मित्र देश सुरक्षित वातावरण में एक साथ प्रगति कर सकें।सिंह ने मार्च 2024 में साहसी बचाव अभियान पर प्रकाश डालते हुए भारतीय नौसेना के मानवीय प्रयासों की भी प्रशंसा की। इस ऑपरेशन के दौरान, नौसेना ने 23 पाकिस्तानी नागरिकों को सोमाली समुद्री डाकुओं से मुक्त कराया, जो मानवता के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के अपने मूल्यों को प्रदर्शित करता है, चाहे उनकी परवाह किए बिना राष्ट्रीयता।

3 नए आपराधिक कानून 1 जुलाई से लागू होंगे, मेमोरेंडम जारी

एजेंसी

नई दिल्ली:कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू होंगे। डीओपीटी ने सभी मंत्रालयों और विभागों से इन नए कानूनों की सामग्री को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करने का आग्रह किया है। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सभी संबंधित कर्मी नए कानूनी बदलावों को लागू करने से पहले उनके बारे में पर्याप्त रूप से तैयार और जानकार हों।भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023-भारतीय को प्रतिस्थापित करने का प्रस्ताव, दंड संहिता (आईपीसी), 1860, जिसे अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था, भारत का आधिकारिक आपराधिक कोड है जो विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को सूचीबद्ध करता है।

8 बार के विधायक रणेंद्र प्रताप स्वैन बने प्रोटेम स्पीकर, नवनिर्वाचित विधायकों को दिलाएंगे शपथ

एजेंसी

ओडिशा:आठ बार के विधायक रणेंद्र प्रताप स्वैन ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में ओडिशा विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली। संसद या राज्य विधानमंडल में कार्यवाही संचालित करने के लिए अस्थायी तौर पर प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की जाती है। पूर्व मंत्री और कटक जिले के अथागढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक स्वैन को राज्यपाल रघुबर दास ने प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया था। स्वैन के शपथ लेने के समय मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी राजभवन में मौजूद थे। स्वैन ने कहा, "मुझे सीएम की

सिफारिश पर प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है।" रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वह 18 और 19 जून को नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे और 20 जून को ओडिशा विधानसभा के नियमित अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए चुनाव भी कराएंगे।

लोकसभा में बढ़ी कांग्रेस की सीटें तो चौकन्ने हो गए उद्धव, अकेले लड़ सकते हैं विधानसभा चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली:विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के प्रमुख सदस्य के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अकेले लड़ने की संभावनाएं तलाश रही है। शिव सेना (यूबीटी) ने राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया भी शुरू की है। 12 जून को सेना भवन में एक बैठक में उद्धव ठाकरे ने राज्य भर के अपने सभी 'संपर्क प्रमुखों' (संचार प्रमुखों) से एक रिपोर्ट सौंपने को कहा कि अगर पार्टी विधानसभा में अकेले जाने का फैसला करती है, तो

क्या होगा। इंडिया ब्लॉक के सहयोगी के रूप में चुनाव लड़े।हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में विपक्षी इंडिया गुट 30 सीटें जीतकर प्रमुख ताकत के रूप में सामने आया, जबकि एनडीए 17 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रहा। एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने भी पश्चिमी राज्य में एक सीट जीती। उद्धव ठाकरे ने इस बात की रिपोर्ट मांगी है कि क्या लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी के उम्मीदवार और गठबंधन पार्टी के उम्मीदवार के पदाधिकारियों ने मिलकर काम किया था।इस बीच, लोकसभा चुनाव में एनडीए को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा करने वाली राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने विधानसभा चुनाव में 200 से 225 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। महाराष्ट्र की 288 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है।

सपा सांसद अफजाल अंसारी ने की योगी आदित्यनाथ की तारीफ, कहा- खत्म हो गया मोदी मैजिक

एजेंसी

गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी के भाई और सपा सांसद अफजाल अंसारी ने राज्य में भाजपा की 30 लोकसभा सीटें जीतने का श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया। उन्होंने कहा, "मोदी का जादू राज्य में तीन से ज्यादा सीटों तक ही सीमित नहीं है।" उन्होंने कहा कि अगर योगी ने वाराणसी में डेरा नहीं डाला होता तो अपनी सीट बचाना मुश्किल होता।उन्होंने कहा कि मोदी का जादू अब खत्म हो गया है

क्योंकि वाराणसी संसदीय क्षेत्र चंदौली, गाजीपुर और मछलीशहर लोकसभा क्षेत्रों से घिरा हुआ है और बीजेपी तीनों हार गयी। अंसारी ने दावा किया कि वे दिन गए जब मोदी का जादू वाराणसी से उनकी उम्मीदवारी के कारण पूर्वी यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल में व्यापक प्रभाव डालता था। उन्होंने कहा कि आदित्यनाथ ने जमीनी हकीकत को ध्यान में रखते हुए बेहतरीन प्रयास किए, साथ ही कहा कि राज्य में शर्मनाक परिणाम से बचने के लिए, भाजपा को उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और प्रयासों के कारण, भाजपा 30 सीटें जीत सकी।

अदालत ने चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों शुभेंदु अधिकारी को राजभवन जाने की अनुमति दी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल :कोलकाता ।कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आश्चर्य जताया कि क्या पश्चिम बंगाल के राज्यपाल नजरबंद हैं। इसके साथ ही उसने कहा कि विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी चुनाव बाद हिंसा के कथित पीड़ितों के साथ राज्यपाल सी वी आनंद बोस से मिलने के लिए राजभवन जा सकते हैं, अगर इसके लिए उनके कार्यालय से अनुमति हो। शुभेंदु अधिकारी और एक अन्य व्यक्ति ने

अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए दावा किया था कि लिखित अनुमति के बावजूद पुलिस ने उन्हें बृहस्पतिवार को राजभवन में प्रवेश नहीं करने दिया। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने निर्देश दिया कि राजभवन से अनुमति मिलने के आधार पर विपक्ष के नेता अधिकारी लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में कथित रूप से हिंसा से प्रभावित लोगों के साथ राजभवन जा सकते हैं। न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान राज्य के महाधिवक्ता से सवाल किया कि क्या राज्यपाल नजरबंद हैं। उन्होंने कहा कि जब ऐसा नहीं है, तो राज्यपाल के कार्यालय से अनुमति मिलने के बावजूद इन लोगों को उनसे मिलने की अनुमति क्यों नहीं दी गई।

कुवैत की इमारत में आग लगने से महाराष्ट्र के अकाउंटेंट की मौत, तीन दशकों से अधिक समय से शहर में रह रहा था परिवार

एजेंसी

नई दिल्ली:कुवैत की इमारत में लगी आग में मारे गए 45 भारतीयों में महाराष्ट्र के डेनी बेबी करुणाकरण भी शामिल थे। 33 वर्षीय डेनी महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार के रहने वाले थे और उनकी पारिवारिक जड़ें केरल में थीं। कुवैत में बुधवार को विदेशी कामगारों को रखने वाली एक इमारत में आग लग गई, जिसमें कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 45 भारतीय थे। डेनी पिछले चार वर्षों से कुवैत में एक निजी फर्म में अकाउंटेंट और बिक्री समन्वयक थे। उनके परिवार में उनके माता-पिता और बड़ी बहन हैं, जिनके पति भी कुवैत में काम करते हैं। उनका परिवार तीन दशकों से अधिक समय से शहर में रह रहा है।कुवैत में आग लगने की घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर को लेकर भारतीय वायुसेना का विशेष विमान पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पहुंचा। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज और अन्य नेता पार्थिव शरीर को लेने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद हैं।विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि बहुत ही दुखद घटना है... हमारे विदेश मंत्री ने कुवैत के विदेश मंत्री से बात की, हम वहां के विदेश मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री से मिले, उन्होंने हमें बहुत सहयोग किया। हमने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की, ज्यादातर लोगों को 1-2 दिन में डिस्चार्ज कर दिया जाएगा, एक व्यक्ति गंभीर है जो कक्ष में भर्ती है। अग्निकांड में जान गंवाने वाले कुल 45 भारतीयों में से 31 लोग दक्षिणी राज्यों से थे और उनके शवों को शुक्रवार को सुबह विमान से कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं ने एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार किया और दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी। आग में मरने वाले 45 भारतीयों में केरल से 23, तमिलनाडु से सात, आंध्र प्रदेश से तीन और बिहार, ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम बंगाल से एक-एक शामिल हैं।

लोकसभा सभा चुनाव के नतीजों को लेकर आप की बैठक, केवल इस बात से खुश हैं प्रार्टी के नेता

एजेंसी

नई दिल्ली: भले ही आम आदमी पार्टी ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में उम्मीद से कम सीटें जीतीं। लेकिन पार्टी नेताओं ने कहा कि इसने निचले सदन में भाजपा की सीटों की संख्या को कम करने में योगदान दिया। चुनाव परिणामों का विश्लेषण करने और आप की भविष्य की रणनीतियों की योजना बनाने के लिए यहां आयोजित एक बैठक में नेताओं का यह आकलन सामने आया। आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) एवं राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने गुरुवार को यहां हुई बैठक में कहा कि पार्टी ने बेहद विपरीत परिस्थितियों में आम चुनाव लड़ा।पार्टी के स्वयंसेवकों की बैठक में पाठक ने कहा कि हम दो उद्देश्य लेकर आगे बढ़ रहे थे। हमारा पहला

उद्देश्य मोदी सरकार को गिराना था और हमारा दूसरा उद्देश्य आम आदमी पार्टी को अधिक से अधिक सीटें दिलाना था। आज भाजपा ने जो सीटें हारी हैं, उसकी नींव आप लोगों ने अपने संघर्ष से रामलीला मैदान में रखी है। उन्होंने कहा कि आप ने भाजपा के पतन की "आधारशिला" रखी थी। उन्होंने कहा कि किसी संगठन और व्यक्ति का असली चरित्र कठिन परिस्थितियों में ही सामने आता है। हमने मेहनत से चुनाव लड़ा, लेकिन कम सीटें मिलने के बावजूद आपने कमाल कर दिया। आज नहीं तो कल जीत निश्चित है। हरियाणा-दिल्ली चुनाव और पंजाब उपचुनाव सामने हैं। हम फिर एकजुट होकर लड़ेंगे और जीतेंगे।'आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि 'पूरी व्यवस्था' बीजेपी के पक्ष में होने के बावजूद पार्टी लोकसभा में अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि अभी पार्टी के लिए सबसे कठिन समय है। आज हमारी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसौदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन जेल में हैं। मुझे छह महीने तक जेल में भी रखा गया। यहां तो एक सांसद वाले भी मंत्री बन गये हैं। हमारे पास 13 सांसद हैं।

हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 16 जून 2024 | वर्ष:02 अंक:34 | पृष्ठ-12 | PRGI NO-BIHHIN/2023/86924 | मूल्य-₹3 | पटना संस्करण

पांच दिवसीय प्रारंभिक कार्यक्रम का समापन

यह कार्यक्रम न केवल शिक्षकों के ज्ञान को समृद्ध बनाने में सफल रहा बल्कि उन्हें एक दूसरे के साथ अनुभव साझा करने का भी अवसर प्रदान किया

पीजीटी जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी शिक्षकों के लिए आयोजित ऑफलाइन पांच दिवसीय अधिस्ठापन कार्यक्रम का सफल समापन हो गया है

एजेंसी

पटना:केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पटना संभाग के अंतर्गत पीएम श्री के वि क्रमांक 2 बेली रोड में नव नियुक्त पीजीटी जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी शिक्षकों के लिए आयोजित ऑफलाइन पांच दिवसीय अधिस्ठापन कार्यक्रम का सफल समापन हो गया है। इस कार्यक्रम में गहन विचार-विमर्श, ज्ञानवर्धक सत्र और अंतःक्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा कक्षा प्रबंधन, प्रभावी शिक्षण विधियों, नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों के उपयोग और केंद्रीय विद्यालय संगठन के पाठ्यक्रम एवं कार्य प्रणाली के उत्कृष्ट परंपरा से परिचित कराया गया। साथ ही, उन्हें विभिन्न प्रयोगशाला उपकरणों के संचालन और रख-रखाव का भी प्रशिक्षण दिया गया।

यह कार्यक्रम न केवल शिक्षकों के ज्ञान को समृद्ध बनाने में सफल रहा बल्कि उन्हें एक दूसरे के साथ अनुभव साझा करने का भी अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस तरह के सार्थक कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया। हम उम्मीद करते हैं कि नव नियुक्त शिक्षक कक्षा में अर्जित ज्ञान का सफलतापूर्वक उपयोग करते हुए छात्रों में वैज्ञानिक सोच का विकास करेंगे।

कार्यक्रम के समापन सत्र में आयोजक प्राचार्य श्री प्रद्युम्न कुमार सिंह ने प्रतिभागियो को सकारात्मक ऊर्जा, परस्पर सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया कउन्होंने बताया की सभी प्रतिभागी भविष्य के उप प्राचार्य , प्राचार्य एवं अधिकारी हैं क अतः नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएँ तथा राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनें ककार्यक्रम में सहायक पाठ्यक्रम निदेशक श्री राजीव रंजन सिंह ने सभी प्रतिभागियों को सृजनात्मकता एवं निरंतर विकाश के लिए सतत प्रयत्न शील रहने का संदेश दिया कपाठ्यक्रम निदेशक डॉ आनंद प्रकाश ने सभी संसाधकों एवं प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा की उत्कृष्टता एक समूहिक दायित्व है और 13 संभाग के 65 प्रतिभागी अपने अपने विद्यालय में जा कर इस दिशा में कार्य करते रहें कऑफलाइन सत्र का समापन सत्र में प्रतिभागियों ने आयोजन स्थल , संभाग एवं संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आस्वासन दिया की आने वाले सत्र में संगठन के अपेक्षा पर खरे उतरेंगे

बिहार के बेरोजगार युवाओं को मिलेगा भत्ता, सीएम नीतीश कुमार का बड़ा फैसला!

संवाददात

पटना:बिहार की नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू-भाजपा सरकार ने युवाओं के हितों के मद्देनजर बड़ा फैसला किया है। शुक्रवार की शाम को नीतीश कैबिनेट की बैठक हुए जिसमें फैसला लिया गया है कि बिहार सरकार राज्य के बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। नीतीश कुमार की कैबिनेट ने राज्य में मनरेगा के तहत बिहार बेरोजगारी भत्ता नियमावली 2024 की स्वीकृति दी गई है। आइए जानते हैं इस फैसले के बारे में जरूरी बातें क्या होगी भत्ते की प्रक्रिया ?बिहार सरकार ने बिहार बेरोजगारी भत्ता नियमावली 2024 को स्वीकृति देते हुए तय किया है कि बिहार के बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। बेरोजगारी का आवेदन देने के बाद आवेदक को अगर पंद्रह दिन के भीतर रोजगार नहीं मिलता है तो राज्य सरकार की ओर से रोजगार मांगने वाले को मांग तिथि से तय सीमा के भीतर दैनिक बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना एवं निष्पादन का निर्देश भी दिया

संवाददाता

अबु बकर

मधुबनी

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जिले भर से आए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश भी दिया। बताते चलें कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं।इस परिप्रेक्ष्य में आज कुल 75 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए थे।

*भैरवस्थान थाना क्षेत्र के रैयाम निवासी रमन जी मिश्रा द्वारा जमीनी विवाद के संबंध में शिकायत की गई। केरवार, बिस्फी निवासी के शशिनाथ झा ने आवेदन देकर खरीददारी की गई जमीन से जबरन फलदार नींबू के पौधा आदि काट लेने की शिकायत की। लदनियां प्रखंड के नोनदरही, वार्ड नं-04, पंचायत-डलोखर की रहने वाली रीता देवी ने शिकायत कि है कि पड़ोस के लोगों द्वारा सरकारी रास्ता का अतिक्रमण कर घर बनाया जा रहा है। ग्राम-पतार, अंचल-मधवापुर के दिग्विजय कुमार ठाकुर ने बेनीपट्टी निबंधन कार्यालय में जमीन के हस्तांतरण करने पर लगी रोक को हटाने के संबंध में आवेदन दिया गया। करहिया पश्चिमी के बेचन कुमार झा एवं अन्य ने आवेदन देकर करहिया पश्चिमी पंचायत में विभिन्न कार्यों में अनियमितता की शिकायत की गई। घरहारा, थाना-अंधरामठ निवासी अरुण कुमार यादव ने छत ढ़लाई कार्य मे अनावश्यक अवरोध पैदा करने के उद्देश्य से धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा जारी करने की शिकायत की गयी। इसके अतिरिक्त पेंशन,आपसी विवाद, अतिक्रमण, आदि की भी कई शिकायत प्राप्त हुई।।

जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी बारी सारी शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

उसे टैटू से पहचाना, कुवैत भीषण अग्निकांड में बचने वाले भारतीयों ने सुनाई दर्दनाक आपबीती

संवाददाता

नई दिल्ली।कुवैत के मंगाफ शहर में बुधवार को एक इमारत में भीषण आग लग गई,जिसमें 49 लोगों की मौत हो गई। कुवैत में रहने वाले 27 वर्षीय श्रीहरि के पिता प्रदीप अपने हाथ पर बने टैटू से ही अपने बेटे के शव की पहचान कर पाए। प्रदीप ने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें अस्पताल के शवगृह में रखे अपने बेटे के शव की पहचान करने के लिए बुलाया था।जब मैं वहां गया तो देखा कि चेहरा पूरी तरह से सूजा हुआ था और नाक पर कालिख लगी हुई थी।मैं उसे पहचान नहीं पा रहा था, मैं बस नहीं कर सका।फिर मैंने उन्हें बताया कि उसके हाथ पर एक टैटू है।उसके आधार पर उसकी पहचान हो पाई।श्रीहरि 5 जून को केरल से कुवैत लौटे थे और पिता-पुत्र दोनों एक ही कंपनी में काम करते थे।प्रदीप आठ साल से कुवैत में काम कर रहा है।

दरअसल कुवैत में हुए भीषण अग्निकांड में 40 भारतीय समेत 49 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस अग्निकांड

के बारे में सूचना मिलते ही दरभंगा के नैना घाट गांव में मदीना खातून के घर पर सन्नाटा पसर गया।इस बात की आशंका जताई जा रही है कि मदीना खातून का बड़ा बेटा कालू खान भी अग्निकांड का शिकार हो गया है।परिजनों ने बताया कि कालू से बुधवार को आखिरी बार रात 11 बजे के करीब बातचीत हुई थी। उसके बाद से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है।दूतावास से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने पासपोर्ट की कॉपी मंगाई। दूतावास के लोगों से बताया कि कालू से संबंधित किसी तरह की जानकारी मिलने पर उन्हें सूचित किया जाएगा।कालू खान की मां मदीना खातून ने कहा कि दो साल पहले उनका बेटा कुवैत गया था और वहां मॉल में काम करता था। बुधवार रात उससे अंतिम बार बात हुई थी।उसने कहा था कि घर में बिजली लगवाने के लिए पैसा भेजेंगे।उन्होंने आगे कहा कि अगले महीने की पांच तारीख को उसे वापस इंडिया आना था, टिकट भी बना हुआ था।नेपाल में उसकी शादी होनी थी।खातून ने कहा कि उन्हें अपने बेटे के बारे कुछ भी पता नहीं चल रहा है।उनके अनुसार कालू उसी इमारत में रह रहा था जिसमें आग लगी। बता दें कि कालू खान का एक बड़ा और एक छोटा भाई है।कालू की तीन बहनों में एक की मौत हो गई थी।

हुसैनगंज में चल रहे वालीबॉल टुनामेंट में अंजुमन पचरुखी की टीम पहुंची क्वाटर फाईनल में

संवाददात

राजेश कुमार चौधरी,

हुसैनगंज- संवाददाता, हुसैनगंज प्रखंड मुख्यालय के खेल मैदान में चल रहे जनसुराज के तत्वावधान में नाईट वालीबॉल का टुनामेंट चल रहा है. रेफरी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि जिले की तीन टीमें प्रतिदिन भाग ले रही हैं. मैच के तीसरे दिन अंजुमन कम्लेक्स पचरुखी बनाम सीएसके चन्दौली टीम के बीच खेला गया.इस खेल में अंजुमन पचरुखी की टीम चंदौली को 2-0 से पराजित कर विजेता घोषित हुई. वहीं दुसरे राउण्ड का खेल जीएमटी बनाम अंजुमन के बीच खेला गया. उस खेल में भी अंजुमन पचरुखी की टीम जीएमटी को 2-0 से पराजित कर क्वाटर फाईनल में प्रवेश की. उपविजेता दोनों टीम के कप्तान को एसकोरर की भूमिका निभा रहे अरविंद शंकर ने कमिटी के सौजन्य से दी जाने वाली बॉल और नेट देकर पुरस्कृत किया. मैच को देखने के लिए ग्रामीण खेल के प्रेमियों की भीड़ लग रही है. यह मैच में स्थानीय एम एस इंटर कॉलिज के खेल सचिव जाफर इमाम के उपस्थिति में खेला जा रहा है.मैच के तीसरे दिन अंजुमन कम्लेक्स पचरुखी बनाम सीएसके चन्दौली टीम के बीच खेला गया.इस खेल में अंजुमन पचरुखी की टीम चंदौली को 2-0 से पराजित कर विजेता घोषित हुई. वहीं दुसरे राउण्ड का खेल जीएमटी बनाम अंजुमन के बीच खेला गया.

राजीव रौशन जिलाधिकारी दरभंगा के अध्यक्षता में आज सोलर स्ट्रीट लाइट एवं पंचायत सरकार भवन की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक हुई

संवाददाता
अबू बक्कर

दरभंगा :------ राजीव रौशन जिलाधिकारी दरभंगा के अध्यक्षता में आज सोलर स्ट्रीट लाइट एवं पंचायत सरकार भवन की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक हुई ।

उन्होंने कहा कि जिले के चयनित सभी 308 पंचायत में स्ट्रीट लाइट लगाना ससमय सुनिश्चित करें। चार ऐजेन्सियों के द्वारा सभी पंचायत के चयनित स्थलों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है ,जो बिजली का विकल्प बनेगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जो एजेंसी निर्धारित समय के अनुरूप कार्य नहीं करती है ,उनके भुगतान में कटौती की जाएगी। जो एजेंसी 3 माह से अधिक विलंब से कार्य करेगी उसमें 20% की कटौती करने का निर्देश मुख्य सचिव बिहार सरकार के द्वारा दिया गया है। विलंब से कार्य करने वाले एजेंसियों को प्रति सप्ताह 5% की दर से राशि कटौती कर भुगतान की जाएगी ।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।जिले के कुल 308 पंचायत में 12,320 स्थलों पर सोलर लाइट लगाने का लक्ष्य निर्धारित है ,जिसमें से अभी तक 1000 से अधिक स्थलों पर कार्य पूर्ण हो गया है ।

आज संबंधित एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय सीमा के अंदर गुणवत्ता के साथ सोलर स्ट्रीट लाइट चयनित स्थलों पर लगाना सुनिश्चित करें,अन्यथा विधि संवत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिले के सभी पंचायत में पंचायतों पंचायत सरकार भवन का निर्माण किया जाना है ।

72 पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए एल यू ओ निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जो भूमि अतिक्रमित है उसे मुक्त कर पंचायत सरकार भवन का निर्माण करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया की गुणवत्ता के तहत पंचायत सरकार भवन का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया की गुणवत्ता के तहत पंचायत सरकार भवन का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करना सुनिश्चित करें। सभी अंचल अधिकारी को स्पष्ट कहा गया कि जिन-जिन पंचायत में भूमि उपलब्ध हो गई है उसे चिन्हित करते हुए संबंधित कार्यपालक अभियंता को भवन निर्माण के लिए जमीन सुलभ करावे। शेष बचे सभी पंचायत में पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए भूमि चिन्हित कर अग्रेतय कार्रवाई करने का निर्देश सभी अंचलाधिकारियों को दिया गया।

आज की बैठक में सत्येंद्र प्रसाद उप निदेशक दरभंगा प्रमंडल दरभंगा,जिला पंचायती राज अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी,प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, संबंधित एजेंसियां के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी श्री अमन समीर द्वारा आज सोनपुर अनुमंडल कार्यालय में

पर्यटन के दृष्टिकोण से सोनपुर को विकसित करने के उद्देश्य से प्राप्त प्रस्तावों से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई

संवाददाता
शकील हैदर

सारण, शादी समारोह के लिए डेस्टिनेशन विंग निर्माण हेतु 25 एकड़ भूमि, फोर लेन बायपास से सीधे सोनपुर मेला के प्रवेश द्वार तक अधिक से अधिक चौड़ाई में वैकल्पिक पथ का निर्माण, सोनपुर नगर पंचायत के सभी अंदरूनी पथों का चौड़ीकरण, वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट का निर्माण, मेला कैंप क्षेत्र का पुनर्निर्धारण, विभागों द्वारा स्टॉल/प्रदर्शनी लगाए जाने हेतु पूर्व से स्थल का चयन, सोनपुर नगर क्षेत्र में विद्युत तारों को जमीन के अंदर से ले जाना, मेला कैंप एवम् नखास क्षेत्र में स्थाई रूप से पानी टंकी के माध्यम से जलापूर्ति व्यवस्था आदि प्रस्तावों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। संबंधित पदाधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर सभी विषयों के संबंध में ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर, भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता सोनपुर, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचइडी/पथ प्रमंडल/विद्युत आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी श्री अमन समीर द्वारा आज सोनपुर अनुमंडल कार्यालय में पर्यटन के दृष्टिकोण से सोनपुर को विकसित करने के उद्देश्य से प्राप्त प्रस्तावों से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई

नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव का नीट परीक्षा में धांधली को लेकर व्यक्तव्य:-

भाजपा केंद्र में रहे या राज्य में, पेपर लीक होना तय है

संवाददाता

NEET पेपर लीक बहुत ही गंभीर विषय है।हिरासत में अपराधी कबूल रहा है कि पेपर लीक किया गया है। अभ्यर्थी, अभिभावक, विद्यार्थी, युवा सभी चिंतित हैं। पूरी व्यवस्था सशंकित है पर ठऊअ सरकार नख से शिख तक अहंकार में इतनी डूबी है कि देश में परीक्षाओं की विश्वसनीयता की सरासर अनदेखी करते हुए पेपर लीक के सबूत सार्वजनिक होने, जाँच-गिरफ्तारी और साजिशकताओं द्वारा जुर्म कबूलने के बाद भी यह मानने को तैयार ही नहीं हैं कि #NEET परीक्षा में कुछ धांधली भी हुई है। सब सबूत सामने है लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री इतने अनभिज्ञ है कि मानने को तैयार ही नहीं हैं कि कुछ गड़बड़ हुआ भी है। अहंकारी मोदी सरकार कुंभकर्णी नींद में ऐसे सोई है कि लाखों अभ्यर्थियों के सपनों में आग भी लग जाए तो इन्हें परवाह नहीं।गजब अंधेर मचा दिया है इन्होंने देश में।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर मधुबनी में युवाओं ने किया रक्तदान, कहा लोगों की जिंदगी बचाने मे हमलोग कर रहे प्रयास

संवाददाता
अबू बक्कर

विश्व रक्तदाता दिवस-2024 के अवसर पर मधुबनी सदर अस्पताल के प्रांगण में अवस्थित ब्लड बैंक भवन में माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति, जयनगर के मुख्य संयोजक अमित कुमार राउत के नेतृत्व मे रक्तदान शिविर लगा कर माँ अन्नपूर्णा रक्त रक्षक के सदस्यों ने अपना कीमती रक्त दान किया। बताते चले कि माँ अन्नपूर्णा रक्तरक्षक मधुबनी जिला ही नहीं पुरे बिहार मे सबसे ज्यादा रक्तदान कर लोगों कि जिंदगी बचाने वाली सबसे अग्रणी सामाजिक सामाजिक संस्था है।

मौके पर संस्था के सदस्यों ने संयुक्त रूप से बताया कि हमलोगों ने संस्था के ही रक्तदान शिविर में पहली बार रक्तदान किया था, उसके बाद बिहार के कोने-कोने में आयोजित शिविर में एवं जरूरतमंद लोगों को रक्त देकर लोगों की जिंदगी को बचाने का कार्य करते हैं।इस मौके पर मुख्य कोर्डिनेटर अमित कुमार राउत ने बताया कि ब्लड डोनेट करने से सेहत को कोई नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होता है। इससे किसी व्यक्ति का जीवन बच सकता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति साल में चार बार ब्लड डोनेट कर सकते हैं। रक्तदाता का हीमोग्लोबिन कम से कम 12.5 होना चाहिए। रक्तदान करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। रक्तदान करने के बाद शरीर में नये रक्त का निर्माण होता है। इससे शरीर की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है। रक्तदान करने वाले लोगों का ध्यान रखना होगा कि वे स्वस्थ्य रहें। रक्तदान करने वाले को एचआईवी, हेपाटिटिस बी या हेपाटिटिस सी जैसे रोग न हुए हों। रक्तदान को लेकर लोगों के मन में भय रहता था, प्रचार-प्रसार के बाद धीरे-धीरे कम होने लगा है। रक्तदान करने वाले को चाहिए कि वह शरीर में आयरन की मात्रा को बढ़ाये। नियमित रूप से रक्तदान करने वालों को मछली, पालक व किशमिश जैसी आयरन से भरपूर पोषक तत्व लेने चाहिए।मौके पर संस्था के अविनाश पंजीयार ने कहा कि युवाओं को रक्तदान में ज्यादा से ज्यादा संख्या में हिस्सा लेना चाहिए। रक्तदान महादान की श्रेणी में आता है। रक्तदान करने से जरूरतमंद की मदद तो, होती है। साथ ही रक्तदाता कार्ड प्राप्त करने से भविष्य में अपने या परिवार के लिए भी जरूरत पड़ने पर आसानी से रक्त प्राप्त किया जा सकता है।मौके पर संस्था के परमानन्द ठाकुर ने कहा कि रक्तदान से कमजोरी आती है, इस मिथक को तोड़कर बेफिक्र होकर रक्तदान करें, क्योंकि रक्तदान से रक्तदाता को स्वास्थ्य लाभ मिलता है। उन्होंने बताया जिले कि जिले ही नहीं पुरे बिहार मे किसी भी ब्लड बैंक से निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है, साथ ही अन्य मरीजों को भी रक्त उपलब्ध कराया जाता है।वहीं, संस्था के सियाराम महतो ने अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान की श्रेणी में आता है। रक्तदान करने से जरूरतमंद की मदद तो होती है, साथ ही रक्तदाता कार्ड प्राप्त करने से भविष्य में अपने या परिवार के लिए भी जरूरत पड़ने पर आसानी से रक्त प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से कमजोरी आती है, इस मिथक को तोड़कर बेफिक्र होकर रक्तदान करें, क्योंकि रक्तदान से रक्तदाता को

कुलपति ने किया सीईटी-बीएड निर्देशिका का विमोचन

आगामी 25 जून को प्रदेश के ग्यारह जिलों में आयोजित होगी संयुक्त प्रवेश परीक्षा

संवाददाता
अबू बक्कर

दरभंगा :---- 25 जून को दो वर्षीय बीएड एवं शिक्षा शास्त्री में नामांकन के लिए आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीईटी-बीएड-2024 की तैयारी के क्रम में शुक्रवार को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी ने परीक्षा निर्देशिका का विमोचन अपने आवासीय कार्यालय में किया। 14 जून को आयोजित निर्देशिका विमोचन के अवसर पर कुलपति प्रो चौधरी ने कहा कि इस निर्देशिका में सीईटी-बीएड-2024 की परीक्षा प्रक्रिया के साथ- साथ परीक्षा में संलग्न विभिन्न पदाधिकारियों यथा-विश्वविद्यालय नोडल पदाधिकारी, नोडल विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक, क्षेत्रीय समन्वयक, केंद्रीय समन्वयक-सह-पर्यवेक्षक के कर्तव्यों का विवरण व दायित्व विस्तार से दिया गया है। परीक्षा प्रक्रिया को शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण बनाए रखने की जिम्मेदारी विशेष तौर पर हमारी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अजय कुमार पंडित, सीईटी-बीएड राज्य नोडल पदाधिकारी प्रो. अशोक कुमार मेहता, महाविद्यालय निरीक्षक विज्ञान सह -कोर कमेटी सदस्य प्रो. अरुण कुमार सिंह और सीईटी-बीएड समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार मिलन मौजूद थे। प्रो. मेहता ने आयोजित होने वाली परीक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कुल 208818 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन जमा किया है, जिनमें 104881 महिला व 103934 पुरुष एवं 03 अन्य अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं शिक्षा शास्त्री के लिए कुल 386 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 129 महिला व 257 पुरुष शामिल हैं। ध्यातव्य हो कि अभ्यर्थी 17 जून से अपना एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग-इन कर डाउनलोड कर सकेंगे। मंगलवार 25 जून को पूर्वाह्न 11:00 से लेकर अपराह्न 01:00 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को अपने परीक्षा केंद्र पर प्रातः 08:30 बजे पहुंच जाना है। परीक्षा से संबंधित जानकारी/सहायता हेतु अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 9431041694

ठऊअ सरकार में पशुपालन, डेयरी और केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह,

संवाददाता

मोदी 3.0 में राष्ट्रीय जनता दल (जेडीयू) के कोटे से दो नेताओं को कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। जिसमें जनता दल के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। ललन सिंह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक हैं और जेडीयू में नीतीश कुमार के बाद उन्हीं का स्थान माना जाता है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में जेडीयू 12 सीट के साथ अहम जिम्मेदारी निभा रही है। ललन सिंह का जन?म 24 जनवरी, 1955 को पटना में हुआ था। उनके पिता का नाम ज्वाला प्रसाद सिंह और मां का नाम कौशल्या देवी है। ललन सिंह ने टी.एन.बी. कॉलेज भागलपुर विश्वविद्यालय से आर्ट्स (इतिहास) में स?नातक की डिग्री हासिल की है। उनके राजनीतिक सफर की शुरूआत कॉलेज के समय से हुई थी। वह कॉलेज छात्र संघ के महासचिव थे। जयप्रकाश नारायण के नेतृत?व में जेपी आंदोलन से उन?होंने नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, सुशील कुमार मोदी, रविशंकर प्रसाद जैसे शख्सियतों के साथ राजनीति में सक्रिय रूप से कदम रखा। साल 2005 में बिहार की सत?ता में नीतीश कुमार की ताजपोशी होने के बाद से वह उनके खास रणनीतिकार बने रहे।

जेपी यूनिवर्सिटी छपरा चार वर्षीय स्नातक के प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024,,28 मे नामांकन के लिए आवेदन का तारीख 19 जून तक बढ़ाया।

छात्र के हत्या मे दो अपराधियों की हुई पहचान

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 14 जून शुक्रवार। जिले के अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों मे सीबीसीएस आधारित चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र,2024,,28 के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 12 जून से बढ़ाकर 19 जून कर दी गई है। प्रथम सेमेस्टर मे नामांकन के लिए जेपीयू के वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के मध्यम से आवेदन कर सकेंगे। पूर्व मे आवेदन करने की तिथि 29 मई से 12 जून तक निर्धारीत की गई थी। जेपीयू के अन्तर्गत जिले के अंगीभूत कॉलेजों मे आरबीजीआर कॉलेज महाराजगंज, डीएवी पीजी कॉलेज, राजा सिंह कॉलेज, जेडए इस्लामिया कॉलेज, विद्याभवन, कॉलेज, सिवान,हरेराम कॉलेज मैरवा, नारायण कॉलेज गोरेयाकोठी शामिल है। उपरोक्त सभी कॉलेज मे अलग अलग विषयों के लिए निर्धारीत सीट है। जिसमे छात्रों का नामांकन इंटर मे प्राप्तांक नम्बर के मेरिट लिस्ट के आधार पर कॉलेज आवंटन किया जायेगा।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 14 जून शुक्रवार।13 जून को दुरौंदा थाना क्षेत्र रुकुंदीपुर भरोस कुंवर टोला निवासी सुधीर सिंह के 12वी क्लास का छात्र भानू कुमार सिंह को अपराधियों ने दीन दहाड़े गोली मार कर हत्या केनरा बैंक के नजदीक कर दी थी। जिसमे शहर मे पुरा बवाल मचा था। घटना के दीन पुरा महाराजगंज बाजार बंद था।जिसमे दो अपराधियों की पहचान कर ली गई हैं। महाराजगंज थाना क्षेत्र तक्कीपुर ग्राम निवासी कर्ण कुमार तथा सत्यम कुमार के रूप मे हुई है। इनकी गिरफ्तारी के लिए महाराजगंज पुलिस लगातार छापामारी कर रही। अपराधियों द्वारा युवक की हत्या क्यों की गई है यह स्थिती स्पष्ट नहीं हो रही है। गिरफ्तारी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

सिवान सदर अस्पताल में सैकड़ों लोगों ने किया रक्तदान,

संवाददाता

सिवान सदर अस्पताल में सैकड़ों लोगों ने किया रक्तदान, भाजपा के पुर्व उपाध्यक्ष सैयद माज आरफी ने लोगों से की बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील ,

सिवान में विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में सैकड़ो लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान शहर के कई ब्लड डोनर संस्थाओं ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की और साथ ही साथ अपने संगठन के सदस्यों से रक्तदान कराया। डिस्ट्रिक ब्लड डोनर टीम सिवान,वृथ फाउंडेशन, इंडो गल्फ सोशल वेलफेयर ट्रस्ट सहित कई अन्य संगठनों ने मिल कर एक विशाल रक्त दान शिविर आयोजित किया कजिसमे 150 से अधिक लोगो ने अपना रक्त

दान किया कररक्तदान शिविर में नगर थाना इंस्पेक्टर सुदर्शन राम और समाज सेवी भाजपा नेता सैयद माज अरफी सहित सदर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों ने भी बढ़ चढ़कर रक्तदान किया है।

रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले रक्त दाताओं को डीबीडीटी टीम के तरफ से मोमेंटो,मेडल, सर्टिफिकेट तथा ब्लड बैंक के तरफ से सभी रक्त वीरों को मेडल और सर्टिफिकेट दिया गया क डीबीडीटी संस्थापक साहिल मकसूद ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी रक्तदान शिविर आयोजित किया गया और 45 डिग्री तापमान वाली पड़ रही भीषण गर्मी के बावजूद रक्त वीरों के हौंसले कमजोर नही पड़े और बीते वर्ष से अधिक इस बार रक्त वीरो ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए जरूरतमंदों के लिए अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई और रक्तदान किवाक साहिल मकसूद ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद प्रेषित किया क

इस मौके पर डॉक्टर एम अली खान, डॉक्टर रेशमी कुमारी, डॉक्टर वंदना वर्मा, डॉक्टर प्रदीप कुमार, डॉक्टर जेबा परवीन, डॉक्टर चिराग अली, डॉक्टर सोहेल अब्बास इत्यादि मौजूद रहे और रक्तदाताओं की हौंसला अफजाई करते रहें क

संक्षिप्त

देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपराकोठी थाना थाना क्षेत्र के सलेमपुर मठ से दो अपराधियों को एक देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान पश्चिमी चंपारण जिले के योगापट्टी निवासी प्रदीप कुमार व दिलीप कुमार के रूप में हुई है। इस संबंध में एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि जिले में सोने की चेन छिनतई की घटना की रोकथाम एवं घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-2 (पीपराकोठी) के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने आसूचना संकलन कर त्वरित कारवाई करते हुए छापेमारी कर दो अपराधियों को आग्नेयास्त्र एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अपराधियों द्वारा बताया गया की उनके द्वारा न केवल मोतिहारी बल्कि बेतिया, बगहा एवं गोपालगंज जिलों में मोबाइल एवं चेन छिनतई की घटना को अंजाम दिया गया है। इस संदर्भ में पीपराकोठी थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कारवाई की जा रही है। अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, लूटा गया दो मोबाइल, छीना गया एक बाइक व घटना में इस्तेमाल किया गया एक बाइक बरामद किया गया।

ब्राऊन शुगर के साथ चार लोग गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के कत्लगंज मोहल्ले से पुलिस ने छापेमारी कर चार लोगों को ब्राऊन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना पर पांच थाने के पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी किया था। एक साथ पांच थाने की पुलिस पहुंची और चारीकी से आरोपी के घर को खंगाला। पुलिस ने पहले आरोपी को गिरफ्तार किया और उससे पूछताछ की, जिसके बाद से उन्होंने ब्राऊन शुगर के बारे में पुलिस को जानकारी दी। बताया जा रहा है कि कत्लगंज निवासी समीर शाह के घर पुलिस ने दबिश दी थी। पुलिस ने उनके घर से 79 पुड़िया ब्राऊन शुगर बरामद किया है। मामले को लेकर भागलपुर के सीनियर एसपी आनंद कुमार ने गुरुवार को बताया कि पुलिस लगातार मादक पदार्थ को लेकर छापेमारी अभियान चला रही है। इसी कड़ी में गुप्त सूचना प्राप्त हुई। गुप्त सूचना के आधार पर मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के कत्लगंज मोहल्ले में पुलिस की टीम पहुंची। जहां पर छापेमारी किया गया। पुलिस ने मौके से चार लोगों को भारी मात्रा में ब्राऊन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है।

फारबिसगंज में छात्रा ने कर दी मनचले की पिटाई

फारबिसगंज/अररिया। फारबिसगंज के कॉलेज चौक स्थित कॉलेज गेट के समीप छात्रा ने एक मनचले की जमकर पिटाई कर दी, जिसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में लड़की कहती हुई नजर आ रही है कि गाली बकेगा, छेड़छाड़ करेगा और दनदना कर चप्पल से मनचले की पिटाई करती जा रही है। वही, खड़े लोग इस लड़ाई का वीडियो बनाते हुए और कहते हुए दिख रहे है। लड़की में दम है, यही होना चाहिए सब लड़की में कोई छेड़े तो ऐसी ही पिटना चाहिए।

मदरसे में ब्लास्ट, मौलाना की मौत, बच्चा घायल

छपरा। छपरा के मोतिराज मदरसा में बुधवार शाम अचानक ब्लास्ट हो गया। मदरसे के पीछे से गेंद जैसा कुछ सामान रखा था जिसे 10 साल का नूर आलम उठाकर ले गया। शक हुआ तो मौलाना उसे फेकने की कोशिश करने लगा तभी यह फट गया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हुए और इलाज के लिए ले जाने के दौरान मौलाना की मौत हो गई। घायल बच्चे का इलाज जारी है। मृतक की पहचान मढ़ौराधाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव निवासी मौलाना इमामुद्दीन (40 साल) के रूप में हुई है। शव को गुरुवार सुबह पोस्टमॉर्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं घायल बच्चा मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। मदरसे में बम फटने के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव है। मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए गए हैं। साथ ही पुलिस की एक टीम पूरे मामले की जांच में जुटी है। यह घटना जिले के गड़खा थाना में मोतिराजपुर गांव की है।

युवक के पास से हथियार और विदेशी रुपए बरामद, गिरफ्तार कर जेल भेजा

कुचायकोट। वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक युवक के पास से हथियार और विदेशी रुपए बरामद किए। गिरफ्तार युवक सिवान जिले के अंतर्गत नासिर छपरा गांव का निवासी वारिस अली बताया जाता है। पूछताछ के बाद गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सुबह थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर भठवां मोड़ के पास पुलिस ने बाइक सवार एक युवक को रोक कर जब जांच पड़ताल की तो उसके पास से एक पिस्तौल, एक जिंदा गोली, एक चाकू तथा विदेशी मुद्रा (25 रियाल तथा 15 दिरहम) के साथ 2 मोबाइल भी जब्त किये गये हैं।

आयकर विभाग ने आठ ठिकानों पर छापा मारा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में वार्ड-41 की पूर्व पार्षद सीमा झा के आवास पर आयकर विभाग ने गुरुवार को छापा मारा है। टीम पार्षद के पति पूर्व वार्ड पार्षद विजय झा की संपत्ति की जांच कर रही है। विभाग ने उनके 8 ठिकानों पर रेड मारी है। कई कागजात और रुपयों का ब्यौरा टीम मांग रही है। किसी भी व्यक्ति को फोन का इस्तेमाल नहीं करने दिया जा रहा है। इनकम टैक्स के अधिकारी सुबह 5 बजे विजय झा के घर पहुंचे। इसके बाद पुरानी बाजार सविता विवाह भवन, चूना भट्टी रोड स्थित सविता वृद्ध आश्रम, भारत माता चौक टाइल्स मार्बल दुकान, कोठिया स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल में जांच करने टीम पहुंची। मामले में अधिकारी कुछ भी जानकारी अभी नहीं दे रहे हैं। प्रॉपर्टी डिलिंग के काम से जुड़े विजय झा ने बड़ी संपत्ति अर्जित कर रखी है। जिसको लेकर इनकम टैक्स की नजर इनके ऊपर काफी समय से थी। विजय झा पर रेप का आरोप भी लग चुका है। विजय कुमार झा पूर्व वार्ड पार्षद हैं। उनकी पत्नी सीमा देवी पत्नी 2 बार से वॉर्ड पार्षद हैं। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। नगर निगम के कार्यों का ठेका भी लेते हैं। विजय झा अपनी मां के सविता के नाम पर ट्रस्ट चलाते हैं। जिसके तहत बेटाश्रम विवाह भवन और विद्यालय का संचालन किया जाता है।

युवक को गोली मार बाइक सवार हुए फरार

गोपालगंज। गोपालगंज के मीरगंज थाना क्षेत्र में सुरवनिया पुल के पास बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने बाइक से आ रहे युवक को गोली मार दी। इसके बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। लोगों ने घायल युवक को गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे गोरखपुर रेफर कर दिया। युवक की पहचान भोजहाता गांव निवासी जितेंद्र सिंह के रूप में की गई है। घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि जितेंद्र सिंह घर से बाइक लेकर बाजार दवा खरीदने जा रहा था। इसी बीच जैसे ही वह मीरगंज थाना क्षेत्र के सुरवनिया पुल के पास पहुंचा। एक बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसके पैर में गोली मार दी।

मधुबनी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया चुनावी सभा को संबोधित, कहा

सीता माता की धरती है बिहार, गौहत्या करने वालों को उल्टा लटका करेंगे सीधा

मधुबनी। गृह मंत्री अमित शाह चुनावी जनसभा को संबोधित करने के लिए गुरुवार को बिहार पहुंचे। मधुबनी में आयोजित जनसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार से लेकर कश्मीर तक के मुद्दे पर अपनी बातें रखीं। इस दौरान उन्होंने मधुबनी क्षेत्र में गौहत्या और गौतस्करी के मुद्दे को भी उठाया और बेहद सख्त संदेश देकर उन्होंने भविष्य में इस मुद्दे पर सरकार की ओर से होने वाली कार्रवाई से लोगों को अवगत कराया।

गौहत्या करने वालों को कड़ा संदेश : मधुबनी में चुनावी जनसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। राजद सुप्रीमो लालू यादव पर उन्होंने ताबड़तोड़ हमले किए। वहीं भाजपा सरकार के कामों को भी गिनाया। उन्होंने इस दौरान गौतस्करी और गौहत्या के मुद्दे को छुआ। अमित शाह ने कहा कि मैं पहले दौरा करने आया, तो बड़ी मात्रा में गौहत्या के मामले आते थे। मैं आपको विश्वास दिलाकर जाता हूं। आप मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो। मैं गौहत्या करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा कर दूंगा।

सीता माता की धरती पर गौहत्या या तस्करी नहीं चलेगी : अमित शाह ने कहा कि ये सीता माता की धरती है। यहां गौहत्या नहीं चल सकती। ना गाय की तस्करी होने देंगे और ना ही गाय की हत्या होने देंगे। ये नरेंद्र मोदी का वादा है।

अमित शाह ने प्रतिबंधित संगठन पीएफआई का भी मुद्दा उठाया। गृह मंत्री ने कहा कि ये पीएफआइ वाले देश को इस्लामिक स्टेट बनाना चाहते हैं। मोदी जी ने एक दिन में 100 जगहों पर रेड कराकर पीएफआइ वालों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया। लालू यादव पर भी इस मुद्दे पर बोलते हुए अमित शाह ने हमला बोला।

आरक्षण को लेकर विपक्ष के दावे पर कहा : अमित शाह ने मधुबनी में कहा कि ये लोग झूठ बोलकर अफवाह फैला रहे हैं कि अगर मोदी को बहुमत मिला और सरकार बनी, तो आरक्षण हटा देंगे। इन्हें तो झूठ भी बोलना नहीं आता। 10 साल से हमारे पास बहुमत है, पर हमने आरक्षण हटाया क्या? अमित शाह ने कहा कि जबतक भाजपा का एक भी सांसद है, तो एससी/एसटी के आरक्षण में हाथ नहीं लगा सकता। कांग्रेस पर उन्होंने पिछड़ों का आरक्षण मुसलमानों को देने का आरोप लगाया।

सीतामढ़ी में बनेगा भव्य सीता मंदिर

सीतामढ़ी। गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को सीतामढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। अमित शाह ने अपने संबोधन के जरिए राजद और कांग्रेस को जमकर घेरा। अमित शाह ने आरक्षण, परिवारवाद, अयोध्या राम मंदिर का मुद्दा सामने रखा। अमित शाह ने एलडीए की सरकार फिर एकबार बनाने की अपील की और सीतामढ़ी में भव्य सीता मंदिर बनाने की बात कही। नेपाल बॉर्डर की सुरक्षा का भी वादा किया। जबकि अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि पीओके भी हमारा है और पाक अधिकृत कश्मीर हम लेकर रहेंगे।

दो अलग अलग थाना क्षेत्र से दो अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने अनुमंडल के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो देसी पिस्टल के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को इसकी जानकारी देते डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि मधुबन थाना क्षेत्र के बरगोविंद और नन्हकार चौक के समीप एक अपाची बाइक सवार तीन बदमाशों के द्वारा हथियार दिखाकर ई-रिक्शा चालक से पैसा तथा ई-रिक्शा को लूट लिया गया था।इस मामले में ई-रिक्शा चालक चंकिया थाना क्षेत्र निवासी सुरेंद्र दास ने मधुबन थाना में प्राथमिक की दर्ज कराया था। जिसके बाद एसपी के निर्देश पर एसआईटी टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा द्वारा लगातार बदमाशों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में गठित टीम ने उक्त कांड में शामिल नन्हाकर गांव निवासी अरुण कुमार सहनी को गिरफ्तार किया गया।जिसकी तलाशी के दौरान एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, लूट हुआ ई-रिक्शा, अपाची मोटरसाइकिल, एक रिन्च बरामद किया है। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार बदमाश इस घटना में शामिल अन्य साथियों का नाम का खुलासा किया है। साथ ही मधुबन चकिया बॉर्डर पर लूटपाट, छिनतई की अन्य घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है।

राजद-कांग्रेस वाले ही हिन्दू मुस्लिम में झगड़ा कराते हैं: नीतीश कुमार

पूर्वी चंपारण। पश्चिमी चंपारण लोकसभा के एनडीए प्रत्याशी डा.संजय जयसवाल के समर्थन में रक्सौल के भेलाही स्थित नथुनी दुर्गा हाई स्कूल के मैदान में गुरूवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस और राजद की तीखी आलोचना करते कहा कि हिन्दू मुस्लिम के झगड़े यही लोग कराते थे।हमने कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई। राज्य में महिलाओं को पंचायत में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। अनुसूचित जाति, जन जाति और अति पिछड़ों को 65 प्रतिशत, और गरीब सवर्ण को 10 प्रतिशत यानी 75 प्रतिशत आरक्षण दिया। जातीय जनगणना हमने कराया। आर्थिक जनगणना भी कराई। जिसमे पता लगा कि 95 लाख परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। उन्हे मदद दी जायेगी। उन्होंने ऐलान किया कि बिहार के प्रत्येक गरीब परिवार को दो लाख रुपए मिलेंगे। सभी पंचायत मे पंचायत सरकार भवन बनेगा। हम काम करने वाले हैं। आगे भी काम करेंगे। हमने बीच मे दो बार गलती किया है। इधर उधर चले गए। आश्वस्त करने आए हैं कि अब कहीं नही जायेंगे। दूसरी बार जब गए तो ई सब गड़बड़ करने लगा। चुनाव बाद सबका जांच कराएंगे। उन्होंने लालू परिवार पर निशाना साधते कहा कि 9/9गो बाल बच्चा पैदा किया। बेटा बेटी को ई ऊ बनाता रहता है। ऊ सब अंट संट बोलते रहता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए तो पूरा बिहार एक परिवार है। एनडीए ने ही बिहार का विकास किया है। उन्होंने कहा कि याद कीजिए 2005 से पहले राज्य में कैसी स्थिति थी.. कोई घर से निकल पाता था? कोई काम हुआ था? हमने करके दिखाया। यह कहने नही, महसूस करने की बात है।

उन्होंने कहा कि आप सब गड़बड़ लोगों के चक्कर मे मत आइए.. एनडीए को फिर से लाइए। उन्होंने डा संजय जायसवाल को विजयी बनाने की अपील करते हुए उपस्थित लोगों से हाथ उठा कर वोट देने के लिए आश्वस्त कराया। कहा कि देश पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ही आगे बढ़ेगा।

पत्नी व सास को देख पलंग के नीचे छिपा फरार पति

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में पुलिस केस में एक पति फरार चल रहा था। उस पर पत्नी को जहर देकर मार डालने की कोशिश का आरोप था। जब उसकी सास ने उसे एक घर के बाहर देखा तो उसने फौरन अपनी बेटी को बताया। बेटी वहां पहुंची और काफी देर तक उन्होंने उस फ्लैट का दरवाजा खटखटाया लेकिन पति बाहर नहीं आया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। यह मामला भागलपुर से जुड़ा है। यहां संजय बिंद की शादी 2018 में सुलतानगंज थाना के सिमरिया निवासी माला देवी से हुई थी। दोनों को 3 बच्चे भी हुए लेकिन पत्नी माला देवी का आरोप है कि संजय ने जहर देकर मुझे मारने की कोशिश। इलाज होने से वह बच गई। उसके बाद 2019 में पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का केस किया। कोर्ट ने गिरफ्तारी का आदेश दिया लेकिन संजय बिंद सुल्तानगंज से भागकर भागलपुर आ गया। यहां वो किसी महिला के इश्क में पड़ गया और उसके साथ रहने लगा। मंगलवार को संजय बिंद की सास इलाज कराने भागलपुर आई थी।

निजी क्लीनिक में मरीज की मौत के बाद परिजनों ने सड़क पर शव रख किया जाम

पूर्णिया। पूर्णिया में एक निजी क्लीनिक में मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। साथ ही सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की गैरमौजूदगी में कंपाउंडर मरीज को ऑपरेशन थिएटर में ले गया। दवा के ओवरडोज के कारण मरीज की मौत हुई है। मौत के बाद उसे वेंटिलेटर में रखकर हालत गंभीर होने का नाटक करने लग गया। कंपाउंडर ने मौत की जानकारी परिजनों को नहीं दी। जब परिजन मरीज को देखने की जिद करने लगे तो मौत की जानकारी दी गई। परिजनों ने विरोध किया तो बाउंसर से पिटवा दिया। जिसके बाद परिजनों का गुस्सा भड़क गया और परिजनों ने सड़क जाम किया। यह मामला सहायक खजांची थाना का है। जहां के निजी क्लिनिक में सदर थाना क्षेत्र के गुलाबबाग के शास्त्रीनगर निवासी केदार भगत (62) को भर्ती कराया गया था। उनकी जांघ की हड्डी टूट गई थी। डॉक्टर ने ऑपरेशन करने को कहा था। इधर मृतक की बेटी ने कहा कि बुधवार दोपहर घर में फिसलकर पापा केदार भगत की जांघ की हड्डी टूट गई थी। मरीज को लाइन बाजार स्थित निजी क्लीनिक पहुंचाया गया। हम डॉक्टर से मिलकर गए थे रिपोर्ट देखकर भर्ती करने को कहा था। तब कंपाउंडर अंदर ले गया। सब दारू पीने वाले हैं। ओवरडोज दे दिया। जिससे मेरे पापा नर्वस हो गए थे। बाबू आओ, बाबू आओ आवाज दे रहे थे। मेरी मां को अंदर नहीं जाने दिया। डॉक्टर के आने से पहले ही पापा की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि मौत के करीब 2 घंटे बाद उन्हें मौत की बात बताई गई। घटना के संबंध में सहायक खजांची थानाध्यक्ष शशि कुमार भगत ने कहा कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची हंगामा कर रहे परिजनों को शांत कराया। आवेदन देने को कहा गया था मगर अब तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

पेज एक का शेष

छह दिन की ईडी...

ईडी ने मंत्री की रिमांड की मांग करते हुए अदालत से कहा, "यह मामला आलमगीर आलम से संबंधित है और उक्त राशि को संजीव कुमार लाल के निर्देश पर जहांगीर आलम ने एकत्र किया था, जो आलमगीर आलम की ओर से ऐसा कर रहे थे।"

रिकॉर्ड व नकदी रखने के लिए इस्तेमाल होता था निजी सचिव के घरेलू सहायक का घर : ईडी के अनुसार ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव कुमार लाल के पास रखे गए लेटरहेड पर कई आधिकारिक दस्तावेजों से पता चलता है कि लाल इस जगह का इस्तेमाल आलमगीर आलम से संबंधित दस्तावेज, रिकॉर्ड, नकदी और अन्य सामान रखने के लिए कर रहे थे।

ईडी ने आरोप लगाया कि यह पता चला है कि लाल आलमगीर आलम और अन्य की ओर से कमीशन वसूली का संचालन करता है। ईडी ने कहा, , "वह (लाल) निविदाओं के प्रबंधन और इंजीनियरों से कमीशन के संग्रह में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही कमीशन का उक्त प्रतिशत सरकार के उच्च-अधिकारियों में बांटा जाता है।"

ईडी के अनुसार, "... ग्रामीण विकास विभाग के ऊपर से लेकर निचले स्तर तक के कई अधिकारी इस कमीशनखोरी में शामिल हैं और आमतौर पर भारी भरकम भुगतान नकद में लिया जाता था। जिन्हें बाद में सफेद कर दिया जाता था, इसका पता लगाने की जरूरत है।"

अमित शाह आज...

वो 18 मई को बोकारो में जनसभा को संबोधित करेंगे। बता दें कि, इससे पहले शाह ने झारखंड में पहले और चौथे चरण के चुनाव से पहले खूंटी में जनसभा की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री के झारखंड दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी 19 मई को फिर झारखंड आएंगे। वह जमशेदपुर से भाजपा उम्मीदवार विद्युत वरण महतो के समर्थन में घाटशिला में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री अब तक झारखंड में पांच चुनावी सभा व राजधानी रांची में रोड शो कर चुके हैं। उनकी चाईबासा, पलामू, गुमला, चतरा व गिरिडीह में चुनावी सभा हो चुकी है।

कोर्ट के संज्ञान में...

पीएमएलए की धारा 45 की दो शर्तें लागू नहीं होती : आगे पीठ ने कहा कि यदि आरोपी समन (कोर्ट द्वारा जारी) के जरिए विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अपने फैसले में पीठ ने कहा कि समन के बाद कोर्ट में पेश हुए आरोपी को जमानत के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं है और इस प्रकार पीएमएलए की धारा 45 की दो शर्तें लागू नहीं होती हैं।

दोनों शर्तों में कहा गया है कि जब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई आरोपी जमानत के लिए आवेदन करता है, तो कोर्ट को पहले सरकारी अभियोजक को सुनने की अनुमति देनी होगी। साथ ही जमानत केवल तभी दी जा सकती है, जब यह संतुष्ट हो जाए कि आरोपी दोषी नहीं है और रिहा होने पर उसके द्वारा इसी तरह का अपराध करने की आशंका नहीं है।

अपने भाषण में...

भाजपा कभी उनलोगों पर कार्रवाई की बात नहीं करती है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अलग होने के 24 साल हो गए। अधिक समय तक भाजपा ने राज्य में शासन किया परंतु भाजपा ने कभी राज्य के हित में काम नहीं किया। 2019 में हेमंत सोरेन की सरकार बनी तब कोरोना से लोगों को बचाया गया। कहा कि इंडिया गठबंधन की लोकप्रियता से भाजपा वाले डर चुके हैं। भाजपा के शासन में कभी भी देश और राज्य का भला नहीं हो सकता है। मौके पर उन्होंने गांडेय उपचुनाव की इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी कल्पना सोरेन और कोडरमा लोकसभा के इंडी गठबंधन के प्रत्याशी विनोद सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील किया।

सभा में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, जल संसाधन मंत्री मिथलेश ठाकुर, राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार, जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी आदि ने भी सम्बोधित किया।

झारखंड के सभी...

तभी हम इन भाषाओं एवं संस्कृतियों को संवर्धित कर के अपनी अगली पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत सौंप पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस साहित्य को इन महान विभूतियों ने सौ साल पहले लिखा, वह आज भी अतुलनीय है। इस देश को राष्ट्रगान देने वाले रवीन्द्रनाथ टैगोर और अंग्रेजी शासन के खिलाफ अपने गीतों एवं नाटकों के माध्यम से क्रांति का संदेश देने वाले काजी नजरुल इस्लाम जैसी महान हस्तियों पर पूरे देश को गर्व है।

झारखंड के अधिकतर क्षेत्रों में तथा विशेष कर कोल्हान और संथाल परगना के कई हिस्सों में, बांग्ला भाषा का इस्तेमाल एक प्रमुख भाषा के तौर पर होता है। मैंने अपनी पढ़ाई रामकृष्ण मिशन के स्कूल से की है, इसलिए, बंगभाषी समाज की गौरवशाली संस्कृति को हमने करीब से महसूस किया है।

साहिबगंज और दुमका...

गाय चरा रहा था युवक, हो गयी मौत : साहिबगंज मुफस्सिल थाना में बाबूपुर ग्वाला टोला में ठनका गिरने से कैलाश यादव के 35 वर्षीय पुत्र पिंटू यादव की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, पिंटू बाबूपुर मरगंग के पास गाय चरा रहा था। तभी ठनका की चपेट में पिंटू आ गया, घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। इधर मृतक की पत्नी अमृता देवी व पुत्र बाबू कुमार व पुत्री लक्ष्मी कुमारी का रो-रो कर बुरा हाल है।

घास काटकर लौट रही महिला आयी चपेट में : तालझारी थाना क्षेत्र के मोतीझरना के समीप ठनका गिरने से एक महिला की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, शेख मुजिम की पत्नी नजमा बीबी (28) गुरुवार की दोपहर गदाई दियारा से घास काट कर घर लौट रही थी। घर पहुंचने से पहले ही ठनका गिरने से नजमा बीबी मूर्छित होकर गिर गयी। आसपास के लोगों ने इलाज के लिए स्थानीय डॉक्टर के यहां ले गये है, जिसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति हैदराबाद में मजदूरी करते है। मृतक अपने पीछे तीन पुत्र व दो पुत्री छोड़ गये।

दुमका में वज्रपात से 2 बच्चों की मौत: दुमका नगर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चिरुडीह गांव में वज्रपात में दो बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों में चिरुडीह गांव के इब्राहिम अंसारी का बेटा मिस्वाज अंसारी (12) और शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मंझलाडीह गांव के ताज हुसैन का बेटा मो इनायत हुसैन (8) है। परिजनों ने बताया कि गुरुवार की दोपहर को बादल छाने के बाद दोनों बच्चे घर के सामने पेड़ के नीचे खेल रहे थे। अचानक वज्रपात होने से दोनों बेहोश होकर गिर गये। परिजनों ने आनन फानन में दोनों को उठाकर फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां जांच के बाद चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, मो इनायत हुसैन चिरुडीह गांव में अपने मामा के घर में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

सीएए को कोई...

वोटबैंक के लिए यह लोग हमारी आस्था पर चोट कर रहे हैं। मोदी ने कहा भारत के लोगों को मोदी की गारंटी पर कितना भरोसा है। इसका उदाहरण सीएए कानून है। इसके तहत शरणार्थियों को कल नागरिकता दी गई। यह वे लोग हैं जो भारत के बंटवारे में बाहर चले गये थे। ईडी गठबंधन वाले लोग महात्मा गांधी की बातों को याद नहीं रखते। महात्मा गांधी ने कहा था कि वे कभी भी भारत आ सकते हैं। यह लोग अपनी बेटियों की इज्जत, अपना धर्म, अपनी संस्कृति व परम्परा को बचाने के लिए भारत मां के आंचल में आकर शरण ली, लेकिन कांग्रेस वालों ने इनकी सुध नहीं ली। इसमें ज्यादातर दलित व ओबीसी हैं। इसलिए इनपर यहां तो जुल्म हुआ ही वोटबैंक की राजनीति में डूबी कांग्रेस ने भी इन पर जुल्म करने में कोताही नहीं की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन पिछड़े, दलित, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को देना चाहते हैं। यह लोग देश के बजट को बांटना चाहते हैं। बजट का सीधा-सीधा अल्पसंख्यक के नाम पर एलाट करना चाहते हैं। सपा-कांग्रेस, दल दो हैं लेकिन दुकान एक ही है। ये झूठ का सामान बेचते हैं। ये तुष्टिकरण का, परिवारवाद का और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं। नरेन्द्र मोदी ने कहा भाजपा ने मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया है। सपा व राजद वाले भगवान कृष्ण को गाली देने वालों के साथ बैठते हैं।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं पहली बार देख रहा हूं कि दुनिया के अखबारों में पहले पेज पर भारत के लोकतंत्र के उत्सव की खबरें छाई हुई हैं। भारत की पहचान, भारत का महात्म्य दुनिया के लिए भी कितना महत्व रखता है, इसका ये परिचय है। दुनिया देख रही है कि जनता-जनार्दन का आशीर्वाद भाजपा-एनडीए पर है। मोदी ने कश्मीर में शांति की गारंटी दी थी। मोदी ने 370 की दीवार गिराई। पहले चुनाव आते थे तो हड़तालें होती थीं, आतंकी धमकी देते थे लेकिन इस बार श्रीनगर में पिछले अनेक चुनावों के रिकॉर्ड टूट गए।

मोदी ने भाषण की शुरुआत राम-राम व पायलागी के साथ की। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर शंखध्वनि से प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। जनसभा को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, लालगंज लोकसभा प्रत्याशी नीलम सोनकर, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ,सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर उपस्थित रहे।

केदारनाथ धाम...

सेमवाल का कहना था कि धाम परिसर में बिल्कुल भी ढोल ना बजाया जाए। यहां केवल मंदिर का ढोल बजेगा। इसके अलावा कोई शोरगुल नहीं होना चाहिए। उन्होंने इन युवाओं से यह भी सवाल किया कि यहां ढोल नगाड़े बजने की अनुमति उनके पास है की नहीं यदि अनुमति है, तो दिखाएं। हालांकि यह लोग इस तरह की कोई अनुमति नहीं दिखा पाए। इस पर सेमवाल ने साफ कह दिया कि यदि जिलाधिकारी भी अनुमति देंगे, तो यहां ढोल-नगाड़े बजाने के लिए पहले केदारसभा की अनुमति जरूरी होगी।

बसपा नेता तौफीक प्रधान ने की फायरिंग, तीन लोग घायल

बरेली, एजेंसी। बरेली के थाना बारादरी क्षेत्र की पशुपति विहार कॉलोनी में सोमवार आधी रात फायरिंग होने से दहशत फैल गई। आरोप है कि बसपा नेता तौफीक प्रधान ने अपने साथियों के साथ मिलकर मोहम्मद फारूक के घर पर कर दिया। इससे तीन लोग घायल हो गए।

बरेली के थाना बारादरी क्षेत्र की पशुपति विहार कॉलोनी में सोमवार की रात फायरिंग हो गई। घटना से कॉलोनी में दहशत फैल गई। फायरिंग में तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने इन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पशुपति विहार कॉलोनी निवासी मोहम्मद फारूक ने बताया कि पहले वह तौफीक प्रधान के साथ बसपा में शामिल थे। चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली और अपने क्षेत्र में अबकी बार तीसरी बार मोदी सरकार का नारा लगाकर पोस्टर लगाए थे।

आरोप है कि तौफीक प्रधान ने पोस्टर फाड़ दिए। बसपा छोड़ने पर तौफीक प्रधान रंजिश मानता है। तौफीक ने अपने साथी चांद कुरैशी व फतेहगंज पूर्वी के पंखिय गिरोह को बुलाकर सोमवार रात एक बजे करीब अचानक फारूक के घर पर फायरिंग कर दी। इससे हड़कंप मच गया।

मोहम्मद फारूक के परिवार के लोगों ने विरोध किया तो पंखिया गिरोह ने चाकू, लाठी और डंडे से फायरिंग करते हुए हमला कर दिया। इसमें फारूक, इसरार और शंभू गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवार के लोगों ने 112 पुलिस को दी। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

वाराणसी में युवक की हत्या कर जंगल में फेंका गया शव, पुलिस को इस बात की आशंका

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले में जंगल में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। शव की शिनाख्त का प्रयास पुलिस कर रही है। वहीं पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या कहीं और की गई है और शव जंगल में फेंका गया है। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के गाजीपुर सीमा के पास हाईवे से 500 मीटर दूर जंगल में एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मंगलवार को मिला। शव के पास शराब की खाली शीशी, गिलास, चिप्स का पैकेट आदि सामान पड़ा मिला। युवक के सिर पर चोट के निशान थे। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की।

घटना की जानकारी होते ही प्रभारी निरीक्षक विद्या शंकर शुक्ल, एसीपी सारनाथ अतुल अंजान त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव का जांच कर फिंगर प्रिंट लेने के बाद कब्जे में ले लिया। पुलिस को आशंका है कि कहीं अन्य जगह हत्या कर शव को यहां जंगल मे लाकर फेंक दिया होगा। वहीं जंगल में युवक का शव मिलने की खबर से सनसनी फैल गई।

एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि कहीं अन्य स्थान पर हत्या कर शव ठिकाने लगाने के लिए यहां जंगल मे फेंक गया है। पुलिस द्वारा शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा होगा।

छात्र ने ऑनलाइन गेम में गंवाए पैसे, पिता ने डांटा तो फंदे से लटककर मौत को लगाया गले

बलिया, एजेंसी। बलिया में गेम खेलने के चक्कर में एक छात्र ने जान गंवा दी। ऑनलाइन गेम में पैसे कट जाने पर पिता ने छात्र को डांटा तो इससे नाराज होकर उसने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली।

बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के ताखा गांव में पिता की डांट से क्षुब्ध 10वीं के छात्र ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आनन फानन परिजनों ने उसका दाह संस्कार कर दिया। बताया जा रहा है कि छात्र ने ऑनलाइन गेम में काफी धनराशि गंवा दी थी। इस पर उसे फटकार पड़ी थी। ताखा निवासी अंजनी सिंह का पुत्र रोहन कुमार मोबाइल पर गेम खेलता था। गेम खेलने के चक्कर में अंजनी सिंह के खाते से लाखों की धनराशि रविवार को अचानक ऑनलाइन कट गई। इस पर उन्होंने रोहन को कड़ी फटकार लगाई थी। पिता की डांट से नाराज रोहन रविवार की रात को खाना खाकर सो गया। स्वजनों के सो जाने के बाद किसी समय उसने फंदे पर लटककर मौत को गले लगा लिया। सोमवार की सुबह स्वजनों ने गंगा घाट पर दाह संस्कार कर दिया। रोहन पढ़ने में होनहार था। इधर कुछ दिनों से उसे ऑनलाइन गेम खेलने की लत लग गई थी। इसमें बराबर धनराशि का नुकसान होता था। रविवार को काफी रुपये कट जाने से युवक के पिता ने कड़ी फटकार लगा दी। इस पर उसने घातक कदम उठा लिया। थाना प्रभारी गड़वार मूलचंद चौरसिया ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। जिला अस्पताल की जैदानिक मनोवैज्ञानिक अनुष्का सिंह ने कहा कि घर के बड़ों को देख कर बच्चे ज्यादा समय मोबाइल पर गुजारना चाह रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग में फंस कर आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं। इस तरह की घटना होने पर माता पिता बच्चों के कठोरता से पेश आने की जगह प्यार से समझाएं, अन्यथा वह आत्मग्लानि में गलत कदम उठा लेगा।

यूपी में अखिलेश के बाद कौन संभालेगा नेता प्रतिपक्ष का पद शिवपाल समेत इन तीन नामों पर चर्चा तेज

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की रणनीति पर मिली बड़ी सफलता के बाद अब समाजवादी पार्टी 'मिशन-2027' में जुट गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब केंद्र की राजनीति करेंगे तो उनके स्थान पर नेता प्रतिपक्ष कौन होगा इसको लेकर पार्टी में मंथन शुरू हो गया है।

पार्टी में फिलहाल तीन नामों पर बहुत गंभीरता से विचार चल रहा है। इनमें शिवपाल सिंह यादव, राम अचल राजभर व इन्द्रजीत सरोज शामिल हैं। तीनों ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। सपा अध्यक्ष यह चाहते हैं कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऐसा व्यक्ति बनाया जाए जिससे 'पीडीए' की धार और मजबूत हो सके।

यही कारण है कि पार्टी पिछड़ा या दलित में से किसी एक को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहती है। सबसे प्रबल दावेदार अखिलेश यादव के चाचा व जसवंतनगर के विधायक शिवपाल हैं।

छह बार के विधायक शिवपाल वर्ष 2009 से 2012 तक नेता प्रतिपक्ष रह भी चुके हैं। सपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए जातीय समीकरण भी साध रही है। ऐसे में इस पद के लिए पार्टी अति पिछड़े व दलित नेता के नाम पर भी विचार कर रही है।

दलित नेताओं में पांच बार के विधायक इन्द्रजीत सरोज प्रमुख दावेदार हैं। कौशांबी की मंझनपुर सीट के विधायक इन्द्रजीत बसपा की मायावती सरकार में समाज कल्याण मंत्री रह चुके हैं। इस बार इनका बेटा पुष्पेन्द्र सरोज कौशांबी से सांसद चुना गया है।

तीसरा नाम अति पिछड़ी जाति में आने वाले अंबेडकरनगर की अकबरपुर सीट के विधायक राम अचल राजभर का चल रहा है। छह बार के विधायक राजभर मायावती की वर्ष 2007 से 2012 की सरकार में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। पिछड़ी जातियों में इनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। सपा अध्यक्ष जल्द ही इनमें से किसी एक को नेता विरोधी दल का दायित्व सौंप सकते हैं।

सपा को दो वर्ष बाद विधान परिषद में अब फिर से नेता प्रतिपक्ष का पद मिल जाएगा। जुलाई 2022 में सपा के 10 प्रतिशत से कम सदस्य रह जाने के कारण यह पद लाल बिहारी यादव से छिन गया था। 100 सीटों वाली विधान परिषद में अब सपा के फिर से 10 सदस्य हो गए हैं, ऐसे में पार्टी को नेता प्रतिपक्ष का पद मिल जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, बलराम यादव व किरण पाल कश्यप का नाम चल रहा है। दरअसल, सपा यदि विधानसभा में यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाती है तो यहां पर गुड्डू जमाली को बना सकती है। जमाली की आजमगढ़ व आस-पास की मुस्लिम आबादी में अच्छी पकड़ मानी जाती है। विधान परिषद में लंबे समय तक सपा ने अहमद हसन को नेता प्रतिपक्ष बनाए रखा था।

यदि विधानसभा में कोई और जाति का बनता है तो यहां पर पूर्व मंत्री बलराम यादव व किरण पाल कश्यप में से किसी एक को बनाया जा सकता है। बलराम यादव भी एमएलसी बनने से पहले छह बार विधायक व तीन बार एमएलसी रह चुके हैं।

अखिलेश सरकार में माध्यमिक शिक्षा मंत्री रहे थे। वहीं, किरण पाल कश्यप मुलायम सिंह की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। रालोद के अलग होने के बाद पश्चिम यूपी को साधने के लिए सपा उन्हें भी यह पद दे सकती है। उनकी कश्यप बिरादरी में अच्छी पकड़ मानी जाती है।

चुनाव खत्म होते ही एक्शन में योगी सरकार, यूपी में नई तबादला नीति मंजूर, कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

लखनऊ, एजेंसी। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट मीटिंग में मंगलवार को कई बड़े फैसले लिए गए हैं। योगी कैबिनेट ने नई तबादला नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति के तहत विभागाध्यक्ष 30 जून तक ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके बाद ट्रांसफर करने के लिए सीएम से परमिशन लेना होगा। मुख्यमंत्री योग आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में ये फैसला लिया गया है।

योगी कैबिनेट में इन प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

नई तबादला नीति के तहत प्रदेश में समूह क, ख, ग, घ के सभी कार्मिकों के ट्रांसफर 30 जून तक होंगे। जिलों में तीन साल और मंडल में सात साल से अधिक तैनाती वाले कार्मिक हटाए जाएंगे।

पिक एंड चूज की व्यवस्था खत्म होगी। जो ज्यादा पुराना होगा, वह पहले हटेगा।

समूह क और ख में अधिकतम 20 प्रतिशत और समूह ग और घ में अधिकतम 10 प्रतिशत कार्मिकों के तबादले होंगे।

प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में तैयारियों के मद्देनजर 2019 की तुलना में 2025 में 3200 हेक्टेयर की तुलना में 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार किया गया है। अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर करीब छह करोड़ लोग आएंगे। कुंभ के लिए 2500 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

नोएडा में 500 बेड के अस्पताल को मंजूरी मिली। इसका निर्माण 15 एकड़ भूमि पर किया जाएगा।

आईआईटी कानपुर में मेडिकल रिसर्च के लिए स्कूल आफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नालॉजी बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार हर साल 10 करोड़ रुपये देगी। इस तरह पांच साल में 50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। शेष मदद केंद्र से आएगी।

निजी विश्वविद्यालय को प्रमोट करना और हर मंडल में एक सरकारी विश्वविद्यालय को मंजूरी।

बदायूं में किसान की हत्या : जमीन की रंजिश में पीट-पीटकर मार डाला, लाश के पास डाल दिए दो तमंचे

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के दातागंज क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक किसान की हत्या कर दी गई। उसका शव आरोपियों के घर के बाहर पड़ा मिला। पास में दो तमंचे पड़े थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजने के साथ जांच शुरू कर दी है।

बदायूं के दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव द्विवेरी में मंगलवार की सुबह किसान की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। किसान अपने खेत से चारा काटकर ला रहा था। तभी आरोपियों ने गांव के नजदीक ही उसे घेर लिया और बेरहमी से पीटा। उसे पकड़कर अपने घर के दरवाजे पर ले गए। वहां पीट-पीटकर मार डाला। आरोप है कि शव के पास में ही दो तमंचा डाल दिए, जिससे केस बनाया जा सके कि किसान घर पर हमला करने आया था।

ग्राम द्विवेरी निवासी 50 वर्षीय हरीराम खेतीबाड़ी करते थे। वह सुबह छह बजे अपने खेत पर चारा काटने गए थे। करीब डेढ़ घंटे बाद चारा लेकर आ रहे थे। रास्ते में गांव के ही लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते उन्हें घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। आरोपी उन्हें पकड़कर अपने घर के दरवाजे पर ले गए। वहीं उनको पीट-पीटकर मार डाला।

हत्या की सूचना पर कोतवाली पुलिस और सीओ मौके पर पहुंच गए। पुलिस को हरीराम की लाश के नजदीक ही दो तमंचे पड़े मिले। गांव के बाहर खेत में चारा कटा पड़ा मिला है। एक हमलावर को चोट बताई जा रही है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि हरीराम का आरोपियों से जमीन को लेकर रंजिश चल रही थी। उसको लेकर ही आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कम्प्यूटर सेंटर में युवती की हत्या करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने 30 दिन में किया ये काम

बिजनौर, एजेंसी। कम्प्यूटर सेंटर में शिक्षिका को गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपित के खिलाफ 30 दिन में चार्जशीट दाखिल कर दी है। केस की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में कराई जाएगी।

तीन मई को शहर के विदुर कुटी मार्ग स्थित रुहेलखंड ऑल इंडिया कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर (आरसीटीआई) की कक्षा में घुसकर एक युवक ने शहर के मोहल्ला चौधरियान निवासी शिक्षिका कोमल देवल की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस ने आरोपित कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के गांव शादीपुर निवासी प्रशांत पुत्र लक्खुश को जेल भेज दिया था। मृतका के पिता ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित ने एकतरफा प्यार में शिक्षिका की हत्या की थी। वह शादी का दवाब बना रहा था। हत्या से पूरे जनपद में सनसनी फैल गई थी। केस की विवेचना शहर कोतवाल कर रहे थे। विवेचक ने 30 दिन के भीतर ही केस में आरोपित प्रशांत के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। हत्या की धारा में आरोपपत्र गया है। आरोप पत्र में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक टीम के नमूनों को भी साक्ष्य बनाया गया है।

स्वजन के अलावा इंस्टीट्यूट में मौजूद छात्र और शिक्षक गवाह बनाए गए हैं। सीओ सिटी संग्राम सिंह ने बताया कि आरोपपत्र 30 दिन से पहले ही दाखिल कर दिया गया है। विवेचना मजबूती के साथ की गई है। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद जल्द ही केस को ट्रायल पर लाया जाएगा। केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाएगा। गवाही और साक्ष्य प्रस्तुत कर आरोपित को कोर्ट से कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाएगी। मानीटरिंग सेल मुकदमे की मजबूती से पैरवी करेगा।

चंदौली में मरीजों के स्ट्रेचर पर ढोया जा रहा बालू, वायरल हुआ वीडियो; अस्पताल प्रशासन में मची खलबली

चंदौली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से यहां मरीजों को ढोने के बजाय स्ट्रेचर से बालू ढोया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महकमे में हड़कंप मचा है।

चंदौली जिले के चकिया जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्ट्रेचर का इस्तेमाल बालू ढोने के लिए किया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद से अस्पताल प्रशासन में खलबली मची है। प्रभारी सीएमएस ने प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई की बात कही है।

चकिया संयुक्त जिला चिकित्सालय में निर्माण कार्य हो रहा है। निर्माण में लगे मजदूर स्ट्रेचर से बालू समेत अन्य सामग्री ढोने का काम कर रहे हैं। मजदूरों की हरकत के बाद अस्पताल प्रशासन सवालों के घेरे में आ गया है। लोगों का कहना है कि स्ट्रेचर का इस्तेमाल अस्पतालों में मरीजों को सुगमता से इधर-उधर ले जाने के लिए किया जाना चाहिए। यहां इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। मजदूर बालू समेत अन्य सामग्री स्ट्रेचर से ढोने का काम कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इस पर अस्पताल के चिकित्सकों व अधिकारियों की नजर नहीं पड़ रही, बल्कि वे सबकुछ जानकर भी अनजान बने हुए हैं।

इस संबंध में प्रभारी सीएमएस डॉ. आरएस आनंद ने बताया कि अस्पताल में हो रहे निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के स्ट्रेचर से बालू ढोने का मामला संज्ञान में आया है। यह पूरी तरह नियम के विपरीत है। इसकी जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बिजली विभाग का कारनामा ! फरवरी में मीटर लगा, दिसंबर का भेज दिया बिजली बिल

लखनऊ, एजेंसी। बिजली विभाग की ढिलाई के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी उठानी पड़ रही है। पहले डेढ़ माह तक मीटर नहीं लगाया, क्योंकि मीटर नहीं थे। मीटर जब आए तो एसडीओ ने फोन नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। बड़ी मुश्किल से 16 फरवरी 2024 को मीटर लगवाया और बिजली चालू हो सकी। बिजली विभाग ने महीनों बिल नहीं भेजा, तो उपभोक्ता न्यूटन किशोर सक्सेना ने बिजली विभाग के चक्कर लगाने शुरू किए।

अब बिल आया तो अभियंताओं ने मीटर लगने से पहले यानी दिसंबर 2023 से बिल भेज दिया। उस समय उपभोक्ता के घर में मीटर भी नहीं लगा था। ऐसे में उपभोक्ता न्यूटन सक्सेना एक बार फिर ऐशबाग उपकेंद्र के चक्कर लगाने को विवश है और अभियंता कोई बात सुनने को तैयार नहीं है।

नादान महल रोड निवासी उपभोक्ता न्यूटन किशोर सक्सेना ने 27 सितंबर 2023 में कनेक्शन के लिए आवेदन किया था। कई चक्कर लगाने के बाद 21 दिसंबर 2023 को तीन किलोवाट के कनेक्शन के लिए तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद न्यूटन ने तुरंत 2698.60 रुपये जमा कर दिए। पैसा जमा करने के बाद महीनों मीटर नहीं लगा।

उपभोक्ता का तर्क है कि बिल 15 फरवरी से लेना चाहिए, लेकिन विभाग मीटर किराया, फिक्स चार्ज, इलेक्ट्रिक सिटी ड्यूटी दिसंबर 2023 से वसूल कर रहा है। यही नहीं सर्विस कनेक्शन संख्या 1014166503 है और सीलिंग सर्टिफिकेट में तिथि मीटर लगने से पहले यानी 28 दिसंबर 2023 की दर्ज कर दी गई। उपभोक्ता को यह सीलिंग सर्टिफिकेट सात जून 2024 को दिया गया। ऐसे में बिजली विभाग अपनी गलतियां छिपाने के लिए सब कुछ उपभोक्ता के ऊपर डाल रहा है। उपभोक्ता की अकाउंट आइडी 6183368452 है। बिजली बिल में एरियर 1442 रुपये जोड़ा गया है और कुल बिल 3,069 रुपये का है।

खतरे की घंटी ! गंगा पर भी असर डाल रही चिलचिलाती गर्मी, एक सप्ताह में इतना घट गया जलस्तर

वाराणसी, एजेंसी। प्रचंड गर्मी और बढ़ते पारे के साथ जीवनदायिनी सदानीरा सुरसरि गंगा की धार पतली होती जा रही है और प्रवाह मद्धिम। नदी का जलस्तर लगता घटता जा रहा है, इससे नदी अपने घाटों से दूर होती जा रही है और बीच-बीच में रेत के टीले बढ़ते जा रहे हैं। बीते एक सप्ताह की ही बात करें तो गंगा के जलस्तर में 16 सेमी की कमी आई है और नदी अपने घाटों से निरंतर दूर होती चली गई है।

जलस्तर कम होने से अब घाटों की सीढ़ियों पर बैठकर पवित्र जल से आचमन करना कठिन हो गया है। केंद्रीय जल आयोग के मध्य गंगा खंड तृतीय द्वारा जारी रिपोर्ट की बात करें तो बीते दो जून को शहर के राजघाट पर गंगा का जलस्तर 57.90 मीटर था। ठीक सातवें दिन यह घटकर 57.74 मीटर पर आ गया। यानी नदी के जलस्तर में 16 सेमी की गिरावट आई। पानी घटने से गंगा का प्रवाह भी मंद हो गया है।

इसके चलते नदी के किनारों और बीच धार में कचरा जमा हो रहा, इससे पानी में गंदगी की मात्रा बढ़ती जा रही। गंदला होता गंगाजल देख श्रद्धालु विचलित हो रहे हैं, साथ ही नदी के भरोसे आजीविका कमाने वाले निषाद, मल्लाह समुदाय के लोग भी चिंतित हैं। गंगा को मुक्त किए बिना देश का भविष्य उज्ज्वल नहीं प्रसिद्ध नदी विज्ञानी गंगा पर विस्तृत शोध करने वाले काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर, पर्यावरणविद डा. उदयकांत चौधरी बताते हैं कि गंगा भारत की जीवनदायिनी है।

जलस्तर घटने तथा प्रवाह मंद होने से नदी के जल में घुलित आक्सीजन की मात्रा भी प्रभावित होगी। बायोलाजिकल आक्सीजन की डिमांड बढ़ेगी और जलीय जंतुओं के जीवन को खतरा उत्पन्न हो जाएगा। परिणाम स्वरूप गंगा में पाई जाने वाली मछलियां, डाल्फिन व कछुओं का जीवन संकट में पड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि गंगा को स्वच्छ तो तब ही हो जाएगी, जब इसमें पानी बढ़ जाएगा लेकिन कथित विकास के नाम पर गंगा को बांधों में कैद कर दिया गया है। जब तक गंगा को बांधों से मुक्त कर उन्मुक्त नहीं बहने दिया जाएगा, तब तक यह अपने वास्तविक स्वरूप में नहीं आएगी। गंगा के सिमटने से भारत की आर्थिकी, जनसांख्यिकी और पर्यावरण, कृषि सब कुछ प्रभावित होगा।

लखनऊ के होटल में दुष्कर्म पुवायां में युवक ने जबरन लिखवा लिया राजीनामा, पीड़ित युवती ने खाया जहर

शाहजहांपुर, एजेंसी। शाहजहांपुर के पुवायां में दुष्कर्म पीड़ित युवती ने जहर खा लिया। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। बताया गया कि एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर जबरन राजीनामा लिखवा लिया। इससे आहत होकर युवती ने यह कदम उठा लिया।

शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक ने लखनऊ ले जाकर एक होटल में दुष्कर्म किया। उसके अश्लील फोटो भी खींच लिए। युवती ने कार्रवाई की मांग की तो पुवायां में जबरन राजीनामा लिखवा लिया गया। इससे आहत युवती ने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। युवती को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

नौ जून को पुवायां के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस को बताया था कि दो वर्ष पूर्व वह बहन के घर दिल्ली जा रही थी। रास्ते में खुटार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से संपर्क हो गया। युवक ने खुद को कृषि विभाग में तैनात बताते हुए एक लाख रुपये में नौकरी दिलाने की बात कही थी। आरोप है कि तीन जून को युवक ने उसे लखनऊ के होटल में बुलाकर 50 हजार रुपये ले लिए और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिला दिया। नशा हो जाने पर युवक ने उससे दुष्कर्म किया और फोटो भी बना लिए।

लिक्विड इंजीनियरिंग में बढ़ गए कैरियर के मौके

निजी कंपनियों के भारतीय पेट्रोलियम कारोबार में प्रवेश करने से लिक्विड इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए कॅरियर के और अधिक अवसर उत्पन्न होने लगे हैं...

लिक्विड इंजीनियरिंग का संबंध मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों से है। इन दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की आवश्यकता जीवन में काफी बढ़ गई है। इसके बिना कई दैनिक कार्य संभव नहीं हैं। इस क्षेत्र में भारत एशिया के तेल और प्राकृतिक गैस बाजार में बड़ा खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। इस समय भारत में इस क्षेत्र से लाखों लोग प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जुड़े हैं।

बढ़ती जरूरत

हमारे देश में जिन क्षेत्रों का बहुत तेजी से विकास हो रहा है, पेट्रोलियम और ऊर्जा उनमें से एक है। भारत की बड़ी इंडस्ट्रीज में पेट्रोलियम इंडस्ट्री का क्रम सबसे ऊपर आता है। तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग तथा अन्य तेल कंपनियां इस क्षेत्र में भारी लाभ अर्जित रही हैं। पेट्रोलियम और विभिन्न पेट्रो प्रोडक्ट्स के बढ़ते इस्तेमाल के कारण इस फील्ड में कुशल पेशेवरों की काफी मांग रही है।

कार्य प्रकृति

तेल उद्योग को अपस्ट्रीम (अन्वेषण और उत्पादन) तथा डाउनस्ट्रीम (रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण) क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें सभी स्तरों पर कॅरियर निर्माण के शानदार अवसर उपलब्ध हैं। लिक्विड (पेट्रोलियम) उद्योग के तहत भूगर्भशास्त्रियों, जियो फिजिस्ट और पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए अपस्ट्रीम गतिविधियों एवं केमिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रोडक्शन इंजीनियरों के लिए डाउनस्ट्रीम गतिविधियों में कॅरियर के विकल्प उपलब्ध हैं। पेट्रोलियम इंजीनियर विभिन्न क्षेत्रों में इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, ठेकेदारों और ड्रिलिंग स्टाफ के साथ मिलकर काम करते हैं।

कोर्स कैसे-कैसे

लिक्विड (पेट्रोलियम) इंजीनियरिंग के कोर्स अंडरग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट दोनों स्तरों पर संचालित किए जाते हैं। बीटेक के 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र तथा गणित विषयों में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। एमटेक पाठ्यक्रम पेट्रोलियम, पेट्रोकेमिकल, केमिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए खुला है। यह जरूरी नहीं कि इस सेक्टर का द्वार केवल पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए ही खुला है। मार्केटिंग और प्रबंधन क्षेत्र के युवाओं के लिए भी इसमें

काफी अवसर हैं।

मौके कहां-कहां

पेट्रोलियम से संबंधित स्नातकों के लिए कॅरियर निर्माण के तमाम उजले अवसर उपलब्ध हैं। पेट्रोलियम इंजीनियरों की बढ़ती मांग का ही परिणाम है कि इन्हें अच्छे वेतन पर आकर्षक रोजगार देने के लिए पेट्रोलियम कंपनियां हमेशा तैयार रहती हैं।

चूंकि सारी दुनिया में सुरक्षित तथा किफायती ऊर्जा संसाधनों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है, इसलिए इन प्रोफेशनल की मांग का सिलसिला आगामी दशकों में भी जारी रहेगा। पेट्रोलियम उत्पादन कंपनियों, कंसल्टिंग इंजीनियरिंग कंपनियों, कुओं की खुदाई करने वाली कंपनियों के साथ-साथ ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम तथा रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स के अलावा रिसर्च और शैक्षणिक संस्थानों में आकर्षक वेतनमान पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

इस क्षेत्र में पैसों की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए प्रोफेशनल कॅरियर के अलावा रिसर्च के क्षेत्र में भी अच्छे अवसर? हैं। वह रिसर्च लैब में बतौर साइंटिस्ट या रिसर्च फेलो के रूप में अनुसंधान तथा विकास कार्य कर सकते हैं। विदेशों, खास तौर पर खाड़ी देशों में भी पेट्रोलियम इंजीनियरों के लिए कॅरियर निर्माण के ढेरों अवसर मौजूद हैं।

मुख्य संस्थान

- राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, रायबरेली
- इंडियन ऑयल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, गुड़गांव
- इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम मैनेजमेंट, गांधीनगर
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून
- इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, गांधीनगर

सफलता चाहिए तो दूरदर्शी बनें

सफलता उसी को मिलती है जो दूरदर्शी होते हैं लेकिन आज के कई युवाओं में दूरदर्शिता का अभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। दूरदर्शी न होने के कारण वे सभी दृष्टियों से सक्षम होते हुए भी असफलता का सामना कर रहे हैं और अपने लक्ष्य तक नही पहुंच पा रहे हैं।

यदि आप भी सफलता चाहते हैं तो दूर की सोच रखिए। इसके बिना आपके मार्ग में बाधाएं आती रहेंगी और आपको असफलता का सामना करते रहना पड़ेगा। जब भी आप किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फॉर्म भरते हैं या किसी नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो आप उसी दिन से अपना लक्ष्य पाने के लिए तैयारी शुरू कर दीजिए। मान लीजिए कि आपने किसी पद के लिए आवेदन पत्र भरा। यदि वह सीधी भर्ती है तो आपको साक्षात्कार में उपस्थित होना पड़ेगा। आप यह निश्चय करके साक्षात्कार की तैयारी शुरू कर दीजिए कि आपको साक्षात्कार में उपस्थित होना ही है। इस बात का इंतजार मत कीजिए कि साक्षात्कार के लिए जब आपको बुलावा पत्र मिल जाएगा, तभी आप तैयारी शुरू करेंगे। यदि आप साक्षात्कार के लिए तैयारी कर लेते हैं और आपको बुलावा पत्र नहीं भी मिलता, तब भी आप घाटे में नहीं रहते। आपकी तैयारी उस नौकरी के लिए काम न आई तो क्या हुआ, आपने सामान्य ज्ञान वगैरह की जो तैयारी की है, वह दूसरी नौकरी के प्रयास में काम आएगी। आपके इस प्रयास में आपका ज्ञानार्जन ही होगा, साक्षात्कार में सफल होने की संभावना बढ़ेगी और आपकी दूरदर्शिता आपकी सफलता का द्वार खोलेगी।

कई ऐसी प्रतियोगी परीक्षाएं हैं, जो प्राय- हर साल आयोजित की जाती हैं। इन प्रतियोगी परीक्षाओं में से किसी एक में आप को बैठना है तो लक्ष्य बनाकर तुरंत उसकी तैयारी शुरू कर दें। ऐसा नहीं कि जब उक्त प्रतियोगी परीक्षा के आयोजन संबंधी विज्ञापन जारी होगा और जब आप परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भर देंगे, तभी परीक्षा की तैयारी शुरू करेंगे। ऐसा करना अनुचित है। ऐसा करने वाले युवाओं को समयाभाव का सामना करना पड़ता है और उन्हें सफलता नहीं मिलती। स्कूल या महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में वे अच्छे अंकों के साथ सफलता अर्जित करते हैं जो शुरू से ही अर्थात शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही पढ़ाई में ध्यान देते हैं। उनका लक्ष्य परीक्षा में श्रेष्ठ अंक लाना होता है। वे अपने लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षा सत्र की शुरूआत से ही तैयारी में जुट जाते हैं जबकि जो छात्र परीक्षा के नजदीक आने पर तैयारी शुरू करते हैं, वे या तो असफलता का सामना करते हैं या उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती। जैसे कि पहले तो अनिल ने केवल अपनी स्कूलीय और महाविद्यालयीन पढ़ाई की ओर

ध्यान दिया। इस बीच उसने किसी तरह की प्रतियोगी परीक्षा वगैरह के लिए फार्म नहीं भरा। उसका लक्ष्य स्कूल और कालेज की परीक्षाओं में उच्च श्रेणी हासिल करना था। उसने कड़ी मेहनत की और वह अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ। उसने मैरिट में स्नातक किया।

स्नातक होने के बाद उसने प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में सोचा। इसके लिए उसने बैंक के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का निश्चय किया। फिर उसने बैंक की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी। तैयारी के लिए लिए उसने आवेदन भरने तक भी इंतजार नहीं किया क्योंकि उसे मालूम था कि हर साल बैंकों में विभिन्न पद हेतु प्रतियोगी परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी होते हैं।

उसकी मेहनत रंग लाई। वह बैंक अफसर हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही सफल हो गया। वह इसलिए सफल हुआ क्योंकि वह दूरदर्शी था। यदि वह दूर की सोच नहीं रखता तो उसे इतनी आसानी से सफलता नहीं मिलती। वास्तव में जो दूरदर्शी होते हैं, उन्हें सफलता आसानी से मिल जाती है और उनके होने की संभावना का प्रतिशत भी अपेक्षाकृत अधिक होता है। अत- आप भी दूरदर्शी बनिए और श्रेष्ठ सफलता पाइए।

हिंदी में कॅरियर की राह

पाठ्यक्रमों पर नजर- हिंदी से संबंधित कोर्स ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी स्तर के हैं। कुछ संस्थानों में हिंदी से संबंधित पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में भी दाखिला लिया जा सकता है। ऐसे कोर्स हिंदी ट्रांसलेशन, हिंदी जर्नलिज्म, हिंदी स्क्रिप्ट राइटिंग, रेडियो जॉबी आदि से संबंधित होते हैं।

अवसर कैसे-कैसे

हिंदी से संबंधित उचित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त कर लेने के बाद केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिंदी ऑफिसर, लिपिक, स्टेनोग्राफर, हिंदी ट्रांसलेटर आदि के रूप में नियुक्ति के मौके मिलते हैं। आम लोगों तक पहुंचने के लिए प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक हिंदी जानने वालों की मांग बनी रहती है। अब तो ऑनलाइन जर्नलिज्म में भी रिक्तियां निकलती रहती हैं। इसके अलावा रेडियो पर भी अवसर मिलते हैं। ट्रांसलेटर और द्विभाषिए की अहमियत भी आज के वैश्विक माहौल में काफी बढ़ गई है। फिल्मों, विज्ञापनों और धारावाहिकों में हिंदी स्क्रिप्ट राइटरों के बगैर तो काम चल ही नहीं सकता। कॉल सेंटर में भी हिंदी के आधार पर मौके मिलते हैं। हिंदी के जानकार आईटी सेक्टर में भी अवसर हैं। सदाबहार टीचिंग तो है ही।

वेतनमान - जॉब की जैसी प्रकृति होती है, उसी के अनुसार वेतन का निर्धारण किया जाता है। कंपनी की रूपरेखा के आधार पर भी आपका वेतन तय होता है।

सीमा सुरक्षा बल का आदर्श वाक्य है - जीवन पर्यन्त कर्तव्य

ओड़ीसा तथा छत्तीसगढ़ राज्यों के क्रमशः कोरापुट, मलकानगिरी तथा कानकेर जिलों में नक्सल विरोधी आपरेशन पर भी सीमा सुरक्षा बल को तैनात किया गया। एक तरफ इस बल ने नक्सलियों के हमलों का बहादुरी से सामना किया तो दूसरी तरफ कानकेर (छतीसगढ़) तथा कोरापुट एवं मलकानगिरी (ओडीसा) के दूर-दराज के जिलों के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के गरीब निवासियों से सम्पर्क साधने के लिए सिविक एक्शन कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय निवासियों के लिए चिकित्सा शिविर लगाकर तथा खेलकूद कार्यक्रम आयोजित कर तथा स्कूल के बच्चों को पुस्तक और टीवी, ट्रान्जिस्टर, कपड़े तथा आवश्यक वस्तुएं वितरित कर उनका भरोसा जीता गया।

यही क्या, आपदा के समय भी सीमा सुरक्षा बल ने अहम भूमिका निभाई है। बीते वर्ष उतराखण्ड में भारी प्राकृतिक विपदा के बाद वहाँ पर राहत कार्य एवं पुर्नवास कार्य के लिए सीमा सुरक्षा बल को तैनात किया गया था। सीमा सुरक्षा बल ने स्वयं ही कालीमठ घाटी के 12 गाँवों में मूलभूत सुविधाएं पुनः बनाने तथा पुर्नवास का बीड़ा उठाया। इस अभूतपूर्व कार्य के कारण उस राज्य में सीमा सुरक्षा बल को देवदूत के नाम से पुकारा गया। इन लोकहितैषी कार्यक्रमों से न केवल लोगों की विशेषकर अल्पसुविधा प्राप्त लोगों की सहायता की गई बल्कि समाज और सीमा सुरक्षा बल के बीच आपसी समझ में वृद्धि भी हुई। सीमा सुरक्षा बल आज हर तरह की भूमिकाएं निभा पा रहा है तो जाहिर है कि अपने बहादुर जवानों की बदौलत। सीमा सुरक्षा बल का गीत है-भारत के हर प्रांत से बहादुरों का दल। यह है सीमा सुरक्षा बल।

सीमा सुरक्षा बल का आदर्श वाक्य है - जीवन पर्यन्त कर्तव्य। इस गीत व आदर्श वाक्य को सीमा सुरक्षा बल के जवान हमेशा चरितार्थ करते आए हैं। सीमा सुरक्षा बल के ये वही बहादुर जवान हैं जो अपार कष्ट सहकर भी देश की सरहद की हिफाजत करते हैं। सरहद की रक्षा के लिए वे 18000 फीट ऊंची बर्फ की जगह पर तैनात रहते हैं फिर अचानक मैदानी इलाके में या जल मार्ग पर उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाता है। सुंदरवन में नदी के बीचोंबीच

जहाज पर अभी जो जवान तैनात हैं, वे सीधे कश्मीर से आए हैं। इस जहाज पर सेटलाइट रिसीवर नहीं है इसलिए महीनों से ये जवान अपने परिजनों से भी बात नहीं कर पाते। ट्रांजिस्टर जैसा मनोरंजन का भी कोई साधन वहां नहीं है। फिर भी ये जल मार्ग से सीमा पर मुस्तैद रहते हैं। सीमा पर सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिला जवान भी मुस्तैद रहती हैं। उनकी मुस्तैदी देखनी हो तो भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित सीमा चौकी कल्याणी जाइए वहां महिला सीमा प्रहरी प्रतिदिन बारह घंटे तक खड़े रहकर सीमा पर पहरा देती दिख जाएंगी। वे यह कहती नजर आएंगी कि जब पुरुष सीमा प्रहरी बारह घंटे तक सीमा पर पहरा दे सकते हैं तो स्त्री प्रहरी क्यों नहीं दे सकती? सीमा प्रहरियों के लिए शांत पोस्टिंग तथा फील्ड पोस्टिंग में कोई अन्तर नहीं है क्योंकि उनके लिए यह जीवन पर्यन्त कर्तव्य है। सीमा पर जहां ये जवान पहरा देते हैं, वहां न पेयजल का प्रबंध है न चाय आदि का। वे अपनी ड्यूटी में इस कदर व्यस्त रहते हैं कि उन्हें कभी चाय-पानी की कमी महसूस नहीं होती।

सीमा सुरक्षा बल की जिम्मेदारी शांति के समय भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निरंतर निगरानी रखना, भारत भूमि सीमा की रक्षा करना और सीमा पर होने वाली तस्करी, घुसपैठ और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों में सुरक्षा बोध को विकसित करने की जिम्मेदारी भी उसे दी गई है। सीमा सुरक्षा बल के गठन के पहले सीमाओं पर संबंधित राज्यों के सशस्त्र पुलिस बल तैनात थे तथापि 09 अप्रैल 1965 को गुजरात में सरदार पोस्ट, छार बेट तथा बेरिया बैट सीमा चौकियों पर हुए पाकिस्तानी आक्रमण के बाद इन संवेदनशील सीमाओं की एक समान सशस्त्र बल द्वारा निगरानी कर सुरक्षित रखने की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की गई। तब समय की मांग एक ऐसे बल की थी जो सीमाओं की सुरक्षा के लिए थल सेना की तरह प्रशिक्षित हो तथा सीमा पार अपराध को रोकने में भी सक्षम हो। यानी उसका दिल सेना का हो और आत्मा पुलिस की। इसी उद्देश्य के लिए गठित सचिवों की एक समिति की सिफारिश के अनुसार 01 दिसम्बर 1965 को के. एफ. रूस्तमजी के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा बल का गठन किया गया था। इस बल की कार्यक्षमता में क्रमशः वृद्धि होती गई और आज यह बल देश के उत्तम भरोसेमंद व्यावसायिक बलों में एक है। सीमा सुरक्षा बल को 25 वाहिनियों से प्रारंभ किया गया था, उस बल में आज 175 वाहिनियां हैं जो पवित्र, दुर्गम रेगिस्तानों, नदी-घाटियों और हिमाच्छादित प्रदेशों तक फैली 6,385.36 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री मई में 4 प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई : सियाम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई हो गयी। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मई 2023 में थोक बिक्री कुल 3,34,537 इकाई रही थी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने एक बयान में कहा, ''यात्री वाहनों में केवल मध्यम वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 16,20,084 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 14,71,550 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 55,763 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 48,610 इकाई थी।

पांच माह के शीर्ष पर पहुंच सकती है खुदरा महंगाई, गर्मी से खाने-पीने की चीजों के बढ़े दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जियों की महंगाई दर भी मई में बढ़कर 30 फीसदी के आसपास पहुंच सकती है, जो अप्रैल में 27.7 फीसदी रही थी। पिछले महीने सब्जियों के दाम मासिक आधार पर 5.2 फीसदी बढ़े हैं।

खाने-पीने की वस्तुओं और खासकर फल-सब्जियों की कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई मई, 2024 में एक बार फिर बढ़कर 5.14 फीसदी पर पहुंच सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह दिसंबर, 2023 के बाद इसका पांच महीने का उच्च स्तर होगा। उस समय खुदरा महंगाई 5.69 फीसदी रही थी। अप्रैल में यह घटकर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 फीसदी पर आ गई थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, देश के कई हिस्सों में बढ़ते तापमान ने सब्जियों और फलों की फसल को प्रभावित किया है। इससे खाद्य महंगाई मई में बढ़कर 9.1 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है, जो अप्रैल में 8.7 फीसदी रही थी। इसका असर कुल महंगाई पर देखने को मिल सकता है। सरकार बुधवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी कर सकती है। मुख्य महंगाई (खाद्य औ ऊर्जा को छोड़कर) भी 3.3 फीसदी से बढ़कर मई में 3.5 फीसदी पहुंच सकती है। सीएमआईई के मुताबिक, फलों और सब्जियों की महंगाई दर में करीब दो फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इससे मई में फलों की महंगाई अप्रैल के 3.5 फीसदी से बढ़कर 5.5 फीसदी पहुंच सकती है। क्रमिक रूप से फलों की कीमतें पिछले महीने 2.5 फीसदी बढ़ी है।

पेटीएम ने तीन महीने में 3,500 लोगों को निकाला, कर्मचारियों की संख्या घटकर 36,521 पहुंची

नई दिल्ली , एजेंसी। पेटीएम की मालिकाना हक वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने जनवरी-मार्च तिमाही में करीब 3,500 कर्मचारियों की छंटनी की है। यह छंटनी बिक्री विभाग में की गई है।?इसके साथही, पेटीएम के कर्मचारियों की संख्या घटकर 36,521 रह गई।कंपनी ने कहा, वह कर्मचारियों के सुचारू रूप से स्थानांतरण के लिए आउटप्लेसमेंट (कहीं और भर्ती) सहायता उपलब्ध करा रही है। कंपनी का 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। एजेंसी

ब्रिक्स देशों के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने का भी आह्वान

मॉस्को, एजेंसी। रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं।

ब्रिक्स देशों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही इन देशों ने नियम आधारित खुले एवं पारदर्शी वैश्विक व्यापार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिक्स की एक बैठक हुई

बता दें, रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं। बैठक में मंत्रियों ने माना कि वैश्विक वित्तीय संरचना के सुधार की आवश्यकता है।

कौन-कौन से देश सदस्य?

ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओनील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओनील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

नेताओं को रिपोर्ट करने का काम

संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने जोहानिसबर्ग द्वितीय घोषणापत्र के पैराग्राफ 45 का जिक्र किया, जिसमें ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थानीय मुद्राओं, भुगतान उपकरणों और मंचों के मुद्दे पर विचार करने और ब्रिक्स नेताओं को रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया है।

इन मांगों को भी दोहराया

इसके अलावा, विदेश मंत्रियों ने सीओपी27 में की गई मांग को दोहराया कि यह गारंटी दी जाए कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान सुधार में वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने और संसाधनों तक आसान पहुंच को सुविधाजनक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट शेयरधारक समीक्षा एक बड़ी सफलता होगी।

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने पर जोर

विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में एक मजबूत वैश्विक वित्तीय सुरक्षा आवरण पर भी जोर दिया गया, जिसके केंद्र में कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों वाला अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) हो। बयान के मुताबिक कोटा की सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ व्यवस्था की सुधार की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। इसमें नया कोटा फॉर्मूला अपनाने की बात भी कही गई। वहीं रूस के विदेश मंत्री का कहना है कि उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के लिए एक मंच विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है।

लगातार कम कारोबार वाले स्टॉक्स को बाहर करने की तैयारी, सेबी लाया ये नया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को डेरिवेटिव खंड में व्यक्तिगत शेयरों को शामिल करने के लिए सख्त मानदंडों का प्रस्ताव किया। नए प्रस्ताव के मुताबिक शेयर बाजार के वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड से लगातार कम कारोबार वाले शेयरों को बाहर किया जाएगा। सेबी ने इस बारे में जारी परामर्श पत्र में बाजार नियामक ने कहा है कि अंडरलाइन कैश मार्केट में पर्याप्त गहराई के बिना बाजार में हेरफेर, अस्थिरता में वृद्धि और निवेशक सुरक्षा से समझौता होने का जोखिम बढ़ सकता है। इन सभी को ध्यान में रखते हुए सेबी के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि डेरिवेटिव खंड में सिर्फ आकार, नकदी और बाजार गहराई के संदर्भ में उच्च गुणवत्ता वाले शेयर ही उपलब्ध हों। प्रस्ताव के तहत, किसी व्यक्तिगत शेयर को डेरिवेटिव कारोबार में शामिल करने के लिए उसका कुल में से कम से कम 75 प्रतिशत कारोबारी दिवसों में कारोबार होना चाहिए। इसके अलावा कम से कम 15 प्रतिशत सक्रिय व्यापारियों या 200 सदस्यों (जो भी कम हो) ने इस शेयर में कारोबार किया हो और इसका औसत दैनिक कारोबार 500 करोड़ रुपए से 1,500 करोड़ रुपए के बीच होना चाहिए।

अनुबंधों की अधिकतम संख्या का भी प्रस्ताव: सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि इसके अलावा अंडरलाइन शेयर के लिए खुले अनुबंधों की अधिकतम संख्या 1,250 करोड़ रुपए और 1,750 करोड़ रुपए होनी चाहिए। वर्तमान में यह आंकड़ा 500 करोड़ रुपए है। इन प्रस्तावों का मकसद संबंधित शेयर में पर्याप्त कारोबार सुनिश्चित करना है। सेबी ने इस प्रस्ताव पर 19 जून तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं।

इन शेयरों पर लटक सकती है तलवार: बाजार नियामक की तरफ से डेरिवेटिव बाजार में शेयरों के प्रवेश और निकास के लिए सलेक्शन मानदंडों की समीक्षा करने का प्रस्ताव लागू हुआ तो एलआईसी, जोमैटो, यस बैंक, जियो फाइनेंशियल, पेटीएम, आरवीएनएल और अदानी ग्रीन जैसे कम से कम 78 शेयर एफएंडओ सूची में शामिल हो सकते हैं।

जेपी इन्फ्रा दिवाला मामले में यीडा को 133 करोड़ रुपए की पहली किस्त का भुगतान करेगा सुरक्षा ग्रुप

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी रियल्टी कंपनी जेपी इन्फ्राटेक की कमान संभालने वाला मुंबई स्थित सुरक्षा समूह किसानों को अतिरिक्त मुआवजे के रूप में तीन महीने के भीतर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) को लगभग 133 करोड़ रुपए की पहली किस्त का भुगतान करेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने 24 मई को जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) का अधिग्रहण करने के लिए सुरक्षा रियल्टी की तरफ से लगाई बोली को बरकरार रखा था। इसके साथ ही इसे किसानों को मुआवजे के रूप में यमुना यीडा को 1,334 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश भी दिया था। इसके पहले मार्च, 2023 में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने दिवाला प्रक्रिया पर मुहर लगाई थी। एनसीएलटी ने जेआईएल को खरीदने के लिए सुरक्षा समूह की तरफ से लगाई बोली को मंजूरी दे दी थी।

हालांकि, यीडा सहित कई पक्षों ने एनसीएलटी के आदेश को चुनौती देते हुए एनसीएलएटी में याचिका दायर की थी। यीडा ने किसानों के मुआवजे के रूप में लगभग 1,700 करोड़ रुपए का दावा किया था। पिछले सप्ताह सुरक्षा समूह ने जेआईएल की नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अटकी कई परियोजनाओं के लगभग 20,000 घर खरीदारों को बड़ी राहत देते हुए तीन सदस्यीय बोर्ड का गठन करके जेआईएल का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा समूह जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं का निर्माण पूरा करने के लिए 125 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी डालेगा। उन्होंने कहा कि समूह मंजूरी की तारीख से 90 दिन के भीतर यीडा को 133.43 करोड़ रुपए की पहली किस्त भी देगा। सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा समूह मंजूरी की तारीख से एक साल के भीतर प्राधिकरण को 200.15 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा। समूह मंजूरी की तारीख से दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के अंत में भी हर साल 333.8 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा।

जेआईएल के निदेशक मंडल में शामिल सुरक्षा समूह के प्रवर्तक सुधीर वी वालिया को गैर-कार्यकारी निदेशक, आलोक चंपक दवे को कार्यकारी निदेशक और उषा अनिल कदम को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। दवे को जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड का प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भी नियुक्त किया गया है।

स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड ने 11.81 करोड़ मूल्य का महत्वपूर्ण आर्डर प्राप्त किया

मुंबई, एजेंसी। भारतभर में तैयार आईटी सेवाओं के साथ लैपटॉप, डेस्कटॉप, सर्वर्स और नेटवर्क इक्विपमेंट की बिक्री और रेंटल सहित आईटी हार्डवेयर सॉल्यूशंस प्रदान करने में सुविज्ञता रखने वाली, स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड (एनएसई- स्लोन) को कुल 5000 लेनोवो 114 त3 लैपटॉप की सप्लाई के लिए 11.81 करोड़ मूल्य का आर्डर प्राप्त हुआ है. कंपनी को मुंबई की तीन कंपनियों से लेनोवो 114 त3 लैपटॉप के लिए आर्डर प्राप्त हुआ है. सिलिकॉन रेंटल सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 3 जून, 2024 को 3000 यूनिटों के लिए आर्डर दिया . उसके तुरंत बाद 5 जून, 2024 को बीहिव टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने 500 लैपटॉप का आर्डर दिया और उसी दिन कॉमप्रिंट टेक सॉल्यूशंस (आई) प्राइवेट लिमिटेड ने भी 1500 लैपटॉप का आर्डर दिया.

कंपनी के 24 वर्ष के इतिहास में यह सबसे बड़ा ऑर्डर क्लाइंट्स द्वारा स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड में दर्शाए गए भारी विश्वास को रेखांकित करता है. यह न सिर्फ आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है बल्कि आईटी हार्डवेयर सॉल्यूशंस मार्केट में कंपनी की अग्रणी स्थिति को भी मजबूत करता है. आगे देखने पर यह उपलब्धि ना सिर्फ कंपनी की ख्याति में वृद्धि करती है बल्कि उसे भावी परियोजनाओं के लिए एक विश्वसनीय पार्टनर के रूप में स्थापित करती है.यह स्पर्धात्मक आईटी उद्योग में निरंतर ग्रोथ और सफलता सुनिश्चित करते हुए , इन बड़े ऑर्डर की डिलीवरी कंपनी में कंपनी की क्षमता पर रोशनी डालती है. आर्डर प्राप्त करने के बारे में बोलते हुए स्लोन इंफोसिस्टम्स के एमडी एवं चेयरमैन, श्री राजेश खन्ना ने कहा, हम यह घोषणा करते हुए रोमांचित है कि कंपनी को तीन सम्मानित ग्राहकों से 11.81 करोड मूल्य का उल्लेखनीय आर्डर प्राप्त हुआ है. यह सीमाचिन्ह आईटी हार्डवेयर की बढ़ती हुई मांग और महत्वपूर्ण भूमिका, जो हमारे निरंतर ग्रोथ एवं सफलता में गुणवत्ता एवं समयिक सेवा अदा करती है।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन ने वित्त वर्ष 24 में शुद्ध लाभ में 62 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। इलेक्ट्रिकल कांट्रैक्टिंग और उपकरण उद्योग की एक प्रमुख खिलाड़ी, पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड (एनएसई - पीईजीएल, कक्र43912) ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है.

वित्त वर्ष 24 में कुल आय 7.09 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 102.03 करोड़ हुई .एबिटडा 44.53 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 12.36 करोड़ हुआ . एबिटडा मार्जिन 314 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 12.13 प्रतिशत हुई .कर बाद लाभ 62.13 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 5.93 करोड़ हुआ /कर बाद लाभ मार्जिन 205 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 5.81 प्रतिशत हुई .ईपीएस 65.49 प्रतिशतवार्षिक बढ़कर 4.70 हुई

वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में कुल आय 39.91 करोड़ हुई .एबिटडा 114.25 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 4.59 करोड़ हुआ . एबिटडा मार्जिन 678 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 11.49 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 116.14 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 2.71 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ मार्जिन 408 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 6.79 प्रतिशत हुई . ईपीएस 121.65 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 2.15 हुई

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर,श्री पदमराज पद्मनाभन पिल्लई ने कहा, हम सहर्ष वित्त वर्ष 24 के मजबूत वित्तीय परिणाम की रिपोर्ट देते हैं, जो हमारी बाजार उपस्थिति और व्यूहात्मक निष्पादन को दर्शाती है. स्पर्धात्मक आर्थिक वातावरण के बावजूद हमने आय और लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है.

एनर्जी सक्षम पावर सॉल्यूशंस और आधुनिक बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम्स सहित हमारे सर्विस पोर्टफोलियो में उल्लेखनीय विस्तार के साथ हमारे विस्तृत इलेक्ट्रिकल, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) ने हमारी सफलता को आगे बढ़ाया है. मई , 2023 में एनएसई और बीएसई के मुख्य बोर्ड पर जाने से हमारी बाजार विजिबिलिटी और साख में वृद्धि हुई है.

वित्त वर्ष 24 में दोनों एबिटडा और शुद्ध लाभ में प्रभावशाली वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ हमारे वित्तीय आंकड़ों में पर्याप्त रूप से सुधार दिखाई दिया है. यह प्रदर्शन परिचालन कार्य कुशलता और लागत मैनेजमेंट के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. चौथी तिमाही विशेष रूप से मजबूत रही, जो स्पर्धात्मक वातावरण को अपनाने और उसमें टिके रहने की हमारी क्षमता को दर्शाती है.

कैस्ट्रॉल ने भारत में एज उत्पादों की नई रेंज लॉन्च की एसयूवी, हाइब्रिड और यूरोपीय वाहनों के लिए उच्च प्रदर्शन वाले लुब्रिकेंट पेश किए

मुंबई, एजेंसी। कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने आज कैस्ट्रॉल एज लाइन के तहत उत्पादों की एक नई रेंज लॉन्च की है। ऑन-डिमांड परफॉर्मेंस के लिए डिज़ाइन किए गए इस प्रीमियम और एडवांस इंजन ऑयल में अब पैसेंजर कार सेगमेंट के लिए तीन नए वैरिएंट मिलेंगे। ये नए वैरिएंट ऑटोमोटिव उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करेंगे।

इस लॉन्च का प्रचार एक प्रभावशाली टेलीविजन कमर्शियल कैंपेन द्वारा किया जा रहा है, जिसका शीर्षक स्टे अहेड है, जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार और ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान शामिल हैं। इस टीवी विज्ञापन का भव्य प्रीमियर 9 जून 2024 को बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान टी20 मैच के दौरान हुआ, जिसमें शाहरुख खान को एक नए और रोमांचक अवतार में दिखाया गया है। इसमें कैस्ट्रॉल एज का बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया गया है।

यह विज्ञापन बहुत चतुराई से आज की पैपराजी संस्कृति पर आधारित है। इसमें मशहूर हस्तियों को शटरबग्स से 'आगे रहने' के लिए नए-नए तरीके खोजते हुए दिखाया गया है। इस टीवी विज्ञापन का मुख्य संदेश यह है कि कैस्ट्रॉल एज में जरूरत के मुताबिक इंजन के प्रदर्शन

(परफॉर्मेंस) को बढ़ाने की क्षमता है, जिससे ड्राइवर किसी भी स्थिति और इलाके में इसके बेहतरीन प्रदर्शन पर भरोसा कर सकते हैं।

हास्यास्पद अंदाज में बनाई गई इस फिल्म में उन अनूठे तरीकों को दिखाया गया है, जिनसे शाहरुख जैसे सेलेब्स पैपराजी से दो कदम आगे रहते हैं।

कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट और मार्केटिंग हेड श्री रोहित तलवार ने कहा, हम शाहरुख खान के इस आकर्षक मल्टीमीडिया कैंपेन के साथ हाई परफॉर्मेंस कार लुब्रिकेंट्स की अपनी रेंज कैस्ट्रॉल एज को लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं। यह कैंपेन शाहरुख को खुद के रूप में पेश करता है, उनके जीवन के एक हिस्से को प्रदर्शित करता है, जहां ब्रांड वास्तव में उन्हें फायदा दे सकता है। कैस्ट्रॉल एज की शुरुआत के साथ, इनोवेशन पर हमारा फोकस भारत की कारों से बेहतर परफॉर्मेंस की बढ़ती मांग को पूरा करता है।

इस टीवी विज्ञापन के निर्माण पर चर्चा करते हुए, ओगिल्वी इंडिया के सीसीओ सुकेश नायक ने कहा, हमें कैस्ट्रॉल के लिए कुछ खास करना था। शाहरुख के साथ मिलकर हम उनकी रचनात्मक क्षमता को सबसे बेहतर रूप में दिखाना चाहते थे। फिर हमने खुद से सवाल किया, एसआरके को ऑन डिमांड परफॉर्मेंस की जरूरत क्यों है और यहीं से स्टे अहेड का विचार आया। यह सिर्फ एक टेलीविजन विज्ञापन नहीं है, बल्कि एक पूर्ण विकसित कैंपेन है, जिसमें मजेदार टीज़र, शाहरुख की पहली इमेज गैलरी, रोमांचक चेज़ और हास्य शामिल है। यह विज्ञापन निश्चित रूप से उपभोक्ताओं से जुड़ाव बनाने में मदद करेगा।

अमीन लखानी, चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर, माइंडशेयर साउथ एशिया ने कहा, ''कैस्ट्रॉल एवं एसआरके दो ऐसे आइकॉनिक ब्रांड्स हैं जिनका आकर्षण आज भी बरकरार है और इनका अलग-अलग दर्शक वर्गों एवं क्षेत्रों में अपना आकर्षण है। हमें इस ब्लॉकबस्टर कैंपेन में योगदान करके बेहद गर्व हो रहा है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड कोटक म्यूचुअल फंड)ने आज 10 जून 2024 को कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो विशेष स्थितियों की थीम पर आधारित है। यह स्कीम सब्सक्रिप्शन के लिए 10 जून, 2024 को खुल रही है और 24 जून, 2024 को बंद हो जाएगी।

यह फंड निवेशकों को विशेष परिस्थितियों की थीम पर निवेश करने का अवसर प्रदान करेगा। किसी अर्थव्यवस्था, इंडस्ट्री या कंपनी की यात्रा के दौरान कई चुनौतियां आती हैं। ये चुनौतियां अनिश्चितताओं को जन्म देती हैं और साथ ही कई अवसरों को भी जन्म देती हैं। कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड का लक्ष्य इन अवसरों का लाभ उठाना है। कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के साथ, केएमएएमसी का लक्ष्य अलग अलग विशेष स्थितियों जैसे कंपनी स्पेसिफिक घटनाओं, कॉरपोरेट रिस्ट्रक्चरिंग, सरकारी नीति में परिवर्तन, रेगुलेटरी बदलाव, टेक्नोलॉजी के कारण व्यवधान या अस्थायी लेकिन अनूठी चुनौतियों से गुजरने के दौरान फायदा लेने वाली कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी में बढ़ोतरी करना है।

बाल-श्रम की अंधी गलियों में बेहाल बचपन कब तक?

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

ललित गर्ग

बाल मजदूरी से बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता ही है, देश भी इससे अछूता नहीं रहता क्योंकि जो बच्चे काम करते हैं वे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हो जाते हैं और जब ये बच्चे शिक्षा ही नहीं लेंगे तो देश की बागडोर क्या खाक संभालेंगे? इस तरह एक स्वस्थ बाल मस्तिष्क विकृति की अंधेरी और संकरी गली में पहुँच जाता है और बाल-श्रमिक एवं अपराधी की श्रेणी में उसकी गिनती शुरू हो जाती हैं। ऐसा न हो इसके लिए आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों के बीच बर्फ-सी जमी संवादहीनता एवं संवेदनशीलता को फिर से पिघलाया जाये।

पूरी दुनिया में बाल श्रम एक ज्वलंत समस्या है, कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढ़ने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? बचपन इतना डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्या कारण है कि बचपन अपराध एवं बाल श्रम की अंधी गलियों में जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज और सरकार इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? यह प्रश्न विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। पूरी दुनिया में प्रत्येक वर्ष 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की पहल अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने की थी, जिसका मकसद बाल श्रम को रोकना था। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2024 की आधिकारिक थीम है- 'आइए अपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें-बाल श्रम समाप्त करें!' यह दिन जागरूकता बढ़ाने, परिवर्तन की वकालत करने तथा बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

मालूम हो कि इसको मनाने के पीछे एक खास वजह यह थी कि बच्चों को मजदूरी न कराकर उनको स्कूलों की ओर शिक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। मालूम हो कि बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। उनका यह बचपन रूपी भविष्य आज बाल श्रम के कारण नशे, अपराध एवं जटिलताओं की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। जब हम किसी गली, चौराहे, बाजार, सड़क और हाईवे से गुजरते हैं और किसी दुकान, कारखाने, रैस्टोरैंट या ढाबे पर 12-14 साल के बच्चे को टायर में हवा भरते, पंक्चर लगाते, चिमनी में मुंह से या नली में हवा फूंकते, जूठे बर्तन साफ करते, गारा उठाते, या खाना परोसते देखते हैं और जरा-सी भी कमी होने पर उसके मालिक से लेकर ग्राहक द्वारा गाली देने से लेकर, धकियाने, मारने-पीटने और दुर्व्यवहार होते देखते हैं तो अक्सर 'हमें क्या लेना है' या ज्यादा से ज्यादा मालिक से दबे शब्दों में उस मासूम पर थोड़ा रहम करने के लिए कहकर अपने रास्ते हो लेते हैं। लेकिन कब तक हम बचपन को इस तरह प्रताड़ित एवं उपेक्षा का शिकार होने देंगे।

बचपन से जुड़ी इस त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों पर

नियंत्रण के लिये, बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, पिछले दो दशकों से पूरी दुनिया में बाल श्रम को कम करने के लिए लगातार पहल की जा रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान संघर्षों, संकटों और कोरोना महामारी ने विश्व में कई परिवारों को गरीबी में धकेल दिया है, जिसके कारण लाखों बच्चों को बाल श्रम के लिए मजबूर होना पड़ा है। आज का बालक ही कल के समाज का सृजनहार बनेगा। बालक का नैतिक रूझान व अभिरूचि जैसी होगी निश्चित तौर पर भावी समाज भी वैसा ही बनेगा। आज दुनिया में 160 मिलियन बच्चे अभी भी बाल श्रम में लगे हुए हैं। यह दुनिया भर में लगभग दस में से एक बच्चा है। बाल श्रम के मामले में अफ्रीका सभी क्षेत्रों में सबसे ऊपर है। अफ्रीका और एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दुनिया भर में बाल श्रम में लगे हर दस बच्चों में से लगभग नौ बच्चे बाल-श्रमिक हैं। शेष बाल श्रमिक आबादी अमेरिका (11 मिलियन), यूरोप और मध्य एशिया (6 मिलियन) और अरब राज्यों (1 मिलियन) में विभाजित है। जबकि बाल श्रम में बच्चों का प्रतिशत निम्न आय वाले देशों में सबसे अधिक है, वास्तव में उनकी संख्या मध्यम आय वाले देशों में अधिक है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में 9 प्रतिशत बच्चे और उच्च-मध्यम आय वाले देशों में 7 प्रतिशत बच्चे बाल श्रम में हैं।

पिछले कुछ वर्षों में बाल श्रम को कम करने में बहुत प्रगति हुई है, हाल के वर्षों में वैश्विक रुझान उलट गए हैं और अब पहले से कहीं अधिक यह महत्वपूर्ण है कि सभी रूपों में बाल श्रम को समाप्त करने की दिशा में कार्रवाई में तेजी लाने के लिए मिलकर काम किया जाए। 2022 में बाल श्रम के उन्मूलन पर 5वें वैश्विक सम्मेलन के बाद प्रतिनिधियों द्वारा अपनाई गई डरबन कॉल टू एक्शन रास्ता दिखाती है। अब बाल श्रम के उन्मूलन को वास्तविकता बनाने का समय आ गया है। मालूम हो कि बाल श्रम का प्रमुख कारण गरीबी है, जिसके कारण बच्चों को पढ़ाई छोड़कर मजबूरी में मजदूरी का रास्ता चुनना पड़ता है। हालांकि, कई बच्चों को अपराध रैकेट द्वारा बाल श्रम के लिए मजबूर किया जाता है। भारत की बात करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार तो लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। इन बाल श्रमिकों में से 19 प्रतिशत के लगभग घरेलू नौकर हैं, ग्रामीण और असंगठित क्षेत्रों में तथा कृषि क्षेत्र से लगभग 80 प्रतिशत जुड़े हुए हैं। शेष अन्य क्षेत्रों में, बच्चों के अभिभावक ही बहुत थोड़े पैसों में उनको ऐसे ठेकेदारों के हाथ बेच देते हैं जो अपनी व्यवस्था के अनुसार उनको होटलों, कोठियों तथा अन्य कारखानों आदि में काम पर लगा देते हैं। उनके नियोक्ता बच्चों को थोड़ा सा खाना देकर मनमाना काम कराते हैं। 18 घंटे या उससे भी अधिक काम करना, आधे पेट भोजन और मनमाफिक काम न होने पर पिटाई यही उनका जीवन बन जाता है।

केवल घर का काम नहीं इन बालश्रमिकों को पटाखे बनाना, कालीन बुनना, वेल्डिंग करना, ताले बनाना, पीतल उद्योग में काम करना, कांच उद्योग, हीरा उद्योग, माचिस, बीड़ी बनाना, खेतों में काम करना (बैल की तरह), कोयले की खानों में, पत्थर खदानों में, सीमेंट उद्योग, दवा उद्योग में तथा होटलों व ढाबों में झूठे बर्तन धोना आदि सभी काम मालिक की मर्जी के अनुसार करने होते हैं। इन समस्त कार्यों के अतिरिक्त कूड़ा बीनना, पॉलीथिन की गंदी थैलियाँ चुनना, आदि अनेक कार्य हैं जहाँ ये बच्चे अपने बचपन को नहीं जीते, नरक भुगतते हैं परिवार का पेट पालते हैं। इनके बचपन के लिए न माँ की लोरियां हैं न पिता का दुलार, न खिलौने हैं, न स्कूल न बालदिवस। इनकी दुनिया सीमित है तो बस काम काम और काम, धीरे धीरे बीड़ी के अधजले टुकड़े उठाकर धुआं उड़ाना, यौन शोषण को खेल मानना इनकी नियति बन जाती है। इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं? बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं। बचपन बचाओ आंदोलन, चाइल्ड फंड, केयर इंडिया, तलाश एसोसिएशन, चाइल्ड राइट्स और ग्लोबल मार्च अगैंस्ट चाइल्ड लेबर आदि संस्थाओं ने बाल श्रम खत्म करने की दिशा में सार्थक पहल की है।

बाल मजदूरी से बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता ही है, देश भी इससे अछूता नहीं रहता क्योंकि जो बच्चे काम करते हैं वे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हो जाते हैं और जब ये बच्चे शिक्षा ही नहीं लेंगे तो देश की बागडोर क्या खाक संभालेंगे? इस तरह एक स्वस्थ बाल मस्तिष्क विकृति की अंधेरी और संकरी गली में पहुँच जाता है और बाल-श्रमिक एवं अपराधी की श्रेणी में उसकी गिनती शुरू हो जाती हैं। ऐसा न हो इसके लिए आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों के बीच बर्फ-सी जमी संवादहीनता एवं संवेदनशीलता को फिर से पिघलाया जाये। फिर से उनके बीच स्नेह, आत्मीयता और विश्वास का भरा-पूरा वातावरण पैदा किया जाए। सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के समुचित विकास के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। ताकि इस बिगड़ते बचपन और भटकते राष्ट्र के नव पीढ़ी के कर्णधारों का भाग्य और भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

संपादकीय

मंत्रिमंडल और गठबंधन दल

नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ले। तीसरी बार भी मोदी सरकार में उत्तर प्रदेश और बिहार का दबदबा दिखता है। हालांकि तकनीकी वजहों से इस सरकार को मोदी सरकार नहीं कह सकते हैं क्योंकि भाजपा को अकेले दम पर बहुमत हासिल नहीं हुआ है। बहरहाल, मंत्रिमंडल में इस बार 30 के करीब नए चेहरे शामिल किए गए हैं जबकि कई पुराने मंत्री इस बार बाहर कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 11 मंत्री तो बिहार से 8 मंत्री बनाए गए हैं। थोड़ा चकित करने वाली बात उत्तर प्रदेश को लेकर है क्योंकि पार्टी इस राज्य में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी, इसके बावजूद मंत्रिमंडल में उसकी हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। हां, बिहार के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि यहां 8 मंत्री इसलिए बनाया गया क्योंकि अगले वर्ष विधानसभा के चुनाव होने हैं। यानी कि राज्यों के चुनाव, जातिगत समीकरण और साझेदार दलों की जीत-हार का पैमाना; पूरे मंत्रिमंडल के गठन का आधार रहा है। केरल से भाजपा का पहली बार कोई सदस्य जीत कर लोक सभा पहुंचा है। लिहाजा इस जीत को प्रभावी मानकर पार्टी नेतृत्व ने वहां से जीतकर आए सुरेश गोपी को जगह दी है। दरअसल, पार्टी का विस्तार इस चार दक्षिण में बढ़ा है। यही वजह है कि उसे दशानें का कोई मौका पार्टी छोड़ना नहीं चाहती है। हालांकि दिल्ली की सभी सातों सीटों पर विजय हासिल करने के बावजूद आलाकमान ने वहां से महज एक सदस्य को मंत्री पद दिया है। कुल मिलाकर मंत्रिमंडल में साथी दलों का प्रभाव परिलक्षित होता है। अपने कई पुराने चेहरों को छुट्टी कर नए सदस्यों को मंत्री पद पर बिठाना और गठबंधन दलों के सदस्यों को तरजीह देना इसी ओर इशारा करती है। वैसे, सामाजिक समीकरण का मंत्रिमंडल में विशेष ध्यान रखा गया है। नए मंत्रियों में ओबीसी समुदाय के सबसे ज्यादा 27 मंत्री जबकि सवर्ण समुदाय से 25 मंत्री बनाए गए हैं। एससी, एसटी से जहां 14 लोगों को जगह दी गई है वहीं पांच अल्पसंख्यक मंत्री भी हैं। इस रणनीति को इसलिए तरजीह मिली क्योंकि सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी ने सामाजिक समीकरणों का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। अगले कुछेक महीने में तीन राज्यों-हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होंगे। उसी समय यह साफ-साफ पता चलेगा कि इनकी रणनीति सफल हुई है या नहीं।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

मँत्री केवल 'नाम' के: प्रधानमँत्री ही 'काम' के....?

ओमप्रकाश मेहता

भारत में सदियों बाद अब राजनीति एक अजीब मोड़ लेती नजर आ रही है, जब एक प्रधानमंत्री लोकतंत्र का जामा पहनकर कथित 'तानाशाही तंत्र' की लीक पर काम करेंगें, अब देश की सत्ता पूरी तरह प्रधानमंत्री पर ही केन्द्रीत रहेगी, उसमें न किसी अन्य राजनीति का दखल रहेगा और न स्वयं मोदी जी के मंत्रियों का। अर्थात 'प्रजातंत्र' का जामा पहनकर 'एकतंत्र' राज करेगा।

इस राजनीति के जन्मदाता भी स्वयं मोदी जी ही है, कहने को देश में चार दर्जन मंत्री रहेंगें, किंतु उन पर और उनके विभागों पर अपरोक्ष रूप से नियंत्रण प्रधानमंत्री का ही रहेगा। आज जिस तरह से मोदी ने भावी मंत्रियों को सम्बोधित किया और उन्हें उनके अपने प्रशासन का पाठ पढ़ाया उससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है, अब 'पीएमओ' का आदेश 'ईश्वर आदेश' होगा, जिसका ईमानदारी से परिपालन जरूरी होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अब तीसरा कार्यकाल शुरू हो रहा है, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू व इंदिरा जी के बाद मोदी जी तीसरे प्रधानमंत्री है, जिन्हें तीसरा कार्यकाल मिल रहा है, इन दिनों मोदी जी की प्रजातंत्रीय मजबूरी स्पष्ट नजर आ रही है, जब उन्हें लोकतंत्री परिपाटी का पालनकर मंत्रीमंडल का गठन कर सरकार चलाना पड़ रही है, वर्ना वे तो स्वयं अकेले ही इस देश को हर दृष्टि से सही रास्ते पर लाने का संकल्प ले चुके थे, खैर, अभी भी कोई खास गतिरोध नही है, वे अपने चार दर्जन मंत्रियों का 'कठपुतली' की तरह उपयोग कर 'एकतंत्री' शासन का नया 'लुक' प्रस्तुत करेंगें, जिससे कि प्रजातंत्रीय परम्पराओं का भी निर्वहन हो सके और उनकी अपनी मनोकामना भी पूरी हो सके, तीसरे शासन की शुरूआत में तो ऐसा ही कुछ परिलक्षित हो रहा है।

यहाँ यह भी उल्लेख जरूरी है कि मोदी जी अपने अकेले दल की नही बल्कि गठबंधन की सरकार के प्रधानमंत्री है, तो उनका यह प्रयास है, यदि अकेले उनके दल को बहुमत मिल जाता और उनकी सरकार में किसी और दल का दखल नही होता, तब क्या स्थिति होती? अब ऐसी राजनीतिक परिस्थिति में अपनी आकांक्षा के अनुरूप सरकार चलाना मोदी जी की 'राजनीतिक कारीगिरी' तो है ही?

आज उन्होंने अपनी शपथ के पूर्व दिन में संभावित मंत्रियों के साथ बैठक की तथा उन्हें अपनी भावनाओं, नीतियों व शासन प्रणाली के तौर तरीकों से अवगत कराया तथा कई तरह की हिदायतें भी दी, यद्यपि उनकी इन हिदायतों पर कोई स्पष्ट शब्दों में प्रतिक्रिया तो सामने नही आई किंतु गैर भाजपाई संभवित मंत्रियों की मुख मुद्रा इस सरकार का राजनीतिक भविष्य अवश्य प्रकट कर रही थी, प्रधानमंत्री ने अपने शासन काल के सपने भावी मंत्रियों के सामने परोसे और यह भी बताया कि वे अपनी तीसरी पारी में देश को किस शिखर तक पहुंचाना चाहते है, लेकिन इस दौरान भावी मंत्रियों के किसी भी चेहरे पर कोई विशेष संकल्प के दर्शन नही हो पा रहे थे।

अब सबसे अहम् सवाल यही है कि विभिन्न दलों के चार दर्जन मंत्री मोदी की भावना व संकल्पों को मूर्तरूप देने की दिशा में उनके सहयोगी बन पाएंगें? हर मंत्री चाहे वह किसी भी दल का हो, उसके अपने राजनीतिक सपने है, क्या उनके सपनों को मोदी जी के संकल्पों की छांव में मूर्तरूप मिल पाएगा? क्या वे पूरे समर्पण भाव से मोदी जी की इस दिशा में सहयोग कर पाएंगें? क्योंकि वे स्वयं जानते है कि उन्हें आज की स्थिति तक पहुंचने के लिए कितने 'पापड़ बेलना' पड़े है, इसलिए वे ऐसे राजनीतिक लाभ के अवसर को कभी भी अपने हाथों से जाने देना नही चाहेगें, फिर चाहे उनके राजनीतिक परिणाम जो भी हो?

इसलिए मोदी जी की बहुदलीय सरकार को लेकर अनेक सवाल खड़े किए जा रहे है।

विपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल

संजय गोस्वामी

चुनाव में हार जीत लगा रहता है, या तो सत्ता मिलती है या सत्ता जाती है जीवन का गहरा, सच्चा और स्थायी सुख कब दूसरों के सुख के लिए जीने से मिलता है किसी भी स्थिति के लिए जनता का फैसला सर्वमान्य होता है जिसे स्वीकार करना चाहिए सत्ता मिलने पर जाने का भय भी एक चुनौती होती है सत्ता ना मिलने पर चिंता नहीं करनी चाहिए, जनता की सेवा में लग जाना चाहिए क्योंकि दूसरों को सुख देनेवाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं हो सकता है। न हि कल्याणकृत कश्चित दुर्गतिं तात गच्छति (गीता) अर्थात दूसरों के सुख के लिए जीनेवाल व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होता है। अपना अपमान अथवा अपनी हानि करनेवालो के भी दुःख में सुख ढूँढनेवाला कभी सुखी नहीं हो सकता। जीवन का सत्कार करनेवाला सबसे प्रेम करता है, सबको यथाशक्ति, यथासम्भव सुख देने का प्रयत्न करता है। मानवमात्र के प्रति प्रेम करना ही मानव का सबसे बड़ा बल है। जीवन दीर्घ हो या लघु, महान होना चाहिए। सबसे प्रेम करनेवाला, सबको सुख पहुँचानेवाला व्यक्ति सबसे बड़ा है। अच्छी प्रकार जिया हुआ लघु जीवन निरर्थक दीर्घ जीवन की अपेक्षा अधिक अच्छा है। जब तक जीवन रहे, समस्त भय छोड़कर सबको सुख देते रहें। प्रभु से अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए प्रार्थना करें। दूसरों की मंगलकामना करे से अपना भी मंगल हो जाता है। सबके लिए जीनेवाला व्यक्ति मरकर भी अमर रहता है। दूसरों के लिए जीना, दूसरों के लिए प्रार्थना करना, दूसरों के सुख के लिए स्वयं दुःख उठाना, सच्चे सुख की सच्ची राह है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ समय के लिए अकारण ही मानसिक उदासी और उत्फुल्लता का दौर आता रहता है। उदासी के दौर में निराशा को घर करने न देना चाहिए तथा समझ लेना चाहिए कि वह दौर स्वयमेव निकल जायगा। उत्फुल्लता के दौर में किसी उत्तम कर्म में जुट जाना चाहिए। सब प्रकार के पश्चात्ताप छोड़ दें। भूलों पर पछतावा करते रहने से शक्ति कुण्ठित होती है। अपनी पुरानी भूलों को पाप की संज्ञा देकर अपने को पापी एवं कलंकित मान बैठना और आत्मग्लानि की दलदल में धँसे रहा महापाप है। भूतकाल को स्वप्न की भाँति मिथ्या समझकर उसके साथ अपना नाता तोड़ दीजिये और वर्तमान को उल्लासमय बनाने का सच्चा प्रयत्न कीजिए। भूल को स्वीकार करने से भूल का अन्त हो जाता है। सत्ता ना मिलने पर ये समझ लेना चाहिए जनता हमारे व्यवहार से दुःखी है और एक ही गलती को हम बार-बार दोहरा रहे हैं हाँ, सत्पुरुष अपनी भूल को स्वीकार करने में नहीं हिचकता है, क्योंकि भूल स्वीकार करने से मन हलका होता है तथा सुधार प्रारंभ हो जाता है। भूल मानते ही गलत पग को पीछे हटा लेना तथा भूल करते न रहना शूरवीर का काम है। आगे सँभलकर चलें और आगे बढ़ें। पूर्ण कौन है ? किससे कभी भूल नहीं होती ? कौन सदैव सफल होता है ? भूल अथवा विफलता हो गयी तो आत्मग्लानि की क्या बात है ? बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ। दूसरों के सामने रो-रोकर पुरानी भूलों के गीत गाने से भूलों के संस्कार दृढ़ होते हैं, शक्ति का ह्रास होता है तथा उत्साह का क्षय होता है। पुरानी भूलों के स्मरण में उलझे रहने से प्रगति ही अवरुद्ध हो जाती है।

सच्चा पछतावा वह है जो दोष को भस्म करके शीघ्र ही स्वयं भी विलुप्त हो जावे तथा आप भविष्य के लिए संकल्प लेकर शांत एवं शीतल हो जावें और तत्पश्चात् बार-बार भूलों को न याद करें, न दुःख मानें। ग्लैडस्टोन ने कहा था कि कोई मनुष्य बहुत-सी और बड़ी-बड़ी भूलें बिना किये हुए कभी बड़ा या भला नहीं बना। चुनाव हारने वाले दल, जो सरकार बनाने में असफल रहते हैं, विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं तथा वे सरकार के कामकाज, नीतियों तथा असफलताओं की आलोचना करने का महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं। वे तानाशाही सत्ता को अपनाने से सरकार को रोकते हैं। इसके लिए विरोधी दल सदन में कुछ विधियों का प्रयोग करते हैं जैसे - अविश्वास प्रस्ताव और ध्यानकर्षण। विधायिका से बाहर भी वे सरकार की संगठित आलोचना जारी रखते हैं। विरोधी पक्षों का काम विरोध करना, पोल खोलना तथा सत्ता से उतारना माना जाता है। इस प्रकार उनका उद्देश्य देश में एक बेहतर शासन सुनिश्चित करना होता है। महान गायत्रीसाधक आचार्य पं श्री राम शर्मा ने कहा है कि जिस शिक्षा में समाज और राष्ट्र की बात नहीं हो, वह सही नहीं कही जा सकती।अतः राष्ट्र सर्वोपरि है सभी दलों को राष्ट्र को ही हमेशा सबसे बड़ा है उसके प्रति ही सोचना चाहिए और ऐसा नहीं करना चाहिए जिससे सेना को अपमान सहना पड़े और पड़ोसी दोस्त जो हमारी पिठ में छुरा हो नहीं तलवार घोंप रहा हो वह राष्ट्रविरोधी बयान से खुश होविपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल है कारण अपने राज्य में कई दल उसके अलग हो कर चुनाव लड़ा है और आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार कांग्रेस के गठबंधन से हुई है ममता की पार्टी ने कांग्रेस खिलाफ लड़ा तभी 29सीट मिले और अब इण्डिया गठबंधन में भी है कमल की बात है. आज 20-30सीट वाली पार्टी प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रही है इतना मालूम होना चाहिए माननीय राष्ट्रपति पहले बड़े दल को ही सरकार को आमंत्रित करती है यानि जनादेश को भी देखना चाहिए की बड़ी पार्टी बीजेपी है जो 240सीट लाई है और बड़ी पार्टी है एन डी ए को 292 सीट मिली है यानि सरकार तो बनाना तय है और हुआ विपक्ष को 99सीट क्यों मिले इसपर गौर करना चाहिए।

मालिक , प्रकाशक और मुद्रक, सरवर जमाल ने आर० डी० प्रिंटस एण्ड पब्लीशर प्रा०लि० प्लाट नं०- 16-17 पाटलिपुत्रा इन्डस्टीयल एरिया रोड नं०-9 पटना - 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी ब्लाक रंजित रेसीडेन्सीज, साकेत पूरी, मछली गली, राजा बजार पटना पिन- 800014 से प्रकाशित किया। सम्पादकः शबाना प्रविन * पी.आर.बी.एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार। PRGI NO - BIHHIN/2023/86924, E-mail:newsindogulf730@gmail.com Mob--9472871824/8544031786 मैनेजिंग एडिटर : डा0 राजिव कुमार, सब एडिटर : डा0 नुतन कुमारी

पत्नी और बेटी के साथ नए घर में शिफ्ट होंगे वरुण

अभिनेता वरुण धवन हाल में हाल में ही पिता बने हैं। उनके घर बेटी के रूप में एक नई मेहमान आई है। बेटी के जन्म के बाद वरुण और नताशा ने घर बदलने का फैसला किया है। बेटी को खेलने के लिए नर्सरी या प्लेरूम जैसी सुविधा मिल सके, इसके लिए वह घर बदलकर दूसरी जगह शिफ्ट हो रहे हैं। उन्होंने बॉलीवुड के इस सुपरस्टार के घर को किराए पर लिया है।

ऋतिक रोशन वाले घर में किराए पर रहेंगे वरुण

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार कपल ने मुंबई के जुहू स्थित बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन का घर किराए पर लिया है। यह समुंदर के सामने वाला अपार्टमेंट है, जिसमें फिलहाल ऋतिक रहते हैं। ऋतिक जल्द ही इस घर से जुहू में ही दूसरे अपार्टमेंट में शिफ्ट होने वाले हैं। ऐसे में ऋतिक वाले अपार्टमेंट में आ जाने के बाद वरुण अभिनेता अक्षय कुमार और निर्माता साजिद नाडियाडवाला के पड़ोसी बन जाएंगे, जो एक ही बिल्डिंग में रहते हैं।

वीडियो साझा कर दी थी पिता बनने की जानकारी

बताते चलें कि वरुण और नताशा की बेटी का जन्म 3 जून को हुआ था। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर पिता बनने की जानकारी दी थी। इसमें वरुण का पालतू कुत्ता जॉय को एक प्लेकार्ड पकड़े दिखाई देता है, जिस पर वेलकम लिल सिस लिखा था। वीडियो को साझा करते हुए वरुण ने प्यारा सा कैप्शन भी लिखा था। उन्होंने लिखा था, हमारी बेटी यहां है, मां और बच्चे को शुभकामनाएं भेजने के लिए आपका धन्यवाद।

बेबी जॉन में दिखेगा वरुण का एक्शन अवतार

वरुण धवन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण फिलहाल अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन को लेकर व्यस्त हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन ए कालीस्वरन कर रहे हैं। इसके अलावा वह हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण में अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु के साथ भी नजर आएंगे। यह रुसो ब्रदर्स की इसी नाम की सीरीज का भारतीय रूपांतरण है। इसके अलावा वह सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी काम कर रहे हैं।

मनीषा कोइराला ने निजी जीवन के बारे में किया खुलासा

मनीषा कोइराला और संजय लीला भंसाली पहले 1996 में फिल्म खामोशी में काम कर चुके हैं। बतौर निर्देशक यह संजय की पहली फिल्म थी। अब जब संजय ने पहली वेब सीरीज हीरामंडी बनाई तो उसमें भी मनीषा कोइराला ने अहम किरदार निभाया है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि मनीषा ने संजय लीला भंसाली की पहली ओटीटी वेब सीरीज हीरामंडी में दमदार अभिनय किया। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर 1 मई को रिलीज हुई थी। वेब सीरीज हीरामंडी में मनीषा ने मुख्य वेश्या मल्लिकाजान की भूमिका निभाई है। उनका अभिनय दर्शकों को बेहद पसंद आया।

मनीषा ने हाल ही में उस समय के बारे में बताया जब उन्हें कैंसर का पता चला था और उसके बाद उनका जीवन कैसे बदल गया। मनीषा ने कहा, मेरे जीवन में कहीं न कहीं कुछ अधूरी चीजें रही हैं। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आप अपनी वास्तविकता को स्वीकार करने लगते हैं। ऐसे बहुत सारे सपने हैं, जिनके बारे में आपको लगता है कि वह कभी पूरे नहीं हो पाएंगे, और आप इसी बात के साथ संतुष्ट हो जाते हो। मातृत्व उनमें से एक है। ओवेरियन कैंसर का होना और कभी मां न बन पाना काफी कठिन था, लेकिन मैंने इसके साथ शांति बना ली। और मैंने कहा जो हो गया सो हो गया और मुझे वो सबकुछ करना चाहिए जिसमें मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर सकती हूं।

हीरामंडी में काम करके बेहद खुश हैं मनीषा

मनीषा ने कहा, वेब सीजी हीरामंडी मेरे जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। 53 साल की अभिनेत्री के रूप में, जिसने एक हाई-प्रोफाइल वेब सीरीज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ओटीटी प्लेटफॉर्म और बदलते दर्शकों के प्रोफाइल के कारण महत्वहीन भूमिकाएं निभाने में नहीं फंसी हूं। मैं इस विकसित युग का हिस्सा बनने के लिए खुद को भाग्यशाली समझती हूं।

बड़े पर्दे पर दुलकर सलमान से भिड़ेंगे शिवकार्तिकेयन?

साउथ सिनेमा की कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने के लिए कतार में हैं। अब ऐसी अफवाहें हैं कि तमिल अभिनेता शिवकार्तिकेयन और मलयालम अभिनेता दुलकर सलमान की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर होने की संभावना है। दरअसल, दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर की रिलीज की तारीख का खुलासा पहले से हो चुका है। यह फिल्म 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। इससे पहले इस फिल्म की टक्कर पवन कल्याण की ओजी से होने की संभावना थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

अमरन से होगी लकी भास्कर की टक्कर

अब यह साफ हो चुका है कि पवन कल्याण की फिल्म ओजी 27 सितंबर को नहीं आ रही है और इसलिए उस तारीख पर अब दुलकर सलमान की फिल्म का कब्जा है। मूल रूप से तेलुगु में शूट की गई यह फिल्म बहुभाषी रिलीज होगी। हालांकि, अब एक नई चर्चा शुरू हो गई है। भले ही पवन कल्याण की फिल्म से दुलकर की फिल्म की टक्कर न हो, लेकिन शिवकार्तिकेयन की बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म अमरन से कड़ी टक्कर मिल सकती है। कॉलीवुड फिल्म जगत में चर्चा है कि शिवकार्तिकेयन की अमरन अलग-अलग भाषाओं में उसी तारीख यानी 27 सितंबर को रिलीज हो रही है। हालांकि, रिलीज की तारीख के बारे में आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

वेब सीरीज दलदल में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगी भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर जल्द ही वेब सीरीज दलदल में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात की। वेब सीरीज दलदल में भूमि पेडनेकर एक पुलिस अधिकारी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भूमि पेडनेकर ने अपने किरदार को एक सुपर अचीवर और ग्लास-सीलिंग ब्रेकर के रूप में बताया है, जो पुरुष-प्रधान दुनिया में अपने नियम खुद लिखती है। भूमि पेडनेकर ने कहा, दलदल एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो एक महिला होने के सभी गुणों को समेटे हुए है। रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली महिला है। मैं इस तरह की महिलाओं को अपना आदर्श मानती हूं। मैं प्राइम वीडियो जैसे ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इस तरह की सीरीज के लिए रोमांचित हूं, जो मुझे दुनिया को भारतीय महिलाओं की ताकत और मजबूती दिखाने में मदद करेगा। भूमि पेडनेकर ने कई कारणों से दलदल को अपने सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक बताया है। एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इसमें बिना किसी संदेह के उनकी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है।

पूजा के कहने पर भट्ट साहब ने कलयुग के बाद मुझे कास्ट नहीं किया

अभिनेत्री स्माइली सूरी इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने ने ओटीटी की दुनिया में वापसी की है। उनके शो हाउस ऑफ लाइज को दर्शक काफी पसंद भी कर रहे हैं। ये उनका पहला ओटीटी शो है। इससे पहले वे कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने करियर और निजी जिंदगी के बारे में बातें करती नजर आईं।

भट्ट साहब ने बेटी की बात सुनीं

स्माइली सूरी काफी लंबे समय के बाद एक बार फिर से अभिनय की दुनिया में लौट आई हैं। फिल्म कलयुग से डेब्यू करने वाली स्माइली सूरी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं, मैं कलयुग के बाद भी महेश भट्ट साहब के साथ काम करना चाहती थी। वे भी मेरे साथ काम करने को उत्सुक थे, लेकिन पूजा भट्ट नहीं चाहती थी कि मैं महेश भट्ट की फिल्मों में काम करूं। यही वजह थी कि कलयुग के बाद भट्ट साहब ने मुझे अपनी फिल्मों में कास्ट नहीं किया। मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी बेटी की बात सुनी।

हॉलिडे से निकाला

स्माइली सूरी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, पूजा ने मुझे अपनी पहली फिल्म हॉलिडे से बाहर कर दिया था। खैर मुझे इस बात की खुशी है कि उसी वजह से मुझे कलयुग में काम करने का मौका मिला। कलयुग में लोगों को मेरा काम काफी पसंद आया और फिल्म हिट हुई थी। उन दिनों एक अखबार में पूजा मेरे लिए काफी कुछ लिखा करती थीं। मुझे वह सब पढ़कर दुख होता था और मैं सेट पर आने के बाद खुद को कमरे में बंद कर लेती थी। वह वक्त मेरे लिए काफी कठिन था, लेकिन मैंने उस दौरान काफी कुछ सीखा।

बिग बॉस ओटीटी 3 का हिस्सा बनी सना मकबूल खान

टीवी पर बिग बॉस का राज तो चलता ही है, ओटीटी पर भी इसका डंका बजता है। फैंस बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 का इंतजार कर रहे हैं। इस बार होस्ट सलमान खान नहीं, बल्कि झक्कास अनिल कपूर होंगे। शो 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। कंटेस्टेंट्स के नाम की चर्चा हो रही है। मेकर्स बड़े-बड़े स्टार्स को अप्रोच कर रहे हैं। अहाना देओल, त्रिशाला दत्त, तनुश्री दत्ता, नुपूर सेनन के अलावा वड़ा-पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित, रियाज अली और शिवांगी जोशी तक के नाम सामने आ रहे हैं। इस लिस्ट में सना मकबूल खान का नाम भी शामिल है, जो तीन साल बाद टीवी पर वापसी कर रही है। उन्हें पिछली बार 2019 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 11 में देखा गया था। 13 जून 1993 को मुंबई जन्मी सना 25 साल की हैं। उनकी मां मलयाली हैं। उन्होंने 2014 में तेलुगू मूवी से डेब्यू किया। इसके अलावा वो टीवी शो ईशान- सपनों की आवाज दे (2010) में भी थीं। और इससे एक साल पहले 2009 में वो रिएलिटी शो स्कूटी टीन दीवा में दिखीं। 2012 में फेमिना मिस इंडिया में हिस्सा लिया और ब्युटीफुल स्माइल का अवॉर्ड अपने नाम किया। सना को कितनी मोहब्बत है 2, इस प्यार को क्या नाम दूं, अर्जुन, आदत से मजबूर और खतरों के खिलाड़ी 11 में देखा जा चुका है। सूत्रों ने बताया - सना और अरमान मलिक को साइन कर लिया गया है। हम कंटेस्टेंट्स से बातचीत कर रहे हैं और उम्मीद है कि कुछ हफ्तों में लिस्ट फाइनल हो जाएगी। ये शो 21 जून से शुरू होगा और 19-20 जून को कंटेस्टेंट्स घर में एंट्री करेंगे। सना ने हाल ही में एक्टर और बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट रहे विशाल आदित्य सिंह के साथ एक छोटा-सा वीडियो शेयर किया है। इसमें मोहब्बत की दिल छू लेने वाली कहानी दिखाई गई है। इसका नाम है परवाह।

अवनीत फिर से हुई ट्रोल लोग बोले- उर्फी की नकल करना बंद कीजिए

अवनीत कौर अपने करियर से ज्यादा अक्सर अपने लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में अवनीत कौर कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं। आज अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरों को अपने फैंस के संग साझा किया है। अवनीत कौर के फैंस को उनका यह लुक काफी पसंद आ रहा है वहीं कुछ यूजर्स अवनीत कौर को ट्रोल कर रहे हैं, एक यूजर ने लिखा है, ये बैंडेड पट्टी वाली ड्रेस में फोटो डालना बंद कीजिए। एक अन्य यूजर ने लिखा है, कब तक उर्फी को कॉपी करेंगी।

मेरी आंखों में आंसू थे, पंत को लेकर दिग्गज खिलाड़ी ने किया बड़ा खुलासा

न्यूयॉर्क

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टी20 विश्व कप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित कर रहे हैं। पंत ने लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी की है। पंत दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे उबरने में उन्हें लंबा समय लगा था। अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने पंत को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। शास्त्री ने बताया कि जब उन्होंने पंत के दुर्घटना में घायल होने की खबर पढ़ी तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

पंत को अस्पताल में देखकर काफी बुरा लगा था

शास्त्री ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, %जब मैंने उसकी कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे। जब मैंने उसे अस्पताल में देखा तो मुझे और भी खराब लग रहा था। वहां से आपका वापसी करना और भारत बनाम पाकिस्तान जैसे बड़े मैच में शीर्ष स्तर पर वापसी करना शानदार है।% पंत 30 दिसंबर 2022 में हुई इस कार दुर्घटना में बाल बाल बचे और गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एक साल तक रिहैबिलिटेशन के बाद पंत ने इस साल आईपीएल से पेशेवर क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिए इस महीने भारतीय टीम में वापसी की।

शास्त्री ने की पंत की सराहना

शास्त्री ने कहा, आप बल्लेबाजी में कितने माहिर हो सभी आपके एक्स फैक्टर से वाकिफ हैं। लेकिन आपकी विकेटकीपिंग और वापसी के बाद इतनी जल्दी मूवमेंट हासिल करना इस बात का सबूत है कि आपने इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत की है। यह सिर्फ आपके लिए नहीं बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है कि आप कठिन समय से निकलकर जीत हासिल कर सकते हो। बहुत बढ़िया, शानदार। अच्छा काम जारी रखो और आगे बढ़ते रहो। आज सभी बहुत अच्छा खेले।

भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की थी। पंत ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और 31 गेंदों पर छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाए थे।

संक्षिप्त समाचार

क्लासेन-मिलर ने तोड़ा कोहली-पांड्या का रिकॉर्ड, बाउचर-एल्बी भी छूटे पीछे

न्यूयॉर्क

टी20 विश्व कप 2024 का 21वां मैच गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ चार रनों से जीत लिया। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन बनाए।टी20 विश्व कप 2024 में यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत है। ग्रुप डी की अंक तालिका में टीम फिलहाल पहले स्थान पर है। उनके खाते में छह अंक हैं। वहीं, बांग्लादेश को दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका को हराया था। फिलहाल वह तालिका में दो अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में 113 रन बनाए। यह उनका टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2007 में टीम ने भारत के खिलाफ 20 ओवर में नौ विकेट पर 116 रन बनाए थे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका सबसे कम स्कोर का बचाव करने वाली पांचवीं टीम बन गई है। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को द. अफ्रीका के गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते देखा गया। इस मैच में एनरिक नॉर्त्जे ने कहर बरपाया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में 4.25 के इकोनॉमी रेट से सिर्फ 17 रन खर्च किए और दो विकेट हासिल किए। 30 वर्षीय गेंदबाज ने आठवें ओवर में शाकिब अल हसन (तीन) और नाजमुल हसन शांतो (14) का विकेट चटकाया। तेज गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने नौ विकेट चटकाए हैं। इस मामले में वह अजंता मेंडिस से पीछे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में 13 विकेट हासिल किए।

मांजरेकर ने बांधे बुमराह की तारीफों के पुल, विराट कोहली को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली- भारत को रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान पर मिली जीत के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना की, जबकि विराट कोहली पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर भारतीय मीडिया पर तंज कसा। भारत ने उस मुकाबले में पाकिस्तान को छह रन से हराया था और 119 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया था। बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने भारतीय टीम के पक्ष में मैच को मोड़ दिया था। बुमराह ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी आक्रमण को लड़खड़ा दिया था और भारत की जीत सुनिश्चित की थी। मांजरेकर ने बुमराह के प्रयास को सराहा, जबकि इस बात पर सवाल खड़े किए कि जहां बुमराह भारत के लिए मजबूत कड़ी साबित हो रहे हैं, वहीं मीडिया का ध्यान कोहली पर है।

आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

नई दिल्ली

ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है।

छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है।

आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें।

आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों।डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा। उन्होंने कहा, +हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

भारत से हार पर भड़के शोएब मलिक

बाबर आजम से कहा- तुम्हारा दिमाग कब काम करेगा, कप्तानी छोड़ दो

करांची (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान के अनुभवी क्रिकेटर शोएब मलिक ने अपने पूर्व साथी बाबर आजम पर निशाना साधा है। मलिक ने कहा कि बाबर आजम को टी20आई कप्तान का पद छोड़ देना चाहिए।

मलिक ने अभी तक आधिकारिक तौर पर टी20आई प्रारूप से संन्यास नहीं लिया है, ने पाकिस्तान की ओर से विशेषकर वर्तमान कप्तान के लिए कुछ कठोर शब्द आरक्षित रखे थे। मलिक ने कहा कि बाबर को कप्तानी से हटा देना चाहिए क्योंकि वह एक बल्लेबाज के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर सकते। पाकिस्तान रविवार 9 जून को भारत के खिलाफ मैच की दूसरी पारी में हार गया जिससे न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 120 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो गया। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान समेत पूरी बैटिंग लाइन-अप फेल हो गई और पाकिस्तान 6 रन से मैच हार गया। शोएब मलिक ने कहा, मैं काफी समय से कह रहा हूं, कृपया कप्तानी छोड़ दें। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं और आप अपना क्लास तभी दिखा पाएंगे जब आपके ऊपर अतिरिक्त जिम्मेदारियां नहीं होंगी। अगर बाबर कप्तानी से दूर रहते हैं, तो ऐसा होगा। उनके लिए अच्छा है। शोएब मलिक ने तकनीकी रूप से गलत पारी खेलने के लिए बाबर की आलोचना की और पूछा कि कठिन परिस्थितियों में बाबर का दिमाग कब काम करेगा। उन्होंने कहा, लोग बाबर और रिजवान के स्ट्राइक रेट के खारे में बात करते रहते हैं, इसलिए आप सईम अयूब को लाए। कल, यह 120 का पीछा था, आप कल अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने की कोशिश क्यों कर रहे थे? मंच हर तरह से तैयार किया गया था। यदि एक नेता के रूप में और एक बल्लेबाज, इस तरह की स्थितियों में आपका दिमाग सक्रिय नहीं होता है तो ऐसा कब होगा? मैं आज यह कहने के लिए मजबूर हूं कि टी20आई प्रारूप में इस टीम के मूल खिलाड़ी का समर्थन करना बंद करना होगा। पाकिस्तान भारी परेशानी में है और उसे टी20 विश्व कप 2024 में बने रहने के लिए अपने अंतिम दो मैच बड़े अंतर से जीतने की जरूरत है क्योंकि भारत से पहले पाकिस्तान को अमेरिका से भी हार का सामना करना पड़ा था।

बांग्लादेश की हार के बाद अंपायर के फैसले पर उठे सवाल

न्यूयॉर्क

बांग्लादेश को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से जहां दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ के लिए लगभग अपनी जगह पक्की कर ली है, वहीं बांग्लादेश के लिए आगे की राह कठिन हो गई है। बांग्लादेश की हार के बाद अंपायर के फैसले पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। दरअसल, बांग्लादेश की पारी के दौरान अंपायर ने महमूदुल्लाह को एलबीडब्ल्यू आउट करार दिया था, लेकिन बांग्लादेश ने डीआरएस लिया और फैसला फ्लट गया। हालांकि, अंपायर के आउट देने के कारण गेंद डेड करार दी गई जिससे उस गेंद पर मिला रन बांग्लादेश के खाते में नहीं जुड़ सका।

क्या था पूरा मामला

बांग्लादेश की पारी के 17वें ओवर के दौरान ओटेनील बार्टमैन की गेंद महमूदुल्लाह के पैर से लगते हुए चौके के लिए गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस पर एलबीडब्ल्यू की अपील की और अंपायर ने आउट करार दिया। बांग्लादेश ने फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया और तीसरे अंपायर ने महमूदुल्लाह को नॉटआउट करार दिया। चूंकि अंपायर ने आउट दिया था इसलिए इस गेंद को डेड बॉल करार दिया गया जिस कारण बांग्लादेश को वो चार नहीं मिले और अंत में बांग्लादेश की हार का अंतर भी चार रन का ही रहा।

'खो खो' गुमनामी से अंतर्राष्ट्रीय शिखर तक : सुधांशु मित्तल

नईदिल्ली (एजेंसी)। पीछा करने के सदियों पुराने रोमांचक खेल 'खो खो' की जड़ें भारतीय पौराणिक कथाओं में हैं और यह खेल प्राचीन काल से प्राकृतिक घास या मैदान में नियमित रूप से पूरे भारत में खेला जाता है। 'खो' मराठी शब्द है जिसका अर्थ है जाओ और पीछा करो। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों द्वारा खेले जाने वाला 'खो खो' प्राचीन भारत का पारंपरिक खेल माना जाता है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में कबड्डी के बाद दूसरा रोमांचक टैग गेम है। 'खो खो' की उत्पत्ति भारत में मानी जाती है। इतिहास में इसका वर्णन मौर्य शासनकाल (चौथी ईसा पूर्व) में मिलता है। 'खो खो' खेल का वर्णन महाभारत काल में भी किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि महाभारत काल में 'खो खो' रथ पर खेला जाता था जहां प्रतिद्वंद्वी रथ पर सवार होकर एक-दूसरे का पीछा करते थे, जिसे 'रथेरा' कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि महाभारत युद्ध के 13वें दिन गुरु द्रोणाचार्य द्वारा बनाए गए चक्रव्यूह में प्रवेश करने के लिए अभिमन्यु ने 'खो खो' में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति का उपयोग किया था और 'खो खो' के कौशल का उपयोग करके कौरव वंश को भारी नुकसान पहुँचाया था।

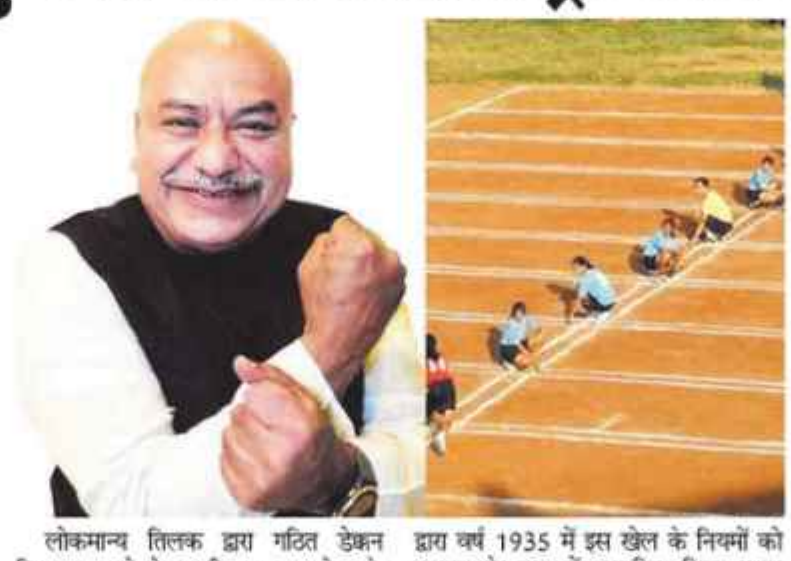

लोकमान्य तिलक द्वारा गठित डेक्कन जिमखाना पुणे ने पहली बार इस खेल के विधिवत नियम तय किए। वर्ष 1923-24 में इंटर स्कूल स्पोर्ट्स कम्पटीशन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से ग्रामीण स्तर पर 'खो खो' को लोकप्रिय करने के लिए कदम उठाए गए। वर्ष 1928 में भारत की पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए गठित 'अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षण मंडल' द्वारा वर्ष 1935 में इस खेल के नियमों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया। आधुनिक काल में 'खो खो' खेल को महाराष्ट्र के अमरावती के हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के तत्वाधान में सबसे पहले 1936 के बर्लिन ओलंपिक्स में प्रदर्शित किया गया था तथा इस खेल को अडोल्फ हिटलर ने जमकर सराहा। वर्ष 1938 में अखिल महाराष्ट्र शारीरिक शिक्षण मंडल ने 'खो खो' खेल की दूसरी नियम पुस्तिका प्रकाशित की। इसी वर्ष अकोला में इंटर जोनल स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया।

आज 'खो खो' भारत के सभी राज्यों में खेली जाती है तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 'खो खो' की अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। आजादी के बाद भारतीय खेलों को प्रोत्साहन देने के अंतर्गत 1955-56 में 'अखिल भारतीय खो-खो मंडल' की स्थापना की गई। पुरुषों की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन 25 दिसंबर 1959 से 01 जनवरी 1960 को आयोजित किया गया जबकि महिलाओं की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 13 से 16 अप्रैल 1961 को आयोजित की गई। वर्ष 1964 में इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित 5वीं नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में व्यक्तिगत पुरस्कार शुरू किए गए। वर्ष 1966 में 'खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया' की स्थापना की गई तथा वर्ष 1970 में किशोर लड़कों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जबकि वर्ष 1974 में किशोर लड़कियों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। 1982 में दिल्ली में आयोजित 9वीं एशियाई खेलों में खो-खो का डेमोंस्ट्रेशन मैच आयोजित किया गया। वर्ष 1987 में कोलकाता में आयोजित तीसरी साउथ एशियाई खेलों में खो-खो खेल को प्रदर्शित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पहली बार वर्ष 1996 में 'खो खो' की पहली एशियाई खो-खो चैंपियनशिप आयोजित की गई, जिससे 'खो खो' को अंतर्राष्ट्रीय खेल के रूप में लोकप्रियता मिली, जिससे आज यह खेल 36 से अधिक देशों में खेला जाता है। वर्ष 1998 में पहला नेता जी सुभाष गोल्ड कप इंटरनेशनल खो-खो टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। 'खो-खो' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए जुलाई 2018 में 'इंटरनेशनल खो-खो फेडरेशन' का गठन किया गया जिसका हेडक्वार्टर लंदन में है। लंदन में पहली इंटरनेशनल खो-खो चैंपियनशिप वर्ष 2018 में आयोजित की गई।

आज 'खो खो' भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से खेला जाने वाला खेल है। यह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का हिस्सा है जिसमें लगभग 20 देशों की राष्ट्रीय खो-खो टीमें हैं। ऐसे गौरवशाली इतिहास के साथ खो-खो की लोकप्रियता आने वाले वर्षों में भी बढ़ती रहेगी।

टी20 विश्व कप में गेंदबाज कर रहे मैचों का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हो रहे टी-20 विश्वकप में पिचों के मिजाज को देखते हुए इस बार अभी तक खेले गये लीग मैचों में बल्ले की जगह गेंद का जलवा दिख रहा है और गेंदबाज कर रहे मैचों का फैसला। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज सैकड़े तक नहीं पहुंच सका है। फिर चाहे कमजोर टीम के साथ मुकाबला रहा हो या धुरंधर के साथ। सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है।

भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट चटका कर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्टनील बार्टमैन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन बीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

टी-20 विश्वकप में कुल सात गेंदबाज को सबसे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि हासिल है, जिसमें चार गेंदबाज एशिया से हैं। वर्ष 2007 और 2009 में पाकिस्तान के उमर गुल, साल 2021 और 2022 में श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा दो ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में दो बार सबसे अधिक विकेट हासिल करने की उपब्लब्धि हासिल थी। टी-20 विश्वकप 2024 की शुरुआत और जून से हुई है और इसका फाइनल 29 जून को केनसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनेंगे संग्राम सिंह

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन संग्राम सिंह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनने के लिए तैयार हैं। संग्राम महिला पहलवान पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बनेंगे। मंगलवार को यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार संग्राम ने कहा, 'कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी मुझे उनका समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा, 'एमएमए खेल का भविष्य है और पिछले कुछ वर्षों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता पूरी कहानी बयां करती है। भारत में इसको देखने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है और मुझे उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक मेरा समर्थन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ईयू अधिकारी ने जयशंकर को दी बधाई

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय संघ के मानवाधिकार उपाध्यक्ष जोसेप बोरेल फोंटेल्स ने कहा कि डॉ. एस. जयशंकर को मोदी सरकार में विदेश मंत्री के रूप में फिर से नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं व्यापार, हरित और डिजिटल बदलाव, कनेक्टिविटी और सुरक्षा एवं रक्षा में हमारे सहयोग का विस्तार करने के लिए यूरोपीय संघ-भारत रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं।

अदन की खाड़ी में नाव पलटने से 38 लोगों की मौत

रुदुम, एजेंसी। यमन के अदन के पास नाव पलटने से हॉर्न ऑफ अफ्रीका से आ रहे अड़तीस प्रवासियों की मौत की खबर सामने आई है। स्थानीय अधिकारी और प्रत्यक्षदर्शियों ने इस मामले में जानकारी दी थी। रुदुम जिले के निदेशक हादी अल-खुरमा ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नाव अदन के पूर्व में शबवा गवर्नरेट के तट पर पहुंचने से पहले ही डूब गई। हादसे के दौरान वहां मौजूद मछुआरों और निवासियों ने नाव में सवार 78 लोगों को तो बचा लिया बावजूद इसके 100 लोग अभी भी लापता हैं, वो सभी उसी नाव पर सवार थे। हादी अल-खुरमा ने बताया कि लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय भारत को लौटाएगा 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन का प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय संत तिरुमनकई अलवर की 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत को लौटाने पर सहमत हो गया है। यह प्रतिमा 60 सेमी ऊंची है। माना जाता है कि यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हुई थी। इस साल 11 मार्च को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने एशमोलियन संग्रालय से संत तिरुमनकई की 16वीं शताब्दी की कांस्य मूर्ति की वापसी के लिए भारतीय उच्चायोग के दावे का समर्थन किया। यह मूर्ति 1967 से संग्रहालय में रखी हुई है। इसे म्यूजियम ने एक नीलामी के बाद हासिल किया था। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय ने कहा, अब चैरिटी आयोग से इस फैसले की मंजूरी ली जाएगी। संग्रहालय का कहना है कि उसे पिछले साल नवंबर में एक स्वतंत्र शोधकर्ता द्वारा प्राचीन मूर्ति की उत्पत्ति के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसके बाद उसने भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया था। उसे भारत सरकार से मूर्ति के लिए औपचारिक अनुरोध मिला था। एशमोलियन संग्रालय में दुनिया की कुछ सबसे प्रसिद्ध कला और पुरातत्व कलाकृतियां हैं। संग्रालय का कहना है कि उसने 1967 में अच्छे विश्वास के साथ संत तिरुमनकई की मूर्ति हासिल की थी। संग्रहालय ने मूर्ति को सोथबी के नीलामी घर से डॉ. जेआर. बेलमोंट नामक एक संग्रहकर्ता के संग्रह से हासिल किया था। बता दें कि चोरी की गई भारतीय कलाकृतियों को ब्रिटेन से भारत में पुनर्स्थापित किए जाने के कई उदाहरण हैं। पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश से उत्पन्न एक चूना पत्थर की नक्काशीदार राहत मूर्तिकला, 17वीं शताब्दी में तमिलनाडु से आई एक नवनीता कृष्ण कांस्य मूर्ति को भी भारत पुनर्स्थापित किया गया। स्कॉटलैंड यार्ड की कला और प्राचीन वस्तुएं इकाई से जुड़ी संयुक्त यूएस-यूके जांच के बाद दोनों मूर्तियों को यूके में भारतीय उच्चायुक्त को सौंप दिया गया था।

एआई की दौड़ में आगे निकलने को एपल तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी। दिग्गज टेक कंपनी एपल वार्षिक वर्ल्ड वाइड डेवलपर्स सम्मेलन (एपल डब्लूडब्ल्यूडीसी 2024) में जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीएआई) क्षेत्र में आगे बढ़ने को तैयार है। आईफोन से सम्मेलन में बड़ी घोषणा की उम्मीद है। माना जा रहा है कि कई नए फीचर्स के अलावा एआई पर कंपनी का बड़ा फोकस होगा। यह वर्चुअल असिस्टेंट सिरी को अधिक स्मार्ट बनाने व फोटो, टेक्स्टिंग तथा तुरंत इमोजी भी बना देगा।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 आंकी गई।

चीन के पब्लिक पार्क में 4 अमेरिकी प्रशिक्षकों पर चाकू से जानलेवा हमला

बीजिंग, एजेंसी।

चीन की शिक्षण यात्रा के दौरान अमेरिका के आयोवा कॉलेज के चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल हो गए। उनके स्कूल और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा आयोवा के माउंट वर्नोन में एक निजी उदार कला महाविद्यालय, कॉर्नेल कॉलेज के चार प्रशिक्षक सार्वजनिक पार्क में सैर कर रहे थे कि उन पर चाकू से हमला कर दिया गया जिसमें वे घायल हो गएथ स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने एक बयान में हमले की पुष्टि की है। सामूहिक चाकूबाजी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, कई लोगों को संदेह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से ऐसा हुआ है। कॉर्नेल के अध्यक्ष, जोनाथन ब्रांड नेकहा कि हमें पता चला है कि चीन में एक यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी के तहत पढ़ाने वाले चार कॉर्नेल प्रशिक्षक एक गंभीर घटना में घायल हो गए हैं। हम सभी चार प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और इस दौरान उनकी सहायता कर रहे हैं।

कॉर्नेल का फैकल्टी एक्सचेंज पार्टनरशिप प्रोग्राम के तहत शिक्षण के लिए आए इन प्रशिक्षकों पर पूर्वोत्तर चीनी शहर जिलिन में हमला हुआ। इस दौरान उनके साथ स्कूल के चीनी साझेदार संस्थान, बेहुआ विश्वविद्यालय के एक संकाय सदस्य भी थे। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी रिपोर्टों से अवगत हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर तक, चीनी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया।आयोवा राज्य प्रतिनिधि एडम ज़ुबनेर ने पुष्टि की कि उनके भाई, डेविड ज़ुबनेर, पीड़ितों में से एक थे। उन्होंने कहा कि उनके भाई के हाथ में चाकू लगने से टांके लगे हैं और वह अस्पताल में भर्ती है । एडम जैबनर ने कहाडेविड जैबनर, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र हैं, जो कॉर्नेल कॉलेज के पूर्व छात्र हैं और पहले वहां व्याख्यान दे चुके हैं, उन्होंने पहले भी एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया था और इस साल वापस लौटे हैं ।अन्य पीड़ितों जिनकी अभी तक सार्वजनिक रूप से पहचान नहीं की गई है, की स्थिति के बारे में विवरण नहीं मिला है।

यह भी स्पष्ट नहीं था कि शिक्षकों को निशाना बनाया गया था या उन पर बेतरतीब ढंग से हमला किया गया था।आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने एक्स पर कहा कि वह इस भयानक हमले के जवाब में आयोवा के संघीय प्रतिनिधिमंडल और विदेश विभाग के संपर्क में हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, यू.एस. और चीन, समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयास के तहत लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रही हैं। अमेरिकी अधिकारी मुख्य भूमि चीन के लिए लेवल 3 यात्रा सलाह को कम करने पर विचार कर रहे हैं, जो इसका दूसरा सबसे उच्च चेतावनी स्तर है। इस चिंता के कारण कि इस तरह के आदान-प्रदान हतोत्साहित हो सकते हैं।

पिछले नवंबर में अमेरिका की यात्रा के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बीजिंग अगले पांच वर्षों में 50,000 युवा अमेरिकियों को आदान-प्रदान और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए चीन आमंत्रित करने के लिए तैयार है। बता दें कि पिछले दशक में चीन में अध्ययन करने वाले अमेरिकियों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है, खासकर देश के तीन साल के महामारी अलगाव के दौरान। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 300,000 चीनी छात्र हैं, जबकि चीन में 900 से कम अमेरिकी अध्ययन कर रहे हैं। हालांकि चीन में दुनिया के कुछ सबसे सख्त बंदूक नियंत्रण कानून हैं, लेकिन चाकू से हमले असामान्य नहीं हैं।

पूर्वी अफ्रीकी देश मालावी के उपराष्ट्रपति का विमान लापता, नौ अन्य लोग भी हैं सवार

लिलोंग्वे, एजेंसी। मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस क्लॉस चिलिमा और नौ अन्य लोगों को ले जा रहा विमान लापता हो गया है। देश के राष्ट्रपति ने सोमवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि विमान के रडार से गायब होने के बाद से विमानन अधिकारियों ने संपर्क बनाने सभी प्रयास किए, लेकिन वे अभी तक उसका पता लगाने में विफल रहे हैं। विमान में सवार थे। विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजकर 17 मिनट पर राजधानी लिलोंग्वे से रवाना हुआ था। इसमें आगे कहा गया कि राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बलों को विमान के ठिकाने का पता लगाने के लिए तत्काल खोज और बचाव अभियान चलाने का आदेश दिया। चकवेरा बहामास की यात्रा करने वाले थे। लेकिन, विमान लापता होने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। 2022 में चिलिमा से उनकी शक्तियां छीन ली गईं थीं, जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक ब्रिटिश-मलावी कारोबारी से जुड़े रिश्वत घोटाले मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगा था। इससे कुछ दिन पहले ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का भी विमान लापता हो गया था। बाद में खबर सामने आई थी कि उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और उनकी मौत हो गई है। मलावी के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने देश को संबोधित करते हुए कहा मुझे पूरी उम्मीद है कि हम विमान और उसमें सभी सवार सभी लोगों को समय पर खोजने में सफल रहेंगे। विमान जिस रास्ते से गुजर रहा था, वहां 10 किलोमीटर के फॉरेस्ट रिजर्व में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

हमास से जंग के बीच इस्राइल ने लेबनान पर किया हमला, हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए

गाजा, एजेंसी। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइल ने लेबनान में टैंकरों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन सदस्य भी मारे गए।

हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

एक के बाद एक हमले: हमास के साथ जारी जंग के बीच हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को निशाना बनाया है। लेबनान में आठ महीने से अधिक समय से जारी हिंसा में कम से कम 462 लोग मारे गए हैं, जिनमें लगभग 90 नागरिक और लगभग 300 हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया इस्राइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया। उसने नौ हमले किए, जिसमें हिजबुल्ला के तीन लोग मारे गए। साथ ही उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं।

तीन सीरियाई मारे गए: सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर के अनुसार, हमले में दो अन्य लोग भी मारे गए हैं। एनजीओ के निदेशक रामी अब्देल रहमान ने बताया, सीरिया की सीमा पर लेबनान में प्रवेश करने वाले टैंकरों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए इस्राइली हमले में हिजबुल्ला के साथ काम करने वाले तीन सीरियाई और दो लेबनानी मारे गए।

उन्होंने कहा कि हमले के बाद पांच अन्य घायल हो गए और दो लोग लापता हैं। युद्ध की निगरानी करने वालों ने बताया कि हमले का मुकाबला करने के लिए सीरियाई विमानरोधी रक्षा को सक्रिय किया गया था।

अब तक पांच हमले: हिजबुल्ला के लड़ाके लंबे समय से सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना के समर्थन में तैनात हैं। सोमवार के हमलों से कुछ घंटे पहले, हिजबुल्ला ने एलान किया था की कि उसने लेबनान के ऊपर एक और इस्राइली हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है, जो फरवरी के बाद से इस प्रकार का पांचवां ड्रोन है।

वेनेजुएला में पानी से सस्ता मिल रहा पेट्रोल

73 रुपए से कम कीमत में टंकी फुल

एकैरेक्स , एजेंसी।

दुनिया में एक देश ऐसा भी है जहां पानी से सस्ता पैट्रोल मिल रहा है। कच्चे तेल का सबसे भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में है। कई साल तक दुनिया का सबसे सस्ता तेल इसी देश में मिलता था लेकिन अब स्थिति बदल गई है। आज दो देश उससे आगे निकल गए हैं। अब दुनिया में सबसे सस्ते तेल के मामले में ईरान पहले और लीबिया दूसरे नंबर पर है। पश्चिम एशियाई देश ईरान के पास भी तेल का बड़ा भंडार है। इस देश में पेट्रोल का रेट 0.029 डॉलर प्रति लीटर है। भारतीय करेंसी के हिसाब से देखा जाए तो यह राशि 2.42 रुपए बैठती है। यानी 30 लीटर की टंकी के लिए आपको 72.6 रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

भारत की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए और डीजल का रेट 87.62 रुपए प्रति लीटर है। कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए लीटर से ज्यादा है। आयरलैंड, फिनलैंड, जर्मनी, यूके, स्पेन, चेक गणराज्य, चिली, रोमानिया, मेक्सिको, यूक्रेन, कनाडा, इथियोपिया, साउथ अफ्रीका, तुर्की और साउथ कोरिया में पेट्रोल की कीमत भारत से ज्यादा है। ईरान के बाद दुनिया में सबसे सस्ता तेल उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया में मिल रहा है। इस देश में पेट्रोल की कीमत 0.031 डॉलर प्रति लीटर है जो भारतीय रुपए में 2.59 रुपये बैठती है। वेनेजुएला में अब पेट्रोल कीमत 0.035 डॉलर यानी 2.92 रुपए प्रति लीटर है।

मिस्र, कुवैत, अल्जीरिया, नाइजीरिया, कजाकस्तान, रूस, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया और पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत एक डॉलर से कम है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 0.982 डॉलर यानी करीब 82 रुपये लीटर है। भारत में पेट्रोल की औसत कीमतद1.252 डॉलर यानी करीब 104.43 रुपये बैठती है। अमेरिका, बांग्लादेश, अर्जेंटीना, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और चीन में पेट्रोल भारत से सस्ता है।

अमेरिकी-इस्राइली जासूसी सेल को विद्रोहियों ने किया गिरफ्तार, हूती के अधिकारी ने दी जानकारी

सना, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच यमन के हूती विद्रोही भी काफी सक्रिय हो गए हैं। सोमवार को उन्होंने एक अमेरिकी-इस्राइली जासूसी सेल को गिरफ्तार किया है। कुछ दिन पहले ही विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के लगभग एक दर्जन कर्मचारियों को हिरासत में लिया था। हूती के आरोपों पर अब तक इस्राइल की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग ने भी आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

हूती के खुफिया प्रमुख अब्देल हकीम अल खैवानी ने सोमवार को बताया कि कथित सेल में यमन में अमेरिकी दूतावास के पूर्व कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सेल ने दशकों तक दुश्मन के पक्ष में आधिकारिक और अनौपचारिक संस्थानों में जासूसी और तोड़फोड़ की है। सेल के सदस्यों और अमेरिकी अधिकारियों ने तोड़फोड़ की गतिविधियों को अंजाम दिया। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी दूतावास में अपने पदों का फायदा उठाया। अमेरिकी दूतावास के सना से जाने के बाद, सेल के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय और संयुक्त राष्ट्र संगठनों की आड़ में अपने तोड़फोड़ के एजेंडे को जारी रखा।

हूतियों का उदय 1980 के दशक में यमन में हुआ। यह यमन के उत्तरी क्षेत्र में शिया मुस्लिमों का सबसे बड़ा आदिवासी संगठन है। हूती उत्तरी यमन में सुन्नी इस्लाम की सलाफी विचारधारा के विस्तार के विरोध में हैं। 2011 से पहले जब यमन में सुन्नी नेता अब्दुल्ला सालेह की सरकार थी, तब शियाओं के दमन की कई घटनाएं सामने आईं। ऐसे में शियाओं में सुन्नी समुदाय के तानाशाह नेता के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने देखा कि अब्दुल्ला सालेह की आर्थिक नीतियों की वजह से उत्तरी क्षेत्र में असमानता बढ़ी है। वे इस आर्थिक असमानता से नाराज थे। बताया जाता है कि हूती विद्रोहियों को सीधे तौर पर ईरान का समर्थन हासिल है। दरअसल, ईरान शिया बहुल देश है और हूती मुस्लिम भी इसी समुदाय से आते हैं। इसी सामुदायिक जुड़ाव के चलते ईरान पर हूतियों की मदद के आरोप लगते रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हूतियों के पास जो हथियार और मिसाइलें मिलती हैं, वे भी ईरान द्वारा निर्मित होती हैं। इतना ही नहीं इस्लामिक जगत में राज के लिए ईरान का पहले ही सऊदी अरब और यूएई से लंबा विवाद रहा है। ऐसे में ईरान के लिए यमन को अरब देशों के प्रभाव में जाने से रोकना बड़ी चुनौती है। इसीलिए वह हूती विद्रोहियों का समर्थन कर यमन में सऊदी अरब और यूएई को रोकने की कोशिश में लगा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम का प्रस्ताव पारित किया

वाशिंगटन, एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा में युद्ध विराम के लिए अमेरिका का प्रस्ताव पारित हो गया। इसके तहत बंधकों की रिहाई के बदले में इजरायल के साथ संघर्ष को समाप्त करने की जिम्मेदारी हमास पर डाल दी गई है।

अमेरिका द्वारा लाये गए प्रस्ताव पर सोमवार को चीन सहित 14 सदस्य देशों ने वोट किया, जबकि रूस ने मतदान में भाग नहीं लिया। इसके साथ ही ये प्रस्ताव पारित हो गया। इसके तहत तीन-चरण में गाजा में शांति प्रस्ताव लागू किया जाएगा, जिसमें कतर और मिस्र की भूमिका भी होगी। अमेरिकी स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थोमा-ग्रीनफील्ड ने मतदान के बाद कहा, आज, इस परिषद ने हमास को एक स्पष्ट संदेश दिया है -- युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करो।

उन्होंने कहा, इजरायल पहले ही इस समझौते पर सहमत हो चुका है और अगर हमास भी ऐसा ही करता है तो लड़ाई आज ही रुक सकती है। उन्होंने कहा, मिस्र और कतर ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे हमास के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने के लिए काम करना जारी रखेंगे और अमेरिका यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि इजरायल भी अपने दायित्वों को पूरा करे, बशर्ते कि हमास इस समझौते को स्वीकार कर ले।

इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन-नफ्ताली ने परिषद से कहा, अगर हमास बंधकों को रिहा कर दे और आत्मसमर्पण कर दे तो युद्ध समाप्त हो जाएगा। एक भी गोली नहीं चलेगी। परिषद का यह प्रस्ताव अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के इजरायल पहुंचने के बीच आया।

इजरायली वॉर कैबिनेट में शामिल विपक्षी नेता बेनी गैंट्ज़ ने रविवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर बंधकों को वापस लाने और युद्ध को समाप्त करने के बजाय अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले इजरायली सेना ने शनिवार को गाजा में हमास के कब्जे वाले क्षेत्र से चार बंधकों को नाटकीय ढंग से बचाया था। बेन-नफ्ताली ने कहा, हमास द्वारा बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों को भी शामिल किया जाना चाहिए। और यह शनिवार को साबित हो गया कि इसे कैसे हासिल किया जा सकता है। परिषद कक्ष के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए फिलिस्तीन के पर्यवेक्षक रियाद मंसूर ने कहा, हम फिलिस्तीन के लोग देखना चाहते हैं कि यह प्रस्ताव कैसे लागू होगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि हमने बड़ी संख्या में लोगों की जान जाते हुए देखा है और हत्याओं के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। हमास द्वारा नियंत्रित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के जवाबी हमलों में अब तक 36,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड के अनुसार, सुरक्षा परिषद द्वारा स्वीकृत योजना छह सप्ताह के युद्ध विराम के साथ शुरू होगी, जिसमें इजरायली बंधकों, जिसमें महिलाएं, घायल और बुजुर्ग हैं, को छुड़ाया जाएगा और इसके बदले में इजरायली हिरासत से फिलिस्तीनियों को छोड़ा जाएगा। फिर इजरायल को गाजा के आबादी वाले क्षेत्रों से अपने सैनिकों को वापस बुलाना होगा और नागरिकों को अपने घरों में लौटने की अनुमति दी जाएगी। दूसरे चरण में, गाजा में मौजूद सभी अन्य बंधकों की रिहाई और गाजा से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी के बदले में शत्रुता का स्थायी अंत होगा। अंतिम चरण में गाजा के लिए एक पुनर्निर्माण योजना की शुरुआत होगी, और गाजा में मौजूद इजरायली और अन्य लोगों के अवशेषों को उनके परिवारों को वापस किया जाएगा। इजरायल को आश्वस्त करते हुए थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति बाइडेन ने स्पष्ट किया है, हमास अब 7 अक्टूबर की घटना को फिर से दोहराने लायक नहीं है, और इजरायल की आत्मरक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता अटल है। रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने प्रस्ताव पर संदेह व्यक्त किया और कहा कि यह प्लान कितना सफल होता है, देखना बाकी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मास्को इसे रोकना नहीं चाहता, क्योंकि इसे अरब देशों का समर्थन प्राप्त है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी सरकार की वापसी का जश्न मनाने पर मारे चाकू, पांच लोगों को किया अरेस्ट

बेंगलुरु, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी का जश्न मनाकर लौट रहे भाजपा के दो कार्यकर्ताओं पर कर्नाटक के मंगलुरू में 5 लोगों ने हमला बोल दिया। इन लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को चाकू से गोद डाला, जो फिलहाल अस्पताल में एडमिट है। इनमें से एक खतरे से बाहर है, जबकि दूसरे का ऑपरेशन होना है। पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल ने बताया कि इस घटना में 41 साल के हर्ष और 24 साल के नंदकुमार पर हमला हुआ था। दोनों मोदी सरकार की वापसी के मौके पर आयोजित एक विजय जुलूस में हिस्सा लेने गए थे और वहीं से लौट रहे थे। दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने धार्मिक स्थल के बाहर नारेबाजी की थी, जिसके बाद उनसे भिड़ंत हो गई। भाजपा कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमला बोलने के आरोप में मोहम्मद शाकिर, अब्दुल रज्जाक, अबू बकर सिद्दीकी, सवाद और हफीज को अरेस्ट किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह विवाद एक बार के बाहर हुआ था। वहां 20 से 25 बाइक सवार युवकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं का पीछा किया था। उन दोनों भाजपा वर्कर्स पर आरोप था कि उन्होंने नारेबाजी की थी। पुलिस ने इस मामले में मस्जिद से जुड़े पीके अब्दुल्ला की अर्जी पर केस दर्ज किया है। अब्दुल्ला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि पीटे गए भाजपा कार्यकर्ता उकसाने वाले नारे लगा रहे थे। इसके अलावा वहां बाहर खड़े लोगों को गालियां भी दी थीं। इस मामले से सांप्रदायिक लिहाज से संवेदनशील कर्नाटक में नया विवाद छिड़ सकता है। फिलहाल कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और भाजपा आरोप लगाती रही है कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करती है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीतने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने फिर से एनडीए के घटक दलों के समर्थन से सरकार बनाई है और रविवार को पूरे मंत्री परिषद के साथ शपथ भी ग्रहण कर ली है।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने ठुकरा दिया राज्य सरकार का न्योता

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में पिनाराई विजयन की सरकार और राज्यपाल के बीच तनातनी लंबे समय से चल रही है। इसी बीच केरल सरकार ने जब लोक केरल सभा के उद्घाटन के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को आमंत्रित किया तो उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया। बता दें कि तीन दिन चलने वाली लोक केरल सभा दुनियाभर के केरलाइट्स का एक कार्यक्रम होता है। चीफ सेक्रेटरी वी वेणु प्रसाद खुद राज्पाल को आमंत्रित करने राजभवन गए थे। बता दें कि कई मामलों को लेकर केरल की सरकार और राज्यपाल में मतभेद देखने को मिलता है। वहीं खान ने चीफ सेक्रेटरी से कहा कि सीपीआई (एम) के नेता उनपर निराधार आरोप लगाते रहते हैं। वहीं सार्जनिक जगहों पर भी उनके छात्र और युवा ऐक्टिविस्ट उनका रास्ता रोकने लगते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक जब मंत्रियों ने खुले आम प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया तो उससे उन्हें बहुत दुख पहुंचा। मीटिंग के दौरान राज्यपाल ने कहा कि आखिर सरकार इस तरह से अचानक उनके प्रति अपना रवैया क्यों बदल रही है। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम में आने से इनकार कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पहले भी कई कार्यक्रम कराए गए जिनमें उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। बता दें कि केरल विधानभवन में ही दुनियाभर के केरलाइट्स के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। यह 13 से 15 जून तक चलेगा। बता दें कि बीते साल दिसंबर में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भारतीय उद्योग के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। तभी रास्ते में एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए। केरल राज्यपाल ने कहा था कि यह इस तरह की पांचवीं घटना है। उन्होंने कहा था कि झंडों को रॉड में लगाया गया था।

लोकसभा रिजल्ट आते ही अजित पवार के बदले बोल ! चाचा शरद पवार की तारीफ

कहा- विचारधारा नहीं बदली

महाराष्ट्र, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं और नई सरकार का गठन भी हो चुका है। महाराष्ट्र में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बीते साल ही बगावत कर ली थी और अपनी नई पार्टी बनाकर चुनाव में उतरे थे। उनके दल को महाराष्ट्र में एक सीट पर ही जीत मिली थी। इसके अलावा बारामती लोकसभा सीट पर अजित पवार की पत्नी सुनेत्र को सुप्रिया सुले के मुकाबले हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों को अजित पवार के लिए झटके के तौर पर देखा जा रहा है, जो भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के साथ गठबंधन सरकार में डिप्टी सीएम हैं।

इस बीच नतीजों के बाद अजित पवार के बोल बदलते दिख रहे हैं। उन्होंने सोमवार को एनसीपी के 25 साल पूरे होने के मौके पर शरद पवार की तारीफ की। अजित पवार ने कहा, शरद पवार ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर अलग होकर नई पार्टी का गठन किया था। वह तब से ही पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और हमारे संगठन को दिशा दे रहे हैं। जून 2023 में शरद पवार से अलग होने के बाद से ऐसा पहली बार है, जब अजित पवार ने उनकी तारीफ की है। अजित पवार की ओर से ऐसे वक्त में तारीफ किया जाना कयासों को जन्म दे रहा है, जब उनके गुट को महज एक लोकसभा सीट मिली। वहीं शरद पवार खेमे ने 10 पर जीत हासिल की है।

इस मौके पर अजित पवार ने एनडीए के साथ अपने रिश्तों और मोदी सरकार में मंत्री पद न लेने पर भी सफाई दी। उन्होंने कहा, हमारा कहना था कि प्रफुल्ल पटेल पहले भी कैबिनेट मिनिस्टर रहे हैं। ऐसे में वह राज्य मंत्री क्यों बनेंगे। हमने इस बार में भाजपा की लीडरशिप को बता दिया है। हम कुछ समय इंतजार करेंगे और एनडीए में ही बने रहेंगे। इसके अलावा 15 अगस्त से पहले तक ही हमारी राज्यसभा में एक बजाय तीन सीटें हो जाएंगी। वहीं भाजपा सूत्रों का कहना है कि अजित पवार को नेतृत्व ने कह दिया था कि 7 सीटें जीतने वाले एकनाथ शिंदे गुट को एक राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार का ही पद मिला है। इसलिए एक सीट वाले आपके दल के लिए यह ऑफर ठीक है। अजित पवार ने यह भी साफ किया कि भले ही वह भाजपा और एकनाथ शिंदे सेना के साथ हैं, लेकिन हमारी विचारधारा में कोई बदलाव नहीं आया है। हमारी विचारधारा वही है। वही राह है, जो महात्मा फुले, भीमराव आंबेडकर और शाहू जी महाराज ने दिखाई थी। एनडीए की ओर से संविधान बदले जाने के सवाल पर अजित पवार ने कहा कि विपक्ष ने गलत नैरेटिव फैलाया था, जिसमें वह सफल रहा।

दांत साफ कर रहे बच्चे की भाई ने ऐसे थपथपाई पीठ, गले में फंस गया ब्रश; मची चीख-पुकार

पुडुचेरी, एजेंसी। दांत साफ करते समय एक बच्चे के गले में ब्रश फंस गया। दर्द के मारे बच्चे की चीख-पुकार मच गई। हालत और बिगड़ने लगी तो घरवाले उसे अस्पताल ले गए। बच्चे की जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उसकी सर्जरी करनी पड़ी। डॉक्टरों ने बताया कि अगर समय रहते सर्जरी नहीं होती तो सांस न ले पाने के कारण उसकी मौत भी हो सकती थी। डॉक्टरों ने उसी दिन गले का ऑपरेशन करके उसे अस्पताल से भी छुट्टी दे दी। पुडुचेरी का सरकारी अस्पताल महात्मा गांधी पोस्ट ग्रेचुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (एमजीपीजीआईडीएस)के डॉक्टरों ने किशोर की जान बचाई। डॉक्टरों की टीम ने 14 वर्षीय लड़के के गले में फंसा टूथब्रश निकाला है। 45 मिनट के कठिन ऑपरेशन के बाद अस्पताल ने बच्चे को उसी दिन डिस्चार्ज भी दे दिया। हालांकि डॉक्टरों का कहना था कि ऑपरेशन इतना आसान नहीं था।

लड़के की पहचान विल्लुपुरम जिले के किलियानूर के किसान सुरेश के बेटे एस दीवेश के रूप में हुई है। उसे शनिवार की सुबह तब अस्पताल में भर्ती किया गया, जब डॉक्टरों को जानकारी हुई कि उसके गले में ब्रश फंस गया है। जानकारी के अनुसार, दीवेश अपने भाई के साथ ब्रश कर रहा था। तभी खेल-खेल में उसके भाई ने उसकी पीठ जोर से थपथपा दी। इससे हुआ यूं कि दीवेश के हाथ से ब्रश की पकड़ ढीली हुई और ब्रश उसके गले के अंदर जाकर फंस गया। मारे दर्द के दीवेश की चीख निकलने लगी। जब उसके घरवालों को यह जानकारी मालूम हुई तो उन्होंने उसे तुरंत अस्पताल ले जाने का फैसला लिया।

अपमानित नहीं होना चाहता, नहीं लड़ूंगा जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव- उमर अब्दुल्ला

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से करारी हार मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के लिए राज्य विधानसभा चुनाव का विकल्प है। लेकिन, उन्होंने यह कहते हुए चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया कि वे केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव जीतकर विधानसभा की सीढ़ियां नहीं चढ़ना चाहते, क्योंकि वह खुद को अपमानित नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि वह भले ही चुनाव न लड़ें लेकिन, पार्टी के चुनावी अभियान का नेतृत्व जरूर करेंगे। जेल में बंद शेख अब्दुल रशीद उर्फ ??इंजीनियर रशीद से बारामूला लोकसभा चुनाव हारने को उमर अब्दुल्ला परेशान करने वाली बात नहीं मानते। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनावी राजनीति में हार के लिए भी तैयार रहना पड़ता है। अगर आप इस तथ्य को अलग रखें कि मैं हार गया, तो कुल मिलाकर मुझे लगता है कि हमारी पार्टी नेशनल कॉफ्रेंस के पास संतुष्ट होने के लिए बहुत कुछ है। जहां तक मेरी अपनी सीट का सवाल है, मैं निराश होने के अलावा और क्या कर सकता हूं? लेकिन यह चुनावी राजनीति है। अगर आप हारने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आपको अपना पर्चा दाखिल नहीं करना चाहिए। मैं यह नहीं कह सकता कि परिणाम उम्मीदों के अनुसार था।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व करेंगे। उमर ने कहा, मैं हमारे राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए लड़ूंगा। मैं जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने के लिए लड़ूंगा। फिर, अगर संभव हुआ तो मैं विधानसभा में प्रवेश करने और वहां अपनी भूमिका निभाने का अवसर तलाशूंगा। लेकिन, मैं केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में प्रवेश करके खुद को अपमानित नहीं करूंगा। गौरतलब है कि 2019 में, केंद्र सरकार ने तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में जिस तरह भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, इससे वह आशांवित हैं कि जम्मू कश्मीर राज्य को एक बार फिर विशेष राज्य का दर्जा मिल सकता है। विधानसभा चुनावों के संचालन पर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश नहीं दिया होता तो उन्हें इतनी उम्मीद नहीं होती। उन्होंने कहा, अगर भाजपा अल्पमत सरकार या केंद्र में गठबंधन सरकार में तब्दील नहीं होती, तब भी मुझे विधानसभा चुनाव और राज्य के दर्जे की इतनी उम्मीद नहीं होती। चुनाव इसलिए नहीं हो रहे हैं क्योंकि भाजपा चुनाव चाहती है।

डॉक्टर की लग्जरी कार से शराब तस्करी, तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर मद्य निषेध की पुलिस ने दो लग्जरी कार में यूपी के शराब के साथ तीन शातिर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। लग्जरी कार पर डॉक्टर का स्टिकर लगा कर शराब की तस्करी कर रहा था।द टीम को गुप्त सूचना मिली कि कुछ शराब तस्कर जिले के पारू थाना क्षेत्र में लालू छपरा गांव में विदेशी शराब को कार में लादकर पताही ले जा रहे है। टीम लालू छपरा गांव में छापेमारी करने पहुंची। जहां पुलिस टीम ने दो लग्जरी कार से 45 कार्टन शराब बरामद की। मौके से तीन शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। एक कार का नंबर प्लेट बंगाल और एक कार पर डॉक्टर लिखा हुआ है।

मोहमदपुरखाजा गांव के रहने वाले हैं बदमाश : दो तस्कर की पहचान करजा थाना क्षेत्र मोहमदपुरखाजा गांव निवासी के रूप में हुई है। मद्य निषेध की इंस्पेक्टर शिबेंद कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने पारू थाना क्षेत्र लालू छपरा में कार्रवाई की। दो लग्जरी कार से शराब की खेप लेकर पहुंचे तीन लोग पकड़े गए।

तेरहवीं के दिन जिंदा घर लौटा युवक, मरा समझ परिवार ने कर दिया था अंतिम संस्कार

श्योपुर , एजेंसी। मध्य प्रदेश के श्योपुर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति को उसके परिवार द्वारा मरा हुआ समझ अंतिम संस्कार करने के बाद तेरहवीं की रस्म वाले दिन पहले वह जीवित घर लौट आया। अब यह बात पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गई है।

दरअसल, हाल ही में राजस्थान के सवाई माधोपुर के पास सूरवाल में हुए एक हादसे की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें घायलों की शिनाख्त की अपील की गई थी। इस फोटो को देख, मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के लाहचोड़ा गांव के एक परिवार ने घायल व्यक्ति की पहचान सुरेंद्र शर्मा के रूप में की और उसे जयपुर ले गए, जहां उसे इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। जयपुर में डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि इलाज के दौरान सुरेंद्र की मौत हो गई है। थाना प्रभारी लाल बहादुर मीना ने बताया कि परिवार ने शुरुआत में हादसे में मरने वाले व्यक्ति की

पहचान सुरेंद्र के रूप में की थी। पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया। शव का अंतिम संस्कार 28 मई को किया गया। परिवार जब सुरेंद्र की तेरहवीं के दिन की रस्मों की तैयारी कर रहा था, तभी उन्हें एक दिन पहले सुरेंद्र का फोन आया। शुरू में उन्हें लगा कि यह कोई मजाक है, लेकिन उसके भाई ने सुरेंद्र से वीडियो कॉल के जरिये पुष्टि करने को कहा। वीडियो कॉल पर जब उन्होंने सुरेंद्र को जिंदा देखा, तो उन्होंने उसे तुरंत घर लौटने के लिए कहा और तेरहवीं की सभी तैयारियां बंद कर दीं। यह भ्रम तब शुरू हुआ जब सुरवाल में एक व्यक्ति की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। श्योपुर में एक सड़क किनारे के रेस्तरां का एक खाद्य बिल उसकी जेब से मिला, जिससे सुरवाल पुलिस को दुर्घटना में मरने वाले व्यक्ति की पहचान करने में मदद मिली। सोशल वर्कर बिहारी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर मृतक की फोटो पोस्ट की, जिसमें सुरेंद्र के परिवार ने गलती से उसे सुरेंद्र के रूप में पहचान लिया और उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। सुरेंद्र की मां कृष्णा देवी ने बताया कि परिवार ने एक अज्ञात शव की पहचान सुरेंद्र के रूप में की और सभी अनुष्ठान भी कर दिए। उन्होंने कहा कि उनके पास जब सुरेंद्र का फोन आया, तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ।

हमारे नेताओं को अपने गांव में ही वोट नहीं मिले- डीके शिवकुमार

बेंगलुरु, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में 99 सीट लाकर दूसरे नंबर पर रही कांग्रेस पार्टी के आंकड़ों पर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत दिग्गज नेता भले ही खुश हों लेकिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि परिणाम कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी है। हमारे नेताओं को अपने गांवों में भी वोट नहीं मिले। कर्नाटक में सत्ता पर होने के बावजूद कांग्रेस के खाते में 28 में से सिर्फ 9 सीटें आईं। डीके ने आगे कहा कि सुधार और आत्ममंथन की आवश्यकता है। हालिया संपन्न हुए आम चुनाव के परिणामों को चेतावनी की घंटी बताते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि सुधार की बहुत आवश्यकता है। अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, हम सभी नेताओं के साथ समीक्षा बैठकें करेंगे। यह आत्मनिरीक्षण करने और सुधार करने का समय है। परिणाम हमारे लिए खतरे की घंटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य भर के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए समीक्षा बैठकों की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि इन बैठकों की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के नतीजों पर शिवकुमार ने कहा, हमें 14-15 सीटें जीतने का भरोसा था, लेकिन हम इन आंकड़ों को हासिल करने में विफल रहे। हमें लोगों के फैसले को स्वीकार करना होगा। पार्टी के नेताओं को अपने ही गांव-कस्बों से वोट नहीं मिले, यह चिंता की बात है। शिवकुमार ने कहा, किसी ने भी मुझसे इसकी शिकायत नहीं की है। आरोप-प्रत्यारोप का कोई मतलब नहीं है। जो नेता निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभारी हैं, उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करनी चाहिए, कारणों की जांच करनी चाहिए। उन्होंने विधायक बसवराज शिवगंगा के एक बयान का जिक्र करते हुए सलाह दी कि विधायकों को अनावश्यक रूप से सार्वजनिक रूप से बयान जारी नहीं करना चाहिए।

साढ़े तीन लाख कमाई वाले वीडीओ ने साढ़े तीन करोड़ किए खर्च, अब आय से अधिक संपत्ति का केस

गोरखपुर, एजेंसी। आमदनी अठन्नी खर्चा रुपइया% की नसीहत को पीछे छोड़ते हुए गोरखपुर में तैनात रहे एक ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) ने शाहखर्ची की हद कर दी है। विजलेंस ने वीडीओ के पद से बर्खास्त किए जा चुके रामफेर यादव उर्फ अंशुल यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया है। आरोपी विशेष खंड गोमतीनगर, लखनऊ का रहने वाला है। शासन के निर्देश पर विजलेंस ने उसके खिलाफ लखनऊ में आय से अधिक संपत्ति होने की जांच की थी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद इसकी रिपोर्ट विजलेंस ने शासन को भेजी थी। अब शासन के निर्देश पर इस मामले में केस दर्ज किया गया है। कमाई 3.68 लाख, खर्चा 3.56 करोड़ पूछताछ में आरोपी रामफेर यादव उर्फ अंशुल यादव ने यह स्वीकार किया था कि लोक सेवक के रुप में काम करते हुए उसने 3,68,106 लाख रुपये आय के रूप में अर्जित की थी। जबकि, इसी दौरान आरोपी की कुल परिसम्पत्ति के अर्जन पर और भरण-पोषण पर किया गया कुल खर्च 3,56,84,264 करोड़ पाया

गया है। जांच के दौरान आरोपी के पास ज्ञात और वैध स्रोतों से अर्जित की गई आय की तुलना में 3,53,16,158 करोड़ रुपये अधिक पाया गया। जांच में नहीं दे सका आय के श्रोतों का हिसाब जांच अफसरों ने जब इन रुपयों के आय का श्रोत आरोपी अफसर से मांगा तो आरोपी रामफेर यादव विजलेंस को कोई संतोषजनक जवाब या स्पष्टीकरण नहीं दे सका। जिसके बाद जांच टीम ने उसे आय से अधिक संपत्ति का दोषी मानते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी। शासन से स्वीकृति के बाद विजलेंस गोरखपुर में आरोपी अफसर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

आंदोलनकारी किसानों को मिला ममता बनर्जी का साथ

खनौरी बॉर्डर पहुंचा टीएमसी प्रतिनिधिमंडल

खनौरी , एजेंसी। पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर पिछले कई महीनों से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे पंजाब के किसानों से मिलने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की किसान नेताओं से फोन पर बात भी करवाई। ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि तृणमूल कांग्रेस किसानों के न्याय के लिए हमेशा खड़ी रहेगी। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, सागरिका घोष और साकेत गोखले शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सागरिका घोष ने बाद में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट कर यह जानकारी दी।

टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष का कहना है कि हम किसानों के साथ खड़े हैं। सागरिका ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा किसानों के लिए आंदोलन किया है। उन्होंने कहा कि जब पश्चिम बंगाल के सिंगूर में किसानों की जमीन पर अधिग्रहण हुआ था, उस दौरान ममता बनर्जी ने 26 दिनों तक भूख हड़ताल कर अपनी जान की बाजी लगा दी थी। जब 2020 में बड़ा किसान आंदोलन चला उस समय तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने किसान नेताओं से मुलाकात कर बातचीत की थी।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि हम हमेशा किसान के साथ थे, हैं और आगे भी रहेंगे। ऐसे में हम किसानों का मुद्दा लगातार उठाते रहेंगे। सागरिका घोष ने कहा कि मोदी सरकार झूठ बोलती है, मोदी सरकार झूठे आश्वासन देती है। किसान हमारे देश का अन्नदाता हैं। हम भोजन करने में सक्षम हैं क्योंकि किसान काम करते हैं, वे हमें खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को किसानों से माफी मांगनी चाहिए। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेता अभिमन्यु कोहर ने कहा कि टीएमसी प्रतिनिधिमंडल एक घंटे के लिए संगरूर जिले के खनौरी में था। उन्होंने फरवरी में हरियाणा के साथ सीमा बिंदु पर पुलिस के साथ हुई झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि वे उस स्थान पर गए, जहां ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हुए थे और शुभकरण सिंह को गोली लगी थी। उन्होंने किसानों से बात की। कोहर ने कहा कि बनर्जी ने किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल से बात की। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि टीएमसी संसद के मानसून सत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी का मुद्दा उठाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंसर तकनीक से लैस होगा गंगा एक्सप्रेसवे, 2 विदेशी संस्थानों से हुए एमओयू

मेरठ, एजेंसी। मेरठ से प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे पर एयरो सेंसर तकनीक का इस्तेमाल होगा। साथ ही एआई सेंसर माडयूल लागू होगा। इस विश्वस्तरीय तकनीक का इस्तेमाल करने वाला यूपी पहला राज्य होगा। गंगा एक्सप्रेसवे की इस तकनीक को बाद में अन्य एक्सप्रेसवे पर लागू किया जाएगा। इसके लिए अब ईटीएच ज्यूरिख और आरटीडीटी लेबोटरीज एजी के साथ यूपीडा ने दो अलग-अलग एमओयू किए हैं।

औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने इन समझौता ज्ञापनों को अहम बताते हुए कहा कि इसके तहत किए जाने वाले काम से गंगा एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता बेहतर होगी। मार्गों को बेहतर बनाया जाएगा। इस लिहाज से यह गेम चेंजर होगा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस तकनीक को अन्य एक्सप्रेसवे पर लागू किया जाएगा। इससे लाखों उपभोक्ताओं को फायदा होगा। इस काम के लिए पिछले साल आईडीसी ने स्विटजरलैंड जाकर इस तकनीक को समझा। बाद में इस तकनीक का मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण किया गया। बाद में अधिकारी जर्मनी व स्विटजरलैंड गए जहां के राष्ट्रीय राजमार्गों के संचालन व ट्रैफिक व्यवस्था का अध्ययन किया।